प्रातःनागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 55 | रांची, मंगलवार, 04 फरवरी 2025 (माघ शुक्ल 07, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

महाकुंभ में बसंत पंचमी पर 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

एजेंसियां

प्रयागराज। महाकुंभ में बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर दोपहर दो बजे तक करीब ढाई करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। त्रिवेणी संगम में अखाड़ों ने भी गाजे-बाजे के साथ काफिला निकालकर स्नान किया। तीन फरवरी तक 37 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह साढ़े 3 बजे से सरकारी आवास के वॉर रूम में डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह और मुख्यमंत्री कार्यालय के अफसरों के साथ बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर लगातार अपडेट लेते रहे।

40 हजार सुरक्षाकर्मियों की मदद से अमृत स्नान : एसएसपी मेला राजेश द्विवेदी ने बताया कि बसंत पंचमी स्नानन के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस

संगम से 10 किलोमीटर तक श्रद्धालुओं की भीड़

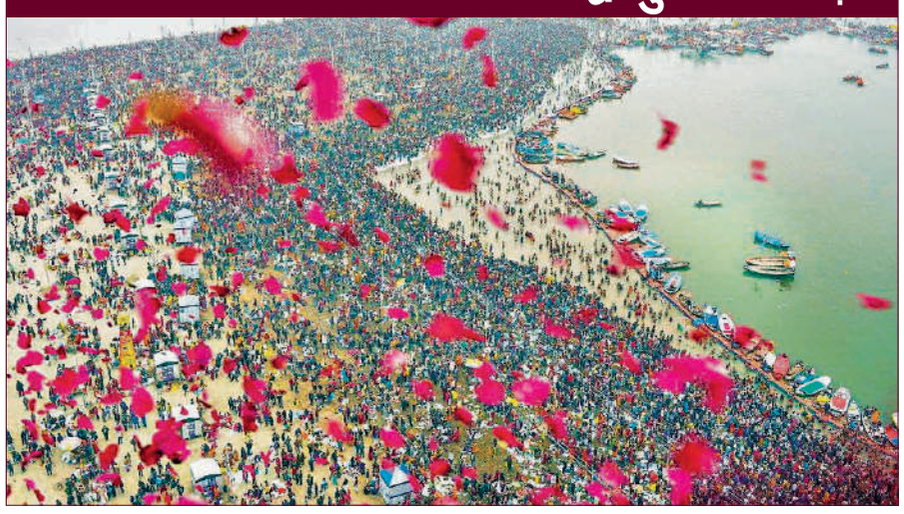

दौरान मेला की सुरक्षा के लिए 40 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे।

मौनी अमावस्या की तुलना में कम रही भीड़ : बसंत पंचमी के मौके पर मौनी अमावस्या की तुलना में श्रद्धालुओं की संख्या में काफी कमी रही। बसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व पर कुल दो करोड़ 57 लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

कल महाकुंभ जाएंगे पीएम मोदी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच फरवरी को महाकुंभ जाएंगे। वह सुबह करीब 10.30 बजे महाकुंभ पहुंचेंगे। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के साथ भूटान के नरेश भी मौजूद रहेंगे।

ये रहा पीएम का पूरा कार्यक्रम : नये प्रोटोकाल के मुताबिक, पीएम मोदी पांच फरवरी को सुबह करीब 10.30 बजे बमरौली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से डीपीएस हेलीपैड जाएंगे। इसके बाद पीएम मोदी यहां से निषादराज क्रूज से वीआईपी घाट पहुंचेंगे। इस दौरान पीएम मोदी संगम स्नान के बाद गंगा आरती और पूजन करेंगे। करीब एक घंटे पीएम मोदी महाकुंभ में रहेंगे। इसके बाद दिल्ली लौट जाएंगे। पीएम मोदी के आगमन की तैयारियों की समीक्षा के लिए चार फरवरी को सीएम योगी प्रयागराज पहुंचेंगे।

महाकुंभ भगदड़ में हुई मौतों पर खरगे की टिप्पणी को लेकर राज्यसभा में हंगामा

- सभापति जगदीप धनखड़ ने किया बयान वापस लेने का आग्रह

एजेंसियां

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि पिछले सप्ताह महाकुंभ में मची भगदड़ में हजारों लोगों की मौत हो गई, जिन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं। उनके इस बयान को लेकर सदन में जोरदार हंगामा हुआ और सभापति जगदीप धनखड़ ने उनसे यह बयान वापस लेने को कहा। खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर आज राज्यसभा में हुई चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि मेरा कहना है कि वहां (महाकुंभ भगदड़ में) हजारों लोग मारे गए। अगर आप कहते हैं कि मैं गलत हूं तो कम से कम वहां हुई मौतों की सही संख्या की रिपोर्ट जारी कर दें। उनके इस बयान पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा किया। इस पर खरगे ने कहा, मैंने किसी को दोषी ठहराने के लिए 'हजारों' नहीं कहा लेकिन कितने लोग मारे गए, कम से कम यह जानकारी तो दें। यह मेरा अंदाजा है, अगर मैं गलत हूं तो मैं सुधार करने के लिए तैयार हूं। उन्हें (सरकार को) आंकड़ा देना चाहिए कि कितने लोग मारे गए, कितने लापता हैं।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़: कांकेर मुठभेड़ में इनामी वर्दीधारी नक्सली जतिन मारा गया

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रांतर्गत थाना कोयलीबेड़ा के पानीडोबीर के जंगल में हुई मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया। सोमवार सुबह घटना स्थल की सर्चिंग करने पर एक वर्दीधारी पुरुष नक्सली का शव और एक नग एसएलआर रायफल व अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गई है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गये नक्सली की पहचान उत्तर बस्तर डिवीजन मिलिट्री कंपनी नम्बर 5 सदस्य 8 लाख का इनामी जतिन मंडावी के रूप की गयी है। उन्होंने बताया गया कि वर्ष 2025 में नक्सल विरोधी अभियान संचालित के दौरान बीते 34 दिनों में कुल 34 हार्डकोर नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं।

यह चुनाव महिलाओं का चुनाव है : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि यह चुनाव महिलाओं का चुनाव है। एक-एक महिला वोट डालने जाएं और अपने घरों में पुरुषों को समझाएं कि जैसे हर महिला आआपा को वोट दे रही है, वैसे ही हर पुरुष का एक -एक वोट झाड़ू पर पड़ना चाहिए ताकि हम 60 सीट क्रॉस कर जाएं। अगर सारी महिलाएं इस काम पर लग गईं तो आआपा की 60 से ऊपर सीट आएंगी। शेष पेज 08 पर

बिहार: कांग्रेस नेता शकील अहमद खान के बेटे ने की आत्महत्या

पेज 08

सीएम हेमंत ने दुमका में झामुमो के 46वें झारखंड दिवस को किया संबोधित, कहा

केंद्र ने सबसे अधिक राजस्व देने वाले पिछड़े राज्य झारखंड की अनदेखी की

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देश में पहली बार अर्थव्यवस्था के प्रबंधन में चौथे स्थान पर पहुंचा झारखंड

दुमका। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार की ओर से पेश बजट में झारखंड की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया है। हेमंत सोरेन रविवार की देर रात दुमका के ऐतिहासिक गांधी मैदान में झामुमो के 46वें झारखंड दिवस को संबोधित कर रहे थे। हेमंत सोरेन ने केन्द्रीय बजट की चर्चा करते हुए राज्य वासियों से अपना हक और अधिकार पाने के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को सभी राज्यों के साथ बराबरी की नजर रखनी चाहिए, लेकिन केन्द्र सरकार ने सबसे अधिक राजस्व देने वाले पिछड़े राज्य झारखंड की अनदेखी की है। जबकि पिछड़े राज्यों का पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

केंद्र का बजट झारखंड के लिए फायदे की जगह नुकसानदेह : मुख्यमंत्री ने कहा कि समूचे देश में सबसे अधिक 42 प्रतिशत कोयला सहित अन्य खनिज संपदा झारखंड में है। यहां के खनिज संपदाओं के राजस्व से केंद्र सरकार का खजाना भरता है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि सामंती सोच रखने वाली केन्द्र सरकार झारखंड को पिछड़े राज्य की श्रेणी में खड़ा रखने का बीड़ा उठा रखा है। जिससे झारखंड के आदिवासी मूलवासी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सके। इसके लिए हमें लड़ना पड़ता है। इससे स्पष्ट है केन्द्र सरकार का यह नया बजट पिछड़ा राज्य झारखंड के लिए फायदे की जगह नुकसान देने वाला है। शेष पेज 08 पर

अब दूसरे राज्यों में भी झामुमो लहरायेगा परचम

दुमका। झारखंड के दुमका के गांधी मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के 46वें झारखंड दिवस पर गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि अब हमें आगे बाहें फैलानी हैं। अब हमें दूसरे राज्यों में भी झामुमो का परचम लहराना है। कहा कि देश में हेमंत की जरूरत है। कल्पना ने अपने अंदाज में वृहत झारखंड राज्य व दूसरे प्रदेशों में भी झामुमो की राजनीतिक विस्तार की मंशा जताते हुए कहा कि झारखंड अब रुकेगा नहीं। कल्पना ने कहा कि झारखंड की जनता को अपने हक व अधिकार के लिए एक और हूल करना होगा। केंद्र के पास बकाया झारखंड के खनिज संपदाओं की रॉयल्टी के एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये हासिल करने के लिए यहां की जनता को तैयार रहना होगा।

झारखंड के डीजीपी बने अनुराग गुप्ता

- हेमंत सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के प्रभारी डीजीपी अनुराग गुप्ता को राज्य सरकार ने नियमित डीजीपी बना दिया है। इससे संबंधित अधिसूचना सोमवार को कर दी गई है। अनुराग गुप्ता का कार्यकाल दो साल का होगा। इस दो साल की गिनती कब से होगी, इसका जिक्र अधिसूचना में नहीं है। अधिसूचना में केवल इतना ही लिखा हुआ है कि अनुराग गुप्ता का कार्यकाल 'महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड (पुलिस बल प्रमुख) का चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2025' के नियम 10 (1) के अनुरूप होगा। इसके अनुसार उनका कार्यकाल दो वर्षों का होगा।

पहली बार 26 जुलाई को बनाया डीजीपी : राज्य सरकार ने उन्हें पहली बार 26 जुलाई 2024 को झारखंड पुलिस का प्रभारी डीजीपी बनाया था। उसके अनुसार उनका कार्यकाल 26 जुलाई 2026 तक होगा। हालांकि, झारखंड विधानसभा चुनाव के समय चुनाव आयोग के आदेश पर उन्हें डीजीपी के पद से हटा दिया गया था, लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार बनते ही उन्हें 28 नवंबर 2024 को फिर से प्रभारी डीजीपी बना दिया गया था। अगर 28 नवंबर 2024 की तिथि को उन्हें प्रभारी डीजीपी माना जाएगा तो उक्त तिथि के अनुसार उनका कार्यकाल 28 नवंबर 2026 तक का होगा।

अनुराग गुप्ता झारखंड कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे सीआईडी के नियमित डीजी थे। उनके पास डीजीपी व डीजी एसीबी का अतिरिक्त प्रभार था। जारी अधिसूचना में सीआईडी व एसीबी के डीजी का पद का जिक्र नहीं है। मतलब ये दोनों पद फिलहाल रिक्त हैं।

शेष पेज 08 पर

झारखंड के गैर असैनिक सेवा के छह अफसरों को मिली आईएएस में पदोन्नति

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में गैर असैनिक सेवा कैडर के छह अधिकारियों को आईएएस पद पर प्रमोशन दिया गया है। भारत सरकार के कार्मिक मंत्रालय ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर सूचना दी। प्रमोशन पा कर आईएएस बनने वाले अधिकारियों में महिला एवं बाल विकास विभाग की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कंचन सिंह, सीता पुष्पा और प्रीति रानी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक कंचन सिंह रांची के

रांची के डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा की पत्नी भी शामिल

डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा की पत्नी हैं। इनके अलावा, ऊर्जा विभाग में मुख्य अभियंता विजय कुमार सिन्हा और श्रम एवं नियोजन विभाग के अधिकारी धनंजय कुमार सिंह एवं लाल राजेश प्रसाद को भी पदोन्नति दी गई है।

इन छह अधिकारियों कैसे हुआ चयन : संघ लोक सेवा आयोग ने गैर असैनिक सेवा कैडर के कुल 21 अधिकारियों का इंटरव्यू लिया था, जिनमें से छह को प्रमोशन के योग्य पाया गया। इसके बाद यूपीएससी ने अपनी सिफारिश के साथ राज्य सरकार को नामों की सूची भेजी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सहमति मिलने के बाद केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी। अब इन अफसरों की बतौर आईएएस नए सिरे से पोस्टिंग की जाएगी। शेष पेज 08 पर

13 साल से फरार झासंजनमुमो सुप्रीमो राजेश खरवार गिरफ्तार

लातेहार। लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन झारखंड संघर्ष जनमुक्ति मोर्चा (झासंजनमुमो) के सुप्रीमो राजेश सिंह खरवार उर्फ राजेश सिंह उर्फ टुला सिंह उर्फ राजेश जी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद उसे जेल भेज दिया है। शेष पेज 08 पर

झारखंड में 1693 किलोमीटर लंबे रेल ट्रैक पर लगेगा कवच, अब नहीं टकरायेगी ट्रेन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में रेलवे का वार्षिक बजट 16 गुणा बढ़ गया है। वर्ष 2009-14 तक रेल बजट में झारखंड की हिस्सेदारी 457 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर 7,302 करोड़ रुपए हो गयी है। यह जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को दी। रेल मंत्री ने कहा कि झारखंड में 1,693 किलोमीटर रेलवे ट्रैक को कवच के दायरे में लाया जायेगा। इसमें से 400 किलोमीटर में काम चल रहा है या उसके टेंडर की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से अब तक 445 रेलवे फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज का निर्माण हुआ है।

यात्री सुविधाओं का हुआ विकास : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2014 से झारखंड में यात्री सुविधा का भी विकास किया गया है। रेलवे स्टेशनों पर 34 लिफ्ट लगाये गये हैं। 14 एस्कलेटर लगाये गये हैं। 215 स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

झारखंड में दौड़ रहीं 12 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि झारखंड में 12 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें दौड़ रहीं हैं। ये ट्रेनें राज्य के 24 में से 14 जिलों को कवर करतीं हैं। झारखंड में 22 स्टेशनों पर वंदे भारत ट्रेनें रुकती हैं।

दिल्ली विस चुनाव : थम गया चुनाव प्रचार, मतदान कल

एजेंसियां

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम छह बजे थम गया। अब कोई चुनावी रैलियां व जनसभाएं नहीं होंगी। पांच फरवरी को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। दिल्ली के एक करोड़ 56 लाख 14 हजार मतदाता भाजपा, आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के प्रत्याशियों समेत कुल 699 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

अंतिम समय तक राजनेता किए प्रचार : बता दें कि विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में बीजेपी, आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत

झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं ने चुनावी सभाओं को संबोधित किया और रोड शो किए। वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत कई नेताओं ने रोड शो और जनसभाएं कीं।

तीनों पार्टियों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकी : कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी प्रचार किया। सोमवार चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। आखिरी दिन भी तीनों पार्टियां चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकी। इसके बाद शाम छह बजे विधानसभा चुनाव प्रचार का शोर थम गया।

एक करोड़ 56 लाख 14 हजार मतदाता डालेंगे वोट : उल्लेखनीय है कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 5 फरवरी को सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम 6 बजे तक चलेगा। एक करोड़ 56 लाख 14 हजार मतदाता ईवीएम का बटन दबाकर दिल्ली के चुनावी रण में भाजपा, आप, कांग्रेस समेत 699 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। शेष पेज 08 पर

5 फरवरी को दिल्ली में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने सोमवार को एक आदेश जारी कर पांच फरवरी बुधवार को मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। सरकारी महकमों, स्थानीय निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों सहित तमाम कार्यालयों में कर्मचारियों का अवकाश रहेगा। ताकि कर्मचारी मतदान कर सकें।

राष्ट्रपति की गरिमा को किया अपमानित, पप्पू यादव और सोनिया गांधी को नोटिस

नई दिल्ली। बीजेपी ने सोनिया गांधी और सांसद पप्पू यादव पर राष्ट्रपति की गरिमा को अपमानित करने का आरोप लगाया और नोटिस दिया है। बीजेपी के 40 सासंदों ने पप्पू यादव और सोनिया गांधी के खिलाफ संसदीय विशेषाधिकार, नैतिकता और मर्यादा के उल्लंघन का नोटिस पेश किया। शेष पेज 08 पर

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली वालों के साथ किया धोखा: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा में आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला। अमित शाह ने कहा कि देशभर में एक ही शिक्षा मंत्री है, जो शराब घोटाला मामले में जेल गया है। शिक्षा मंत्री का काम होता है, बच्चों को शिक्षा देना, स्कूल बनाना, शिक्षकों का कल्याण करना, नए कॉलेज बनाना। ये सब तो कुछ उन्होंने किया नहीं, बल्कि दिल्ली में गली-गली में शराब की दुकानें खोल दी हैं।

जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि 10 वर्षों तक अनेक वादे कर केजरीवाल और उनके चट्टे-बट्टों ने दिल्ली को क्या दिया? भ्रष्टाचार दिया, कूड़ा कचरा दिया, जहरीला पानी दिया और तुष्टिकरण दिया। इन्होंने दिल्ली को धोखा दिया है। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

डाड़ी में डूबकर एक युवक की मौत

खूंटी। मुरहू थाना क्षेत्र के गोड़ाटोली गांव के कटहल टोली की एक डाड़ी में डूबने से बीरसिंह मुंडा (50) की मौत हो गई। मृतक ग्राम पंचायत की पूर्व सदस्य मीरा देवी के पति थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। इस संबंध में बताया गया कि बीरसिंह मुंडा सोमवार को सुबह उठकर मुरहू गए थे। वहां से वापस लौटने के बाद सुबह आठ बजे वे दातुन लेकर गांव की लुपुंग डाड़ी में नहाने चले गए, जहां लगभग नौ बजे कुछ लोगों ने देखा कि डाड़ी में बीरसिंह मुंडा का शव तैर रहा है। तत्काल इसकी सूचना परिवार के लोगों के साथ ही पुलिस को दी गई।

बाइक दुर्घटना में युवक की मौत

सिल्ली। सिल्ली के रामपुर हालमाद सड़क पर टेटेबंदा के समीप हालमाद बरवा टोला निवासी 28, वर्षीय कुलदीप कुमार गोराई की सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना सोमवार प्रातः करीब पांच बजे की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक कुलदीप अपने मोटर साइकिल पर कोयला लाद कर सिल्ली की ओर बेचने जा रहा था। तभी क्रम में रामपुर हालमाद सड़क अपरधार टेटेबंदा के समीप ब्रेकर पर संतुलन बिगड़ने से सड़क पर ही गिर गया तथा कोयला समेत उस पर दब गया।और गंभीर रूप से घायल हो गया जहां उनके परिजन प्राथमिक उपचार के लिए उसे इलाज के लिए सिल्ली सीएचसी लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। हालांकि परिजन कुलदीप को लेकर अस्पताल पहुंचे। लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।वहीं घटना सूचना मिलते ही मृतक के पिता उदय गोराई सहित अन्य घरवालों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने परिजनों को ढांढस बंधाया।मृतक कुलदीप घर का वह एक कमाऊं सदस्य था। वही उसके 5 साल के पुत्र मयंक गोराई इस घटना से अंजान है बस हर आने जाने वाले के मुंह देखता रहा था। इस संबंध में एक मामला सिल्ली थाने में दर्ज किया गया है।इस सड़क पर प्रतिदिन काफी संख्या में अवैध कोयले से लदा मोटर साइकिल चलते है।

सड़क दुर्घटना में एक गंभीर रूप से घायल

इटकी। इटकी मोड़ के निकट रांची गुमला मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार एसकार्यप्यू ने बाईक को पिछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक में सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना सोमवार शाम करीब छह बजे की है। घायल एक फेरी व्यापारी है।सूचना पर पुलिस घटना स्थल पहुंची और घायल को इलाज के लिए रिम्स भेज दिया है और दुर्घटना ग्रस्त बाईक को कब्जे में कर लिया है। बाईक से गांवों में फेरी कर सामग्रियों को बेच कर वापस लौट रहा था इसी दौरान तेज रफ्तार काले रंग की एसकार्यप्यू ने बाईक के पिछे टक्कर मार दी जिससे बाईक में सवार सड़क के बिचोबीच जा गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

उत्साह के साथ की गई मां शारदे की पूजा

- वसंत ऋतु आगमन के उत्साह में डूबे लोग

प्रातःनागपुरी टीम

इटकी। इटकी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में ज्ञान की देवी मां सरस्वती पूजा की धुम रही। दिन भर छात्र छात्राऐं और युवा वर्ग वसंत पंचमी के उत्साह में डुबे रहे। वसंत ऋतु के आगमन पर एक दूसरे को गुलाल लगा कर बधाई दे रहे थे।क्षेत्र के प्रायः शिक्षण संस्थान, टोले मुहल्ले और चौंक चौराहों पर छोटे बड़े पंडालों में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा की भक्ति भाव से अराधना की गई । पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा अनुष्ठान कार्यक्रम संम्पन्न कराया गया।

इसके बाद महा आरती और प्रसाद वितरण की गई। कई पंडालों में भंडरा का भी आयोजन किया गया था।आयोजकों द्वारा लाईट गेट लगा कर पंडाल को विशेष रूप से साज सज्जा की गई है। बड़ी संख्या में दशार्नार्थियों की भीड़ पंडालों में देर रात तक देखी गई। इटकी के महतो टोली, महाबीर चौंक, झखरा टोली, साव टोली, बनिया टोली, दरहाटांड़, के अलावे मल्टी , सियार टोली, मोरो, मकुन्दा, बोड़ेया, गड़गांव, चचगुरा, सेमरा, तिलक सुती, कुल्ली, कुम्बाटोली, सुगदा, कुर्गी, बारीडीह, कुन्दी, रानीखटंगा सहित कई गांवों में भी विद्यादायनी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की गई। शिक्षण संस्थानों में स्थापित प्रतिमाओं का कल मंगलवार को विर्सजन किया जायेगा जबकि पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं को बुधवार पांच फरवरी को विर्सजन की जायेगी। सरस्वती पूजा और विर्सजन शोभा यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन चौकस है।

भक्तों के बीच प्रसाद का हुआ वितरण

खूंटी। विद्या की देवी माता सरस्वती की पूजा-अर्चना सोमवार को पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ की गई। वसंतपंमी को लेकर बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों ने छोटे-छोटे लेकिन आकर्षक पंडाल का निर्माण कर माता हंस वाहिनी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की और माता सरस्वती से विद्या-बुद्धि का वरदान मांगा। जिला मुख्यालय में दर्जनों छोटे-बड़े पंडालों का निर्माण कर माता की आराधना की गई। विभिन्न स्कूल, कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थानों में माता सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की गई और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। जिला मुख्यालय के अलावा तोरपा, कर्रा, रनिया, अड़की और मुरहू प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में भी वसंत पंचमी का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वसंत पंचमी के मौके पर कई जगहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

बालिका आवासीय विद्यालय राहे की छात्राओं ने प्रस्तुत की शानदार मूर्ति कला

राहे। प्रखंड स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय की छात्रा प्रतिमा कुमारी और काजल कुमारी ने बेहतरीन मूर्ति कला प्रस्तुति दी है । स्कूल में माता सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा किया गया। स्कूल में स्थापित माता सरस्वती की प्रतिमा को दसवीं की छात्रा प्रतिमा कुमारी और काजल कुमारी ने 5 दिन के मेहनत से सरस्वती माता की प्रतिमा बनाया है। अपने हाथों से बना प्रतिमा स्कूल परिसर में स्थापित कर पूजन किया गया है।दसवीं की छात्रा प्रतिमा कुमारी विगत माह ही मूर्ति कला प्रतियोगिता के लिए झारखंड का प्रतिनिधित्व करने भोपाल गई थी। राज्य स्तरीय मूर्ति कला प्रतियोगिता में प्रतिमा प्रथम स्थान पर रही है। स्कूल के वार्डन परमेश्वरी कुमारी और विमला कुमारी के नेतृत्व में प्रतिमा को हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है।

सोनाहातू

सोनाहातू/राहे। प्रखंड क्षेत्रों में सोमवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थान, स्कूलों और क्लब ओर मोहल्ले के युवकों ने जगह-जगह मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की। वहीं घरों में छोटे मूर्ति या चित्र स्थापित कर पूजा अर्चना किया गया। इसे लेकर सुबह से ही सभी जगहों पर उत्सव का माहौल बना रहा। हर चौक-चौराहे पर मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना की गई। इस दौरान युवक डीजे के गानों पर थिरकते रहे। वहीं शाम होते ही पंडालों में प्रतिमा दर्शन के लिए श्रद्धालुओं आना जाना लगा रहा। सोनाहातू, जामुदाग, बारेंदा,राहे दुलमी,पंडाडीह,लांदुपडीह, बारेडीह,आदि जगहों में भव्य प्रतिमा स्थापित किया गया है।

सिल्ली

सिल्ली। प्रखंड के सिल्ली मुरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थान और क्लब एवं मोहल्ले के युवकों ने जगह-जगह मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की। वहीं घरों में छोटे मूर्ति या चित्र स्थापित कर पूजा अर्चना किया गया। पुजा को लेकर सुबह से ही सभी जगहों पर उत्सव का माहौल बना रहा। पूरे दिन शहर से लेकर गांव तक और चौक-चौराहे पर मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना की गई। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चे डीजे के गानों पर थिरकते रहे। वहीं शाम होते ही पंडालों में प्रतिमा दर्शन के लिए श्रद्धालुओं आना जाना लगा रहा। पूजा पंडाल की ओर से प्रसाद का वितरण भी किया गया।

खूंटी : धारदार हथियार से युवक की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। खूंटी थाना क्षेत्र के दबगना गांव निवासी 40 वर्षीय भीमसेंट नाग की अज्ञात हत्यारों ने धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी। घटना रविवार देर रात की बताई जाती है।

पुलिस ने सोमवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद स्वजनों को सौंप दिया। अभी तक हत्या के कारणों और हत्यारों का पता नहीं चल पाया है। एसपी अमन कुमार ने कहा कि हत्या के आरोपितों का पता लगाया जा रहा है। अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। इस संबंध में मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि रविवार की शाम पांच बजे उसका भाई भीमसेंट नाग डेली मार्केट, सिलादोन गया था, जहां से देर शाम वह एक बुजुर्ग रूपा मुंडा के साथ सिलादोन से बगीचा टोली, पट्टीबेड़ा होते हुए अपने घर दबगना वापस लौट रहा था। चलते-चलते रूपा मुंडा आगे निकल गए और भीमसेंट पीछे रह गया। इसी दौरान सिलादोन और बगीचा टोली के बीच खेत में अज्ञात अपराधकर्मियों ने धारदार हथियार से काटकर भीमसेंट की हत्या कर दी। मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि खेत में कई जगहों पर खून के धब्बे थे, जिससे लगता है कि हत्यारों से भीमसेंट ने बचने की कोशिश की होगी।

कोटांगदाग गांव में हाथियों ने फसल को किया नष्ट

राहे। प्रखंड के नावाडीह पंचायत के कोटांगदाग गांव में रविवार की रात को हाथियों के झुंड गांव में प्रवेश कर किसान धर्मेंद्र महतो, वीणाधर मुंडा, निरंजन महतो,ओर विशेश्वर महतो चार एकड़ से अधिक जमीन में लगे सब्जी के फसल को खाया और नष्ट किया है। धर्मेंद्र महतो ओर वीणाधर मुंडा के आंगन से चावल बनने के लिये रखा हुआ धान को भी खाया और नष्ट किया है। पंचायत के मुखिया श्याम सिंह मुंडा से क्षति की जानकारी लेते हुए वन विभाग से किसानों को मुआवजा देने की बात कही है।

सिल्ली पंचायत सचिवालय में जनता दरबार का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। विधायक के निर्देश पर सिल्ली पंचायत भवन में सोमवार को जनता दरबार का आयोजन किया। विधायक अमित महतो ने कहा कि प्रखंड कार्यालय में सभी कामों के लिए आवेदन उनसे संबंधित अधिकारी को दें। आम समस्या के लिए आवेदन मुझे सीधे दे सकते है।

बीडीओ अनिल कुमार ने लोगों से कहा कि सरकार की ओर से आवास योजना शुरू की गई है। योग्य लाभुकों को आवास आबंटन की प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि पेंशन, राशन, आवास आदि के लिए कहीं कोई भी पैसा नहीं लगता है। किसी बिचौलिया के चक्कर में नहीं आएं अगर कोई मांगता है तो इसकी सूचना कार्यालय को दें। प्रखंड कृषि पदाधिकारी कमलाकांत महतो ने भी किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में कई महीनों से वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन की राशि का भुगतान नहीं होने के कारण लोगों ने शिकायत की। अधिकारियों ने बताया कि जल्दी ही पेंशन की राशि उनके खाते में चली जाएगी। शिविर में आवास के 69 आवेदन आए, पेंशन के दो एवं अन्य मामलों में कुल एक सौ से अधिक आवेदन आए। जनता दरबार में प्रखंड के लगभग सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। मौके पर जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी देवी, पंचायत के मुखिया भरत मुंडा, सृष्टि प्रमाणिक, दीपक टीडू, रोहित कुमार, पंचायत सेवक, वार्ड मेंबर मामोनी देवी। सहित सभी जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

शिक्षकों की लापरवाही के कारण स्कूल में नहीं हुई सरस्वती पूजा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सोनाहातू। प्रखंड के बारेंदा गांव के उत्क्रमित हाई स्कूल में शिक्षकों के लापरवाही के कारण स्कूल के बच्चों के द्वारा माता सरस्वती की पूजा नहीं की गई। स्कूल इस रवैया से ग्रामीण काफी आक्रोशित है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय का प्रभारी हेड मास्टर समीर बाखला ने पूजा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है बता कर सहायक शिक्षकों को पूजा करने की जिम्मा देकर पल्ला झाड़ लिया था। सहायक शिक्षकों ने बिना किसी तैयारी के बच्चों को पूजा करने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया था।

पूजा के समय स्कूल बंद रहा। न कोई शिक्षा की स्कूल आए और ना कोई बच्चे हैं स्कूल आए स्कूल में

पूजा होते नहीं देख ग्रामीण काफी आक्रोश हुए शिक्षक हेड मास्टर और सहायक शिक्षक से बात की ।इन दिनों से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने अपने स्तर से सार्वजनिक रूप से चंदा एकत्रित कर स्कूल परिसर में माता की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना किया। विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह मुंडा, मोहित कर्मकार, गुड्डू कर्मकार , सोनू खंडित, जिबू मिश्रा, तनु पाण्डेय, गोपी प्रामाणिक, सौरभ प्रामाणिक के देख रेख से पूजा किया गया। गांव के प्रभात कर्मकार, ओम साहू, अप्पू कर्मकार, संतोष सिंह देव, कुंदन कर्मकार, संजय पुरान, सत्यनारायण सिंह मुंडा, महेश प्रसाद साहू ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया एवं बंटी कर्मकार ने मां सरस्वती का प्रतिमा दिया।इस संबंध में प्रभारी हेड मास्टर समीर बाखला ने कहा कि स्कूल में पूजा करने का कोई रुचि नहीं है। सहायक शिक्षक को पूजा करने के लिए कहा गया था।सहायक शिक्षक गणपति कोइरी ने कहा कि स्कूल के बच्चों को पूजा करने को कहा गया था।

प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह मुंडा का कहना है कि स्कूल के प्रधानाध्यापक हमारी बातों का अनसुनी करते हैं। सरस्वती पूजा को लेकर प्रधानाध्यापक से बात किए थे, लेकिन कोई सार्थक जवाब नहीं मिला। स्कूल के छह शिक्षक बाहर के विद्यालय में डेपुटेशन में है ।लेकिन वेतन यहां की विद्यालय के नाम से ले रहे हैं सिर्फ दो-तीन शिक्षक ही सही समय पर आते हैं एवं उन्हीं के सहारे पूरा विद्यालय चल रहा है।स्कूल के मजरूल हक,प्रीति टोप्पो, दीप्ति रीमा किंडो,प्रति पांडे,मिथिलेश पाठक ओर बनमाली पुराण का प्रतिनियुक्ति रांची में किया गया है।

कराटे में निराली और अमर को दोहरा स्वर्ण पदक

खूंटी । स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड की ओर से तीन फरवरी को गणपत राय स्टेडियम, खेलगांव रांची में आयोजित झारखंड स्टेट अंडर 21 एवं सीनियर कराटे चैंपियनशिप में खूंटी के कराटेकारों ने अपने प्रदर्शन को दोहराते हुए सात पदक जीते, जिसमें छह स्वर्ण तथा एक रजत पदक शामिल है। सीनियर महिला वर्ग में निराली गुडिया ने काता तथा कुमिते दोनों में वर्गों में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमर उरांव ने 60 किलो भार वर्ग के कुमिते में अंडर 21 और सीनियर दोनों वर्गों में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। सीनियर महिला कुमिते के 68 किलो भार वर्ग में स्वर्ण तथा काता में रजत पदक जीता।

अफीम की अवैध खेती करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

खूंटी। जिले में अफीम की खेती करनेवालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में अफीम की खेती करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में सायको थाना क्षेत्र से अनीडीह निवासी मंगरा पाहन और पीड़ीहातू निवासी लखीमनी देवी तथा मुरहू थाना क्षेत्र से मुरूद गांव निवासी मार्टिन ओड़ेया शामिल है। यह जानकारी खूंटी के एसडीपीओ वरूण रजक ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। एसडीपीओ ने बताया कि अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के क्रम में तीनों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को अफीम के खेत में काम करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। सायको थाना क्षेत्र से रंगदारी के एक मामले में फरार चल रहे आरोपित मुरहू थाना के रूगुवा वीरडीह गांव निवासी हिंदू हस्सा पूर्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ वरूण रजक ने बताया कि सायको थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति से चार व्यक्तियों ने 20 हजार रुपये की रंगदारी मांगी थी। इस मामले में दो आरोपित पहले ही पकड़े जा चुके हैं। हिंदू हस्सा पूर्ति को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। एक आरोपित अभी भी फरार है। उसके खिलाफ सायको थाने में 12 अक्टूबर 2023 को मामला दर्ज किया गया था। अफीम की खेती करने के आरोप में पुलिस ने अब तक 30 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। अबतक खूंटी थाना क्षेत्र से दो, मुरहू से छह, अड़की से सात, सायको से छह, मारंगहादा से पांच और कर्रा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। सायको से दो और मुरहू से एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया।

धूमधाम से मना भगवान जगन्नाथ मंदिर का वार्षिकोत्सव

खूंटी। श्री चैतन्य गौड़ीयमठ तोरपा का 13वां वार्षिकोत्सव सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। भक्तों ने भगवान जगन्नाथ मंदिर के वार्षिक उत्सव पर वैष्णव पुजारियों की देखरेख में विधि विधान से पूजा-अर्चना की। इससे पूर्व सुबह सात बजे भगवान जगन्नाथ महाप्रभु, भाई बलदेव, बहन सुभद्रा तथा सुदर्शन जी का अभिषेक ढोल ताशे और मंत्रोचचार के साथ किया गया। इसके बाद 10 बजे से संतों द्वारा हरिनाम प्रवचन का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में भगवान के भक्तों ने प्रवचन का लाभ उठाया। दोपहर में जगन्नाथ प्रभु की भोग आरती की गई। इस दौरान मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया गया था। इससे पूर्व रविवार को तोरपा में प्रभु जगन्नाथ स्वामी जी की नगर संकीर्तन यात्रा निकाली गई थी। इसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। वार्षिकोत्सव को सफल बनाने में श्री गौर वाणी प्रचार केंद्र के सदस्यों का योगदान रहा।

महाकुंभ में गूंजेगा जनजाति संस्कृति रक्षा का शंखनाद

6 से 10 फरवरी तक जनजाति समागम में 25 हजार जनजातियों की होगी सहभागिता

प्रातः नागपुरी संवाददाता

प्रयागराज/रांची। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा 6 से 10 फरवरी तक भव्य जनजाति समागम का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक समागम में देश भर के लगभग 25 हजार जनजाति श्रद्धालु उपस्थित रहकर अपनी धर्म - संस्कृति- परंपरा की रक्षा का संकल्प करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम देशभर के 12 करोड़ जनजाति समाज की धर्म - संस्कृति- परंपरा की रक्षा के साथ-साथ जनजाति क्षेत्र में विभिन्न सेवा कार्य चला रहा है। पिछले कुछ सालों से देश भर में आयोजित विभिन्न कुंभ पर्व में जनजाति समाज को एकत्रित लाकर अपनी प्राचीन संस्कृति का विराट दर्शन कराने के लिए कल्याण आश्रम निरंतर प्रयास कर रहा है। नासिक, उज्जैन, प्रयागराज ऐसे कुंभ में अब तक जनजाति समाज बड़ी संख्या में सम्मिलित हुआ है। प्रयागराज में चल रहे ऐतिहासिक महाकुंभ के अवसर पर इस बार भी जनजाति समागम का भव्य आयोजन कल्याण आश्रम की ओर से किया गया है। 6 फरवरी से लेकर 10 फरवरी तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में देश भर से 25 हजार से अधिक जनजाति समाज एकत्रित हो कर अपनी धर्म - संस्कृति - परंपरा की रक्षा का

संकल्प करेगा। इस कुंभ की विशेषता यह है कि इस बार युवा कुंभ का आयोजन 6 और 7 फरवरी को होगा। जिसमें देश भर के 10 हजार युवा सम्मिलित होकर इस विराट सांस्कृतिक महासागर का दर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम में 20 चयनित प्रतिभावान युवाओं का सम्मान भी किया जाएगा। 7 फरवरी को भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया है। जिसमें देशभर से आए हुए जनजाति बंधु एवं भगिनी अपनी परंपरागत वेशभूषा और नृत्य के साथ कुंभ स्नान का पुण्य प्राप्त करेंगे। इस जनजाति समागम में देशभर से विभिन्न जनजातियों की लगभग 150 नृत्य टोलियां सम्मिलित होने वाली है,जो अपनी परंपरागत नृत्य - संगीत का प्रदर्शन करते हुए ' तू मैं एक रक्त ' इस भाव का संदेश पूरे विश्व को देंगे। 7, 8 और 9 फरवरी को जनजाति नृत्य - संगीत के साथ यह सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। चार अलग-अलग मंच पर यह सांस्कृतिक प्रदर्शन होगा।

10 फरवरी को इस समागम में संत सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें विभिन्न प्रांतो से आए जनजाति समाज के संत गण धर्म-संस्कृति पर अपने विचार रखेंगे। जिसमे प्रमुख रूप से महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरिजी महाराज, स्वामी अवधेशानंद गिरि जी, आचार्य महामंडलेश्वर रघुनाथ महाराज (फरशिवाले बाबा) आदि प्रमुख संत मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह वर्ष जनजाति अस्मिता के नायक भगवान बिरसा मुंडा का 150 जन्म जयंती वर्ष है। ऐतिहासिक महाकुंभ के पर्व में यह वर्ष आने के कारण इस कुंभ को एक उत्सव पर्व के रूप में मनाने का संकल्प लेकर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से संलग्न सेवा समर्पण संस्थान के कार्यकर्ता इस आयोजन की यशस्विता के लिए अनथक प्रयास कर रहे है। यह जानकारी वनवासी कल्याण केंद्र के प्रांत प्रचार प्रमुख सुनील सिंह ने दी।

आदिवासी दूसरे राज्यों में ज्यादा सुरक्षित : राफिया

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा है कि झारखंड के बजाय आदिवासी दूसरे राज्यों में ज्यादा सुरक्षित हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरने से राज्य के आदिवासी समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। राफिया ने यह बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के 46वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही।

उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का यह बयान केवल हवा-हवाई है और इसकी कोई वास्तविकता नहीं है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा था कि पूरे देश में जहां कहीं भी आदिवासी हैं, वे झारखंड आएं, हम उन्हें बसायेंगे।

राफिया ने कहा कि हकीकत यह है कि झारखंड राज्य के आदिवासी भाई-बहन आज असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, जबकि अन्य राज्यों में आदिवासी पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

झारखंड के आदिवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण राज्य में आदिवासी समुदाय असुरक्षित महसूस कर रहा है ।

मुख्यमंत्री पहले राज्यभर के आदिवासी समुदाय की सुरक्षा को सुनिश्चित करें फिर आमंत्रण दें।

राफिया नाज ने कहा कि झारखंड के आदिवासी समुदाय की भूमि और संसाधनों पर लगातार बांग्लादेशी घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है, जो न केवल उनके अस्तित्व के लिए खतरा बन चुका है, बल्कि उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को भी मिटाने की साजिश की जा रही है। ये घुसपैठ झारखंड के सांप्रदायिक और सामाजिक ताने-बाने को भी नुकसान पहुंचा रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड में सीमा सुरक्षा की स्थिति और राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण बांग्लादेशी घुसपैठियों का लगातार बढ़ता प्रभाव राज्य की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुका है।

भाजपा इस मुद्दे पर सख्त कदम उठाने की मांग करती है और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार से आग्रह करती है कि आदिवासी समुदाय को पूरी सुरक्षा और न्याय मिले। उन्होंने हमारी पार्टी आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है और हम राज्य सरकार से बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील करते हैं।

भाजपा ने जारी की 27 सांगठनिक अधिकारियों की सूची

रांची। प्रदेश भाजपा ने सोमवार को जिला चुनाव अधिकारी एवं सह चुनाव अधिकारियों की सूची जारी की है। सभी जिलों के लिए एक चुनाव अधिकारी एवं दो सह चुनाव अधिकारी घोषित किए गए हैं। ये पदाधिकारी संगठन पर्व को जिला में संपन्न कराएंगे। इसके पहले पर्यवेक्षकों की घोषणा घोषणा हुई थी। भाजपा प्रदेश चुनाव अधिकारी सह सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने संगठन पर्व के कार्यों को ज़िलों में संपन्न कराने के लिए जिला चुनाव अधिकारी एवं सह चुनाव अधिकारी की घोषणा की है। जारी की गई सूची में पार्टी के सभी 27 सांगठनिक जिलों के लिए एक चुनाव अधिकारी (डीआरओ) और दो जिला सह चुनाव अधिकारी (सीओ डीआरओ) की घोषणा की गई है।

सूची के अनुसार रांची महानगर जिला गीता कोड़ा चुनाव अधिकारी और सुनील साहू एवं ओम प्रकाश सह चुनाव अधिकारी, रांची ग्रामीण जिला चुनाव अधिकारी घूरन राम सह चुनाव अधिकारी लक्ष्मण सिंह मुंडा और मनोज चौधरी सह चुनाव अधिकारी,खूंटी जिला में नन्द जी प्रसाद चुनाव अधिकारी और संतोष साहू और गंदौरी गुड़िया सह चुनाव अधिकारी,गुमला जिला केलिए राकेश भास्कर चुनाव अधिकारी एवं सविंदर सिंह और भैरो सिंह खैरवार सह चुनाव अधिकारी,सिमडेगा जिला में किसलय तिवारी चुनाव अधिकारी, दुर्ग विजय सिंहदेव और श्रद्धानंद बेसरा सह चुनाव अधिकारी, लोहरदगा जिला केलिए पवन साहू चुनाव अधिकारी,बिंदेश्वर बेग और बालकृष्ण सिंह सह चुनाव अधिकारी बनाए गए हैं।

पलामू में सुरेश प्रसाद साव चुनाव अधिकारी, नरेंद्र पांडे और लवली गुप्ता सह चुनाव अधिकारी, गढ़वा जिला के लिए अमरदीप यादव चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश केसरी और मधुलता सह चुनाव अधिकारी, चतरा जिला मनोज महतो बाजपेयी चुनाव अधिकारी,प्रदीप सिंह, नवीन साह सह चुनाव अधिकारी, लातेहार जिला रामबाबू तिवारी चुनाव अधिकारी हरे कृष्ण सिंह और लाल कौशल नाथ शाह देव सह चुनाव अधिकारी बनाए गए हैं।

हजारीबाग विनोद सिंह चुनाव अधिकारी,कैलाशपति ओझा और टुन्नु गोप सह चुनाव अधिकारी,रामगढ़ सरोज सिंह चुनाव अधिकारी,चंद्रशेखर चौधरी,संजय सिंह सह चुनाव अधिकारी,कोडरमा सुबोध सिंह गुड्डू चुनाव अधिकारी,नितेश चंद्रवंशी और जूही दास गुप्ता सह चुनाव अधिकारी,गिरिडीह शशि भूषण भगत चुनाव अधिकारी, अशोक उपाध्याय और प्रदीप साहू सह चुनाव अधिकारी,धनबाद महानगर अमित मंडल चुनाव अधिकारी, राजकुमार अग्रवाल और चंद्रशेखर सिंह सह चुनाव अधिकारी,धनबाद ग्रामीण के लिए विनय जायसवाल चुनाव अधिकारी, जयप्रकाश सिंह और विकास महतो सह चुनाव अधिकारी, बोकारो चुन्नूकांत चुनाव अधिकारी ,वीरभद्र प्रसाद और ईश्वरचंद्र प्रजापति सह चुनाव अधिकारी जामताड़ा बबन गुप्ता चुनाव अधिकारी, सुकुमानी हेंब्रम मितेश साह सह चुनाव अधिकारी,दुमका शैलेन्द्र सिंह चुनाव अधिकारी, सुरेश मुर्मू और बबलू मंडल सह चुनाव अधिकारी, पाकुड़ दिलीप वर्मा चुनाव अधिकारी,मीरा प्रवीण और कामेश्वर दास सह चुनाव अधिकारी,साहेबगंज संजीव जजवाड़े चुनाव अधिकारी, कृष्णा महतो और कृपानाथ मंडल सह चुनाव अधिकारी देवघर राज सिन्हा चुनाव अधिकारी, दिवाकर गुप्ता और राकेश नरौने सह चुनाव अधिकारी,गोड्डा अभय सिंह चुनाव अधिकारी, अजय साह और अनीता सोरेन सह चुनाव अधिकारी, जमशेदपुर महानगर मनोज कुमार सिंह चुनाव अधिकारी,मिथिलेश सिंह यादव और खेलाराम बेसरा सह चुनाव अधिकारी,पूर्वी सिंहभूम आरती कुजूर चुनाव अधिकारी,सुमन कल्याण मंडल और गुरुचरण रजवार सह चुनाव अधिकारी,पश्चिम सिंहभूम अशोक शर्मा चुनाव अधिकारी,जगदीश पाट पिंगुवा और गोविंद पाठक सह चुनाव अधिकारी, सरायकेला खरसावां जिला केलिए जटाशंकर पांडेय चुनाव अधिकारी ,विजय महतो और देवाशीष राय सह चुनाव अधिकारी बनाए गए हैं।

संक्षिप्त

बीएयू के वैज्ञानिक सेल बोकारो हाफ मैराथन में 7वें स्थान पर रहे

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के असिस्टेंट प्रोफेसर सह जूनियर साइंटिस्ट (सांख्यिकी) डॉ. अबसार अहमद ने सेल बोकारो हाफ मैराथन में भाग लिया। मैराथन 2 फरवरी 2025 को आयोजित किया गया था। इसमें वे 7वें स्थान पर रहे। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित इस मैराथन में लगभग 5000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. अबसार ने हाफ मैराथन को 1 घंटे 48 मिनट 40 सेकंड में पूरा किया। यह उनकी सक्रिय जीवनशैली और खेल आयोजनों के प्रति उनके प्रोत्साहन को दशार्ता है। वे अपने आयु वर्ग (40-60) में 7वें स्थान पर रहे। डॉ अहमद एक अनुभवी मैराथन धावक हैं। अब तक पूरे भारत में 29 से अधिक हाफ मैराथन, मैराथॉन और 25 किलोमिटर मैराथॉन में भाग ले चुके हैं।

कांग्रेस प्रभारी की चेतावनी, संगठन में खींचतान करें बंद

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने संगठन के संबंध में अपने विचार रखा। इस मौके पर नगर निकाय चुनाव को देखते हुए प्रमुख तथ्यों पर सदस्यों ने अपना मंतव्य दिया। वहीं प्रभारी ने कहा कि कमेटी में गणेश परिक्रमा करने वाले लोगों को जगह नहीं दी जायेगी, बल्कि ऐसे लोगों को कमिटी में रखा जाएगा जो पूर्व से ही संगठन के क्रियाकलापों में आंदोलन और कार्यक्रमों को सफल बनाने में अग्रणी रहे हैं। संगठन के आगामी कार्यक्रम और संगठन और सरकार के बीच समन्वय के लिए एक रोड मैप तैयार करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल देते हुए कहा कि एक मजबूत संगठन के लिए बेहतर कार्य योजना की आवश्यकता होती है।

नागरिक सुविधाओं से जुड़ीं समस्याओं की हुई समीक्षा

रांची। नगर निगम/परिषद् और नगर पंचायत से संबंधित समस्याओं पर आज चैंबर भवन में एक बैठक हुई। नगर विकास विभाग द्वारा प्रस्तावित भवन नियमितीकरण योजना को प्रभावी करने में होनेवाले विलंब पर सदस्यों ने चिंता जताई और सरकार से इसपर त्वरित कार्रवाई की मांग की। बाजार टांड स्थित दुकानों के किराया विवाद के समाधान में विलंब पर भी चिंता जताई गई और कहा गया कि निरंतर प्रयासों के बावजूद विभागीय उदासीनता से दुकानदार मानसिक रूप से परेशान हैं। रांची नगर निगम किरायेदार संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि बाजार टांड में आवंटित दुकानों में अतिरिक्त संरचना निर्माण के कारण किराया, ब्याज और उसपर फाइन की दर जुडते-जुडते काफी अधिक हो गई है जिस कारण यह मामला जटिल हो चुका है। दुकानदारों की समस्या को वास्तविक बताते हुए चैंबर के आरएमसी उप समिति के चेयरमेन अमित शर्मा ने जल्द ही इस मामले में नगर प्रशासक से मिलकर कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। शहर के कई क्षेत्रों में ट्रॉफिक लाईट की कमी, डिवाईडर पर पेंट तथा रिफलैक्टर नहीं होने के कारण नियमित रूप से हो रही सडक दुर्घटना पर भी उन्होंने चिंता जताई।

मोटर की चोरी प्राथमिकी दर्ज

रांची : रातू थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सिमलिया के सीआईडी कॉलोनी में मंदिर निर्माण के लिए किये गए बोरवेल से चोरों ने मोटर की चोरी कर ली। बोरिंग में करीब 90 फीट पाइप के साथ समरसेबल मोटर 27 जनवरी को लगाया गया था, जिसे अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। चोर मोटर के साथ 90 फीट पाइप भी ले गए। इस संबंध में सीआईडी कॉलोनी निवासी श्रीकांत दुबे और बिनोद कुमार गुप्ता ने थाने में सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संबंध में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कॉलोनी में अपराधी इतने बेलगाम हो चुके हैं कि पुलिस को भी चुनौती दे रहे हैं।

धूमधाम से मना पहाड़ी बाबा का तिलक उत्सव

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बसंत पंचमी के अवसर पर सोमवार को पहाड़ी बाबा का तिलक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लास एवं ढोल नगाड़े के साथ निकाली गई। श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर एवं हिमालय परिवार के द्वारा आर्यपुरी पंच शिव मंदिर रातू रोड से ढोल-नगाड़े, गाजे बाजे के साथ सैकड़ों महिला -पुरूष शिव भक्त झूमते गाते, हाथों में फल मिठाई की टोकरी के साथ पैदल शोभायात्रा में शामिल हुए।

शोभायात्रा के पूर्व पूरी सामग्रियों की विधिवत पूजा की गई और आरती के बाद सभी भक्तगण झूमते हुए पहाड़ी मंदिर पहुंचे। जहां श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के द्वारा पुजारी कबीर दास बाबा, पिंटू बाबा, मनोज बाबा, राधाकृष्ण पाठक, दीपक लाल, दयाशंकर शर्मा संस्थापक रांची पहाड़ी मंदिर विकास समिति के राजेश साहू के द्वारा पुष्प वर्षा एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया । इसके बाद सभी लोग पहाड़ी बाबा के पास पहुंचे जहां पूरे विधि विधान से पहाड़ी बाबा का तिलक चढ़ाया गया एवं पूजा की गई। प्रवक्ता बादल सिंह ने बताया कि देवघर की तर्ज पर पूरे विधि विधान से सनातनी परम्परा अनुसार पहाड़ी बाबा का तिलक, हल्दी , मेहंदी , आरती और विवाह संपन्न किया जाएगा। पहाड़ी मंदिर विकास समिति के द्वारा सोमवार की से ही भंडारा का आयोजन किया गया था जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया । सुबह उपायुक्त रांची ने पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक किया एवं मंदिर के कामों का जायजा लिया ।

एनआईपीएम के रांची चैप्टर का कॉन्फ्रेंस 14 से

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (एनआईपीएम) का रांची चैप्टर 'ईस्टर्न रिजनल कॉन्फ्रेंस-2025-रांची' का आयोजन 14 और 15 फरवरी को किया जाएगा। इस सम्मेलन का विषय 'फ्यूचर ऑफ वर्क : रिफाइनिंग एचआर फॉर समृद्ध भारत' रखा गया है। यह भारत में मानव संसाधन (एचआर) प्रबंधन के भविष्य और विकास पर केंद्रित रहेगा।

इस सम्मेलन के सफल आयोजन की दिशा में एनआईपीएम के वरिष्ठ पदधारियों की उपस्थिति में ब्रॉशर का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एनआईपीएम रांची चैप्टर के अध्यक्ष सह सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र ने की।

सम्मेलन की विशेषताएं

इस सम्मेलन में देशभर के एचआर प्रोफेशनल्स, बिजनेस लीडर्स, शिक्षाविदों, शोधकताओं एवं छात्रों की भागीदारी रहेगी। वे अपने अनुभवों, शोध और रणनीतियों को साझा करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य मानव संसाधन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों, चुनौतियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करना है, ताकि भारत के सतत आर्थिक विकास में लफ की भूमिका को और प्रभावी बनाया जा सके।

इस दौरान, आधुनिक तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और नई कार्यशैली से जुड़ी चर्चा भी की जाएंगी। इस आयोजन के माध्यम से उद्योग और शिक्षा जगत के दिग्गजों को एक मंच मिलेगा, जहां वे अपने अनुभवों और विचारों को साझा कर सकेंगे।

छात्र नवयुवक संघ लगातार 25 वर्ष से कर रहा सरस्वती पूजा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कांके प्रखंड के सुकरहुट्टू के छात्र नवयुवक संघ द्वारा लगातार 25वें वर्ष सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। संघ के सदस्य अमित कुमार सिंह ने बताया कि पंडाल का निर्माण संघ के सदस्यों द्वारा किया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा।

छात्र नवयुवक संघ के अध्यक्ष सुमंत महतो, संरक्षक मनोज कुमार एवं कोषाध्यक्ष अशोक संग्राम , संस्थापक सदस्य उमेश महतो, रमेश महतो, आनंद महतो, नरेंद्र किशोर एवं सदस्य राजीव रंजन, नवीन किशोर एवं अन्य सदस्यों की सहभागिता से पूजा का आयोजन किया जाता है। पंडाल सजने के बाद कई कलाकार भी अपने गाने के लिए पंडाल की शूटिंग करते हैं।

सीएमडी ने किया कोल इंडिया अंतर कम्पनी कैरम टूर्नामेंट का आगाज

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई के 'रबीन्द्र भवन' में 3 फरवरी से 5 फरवरी, 2025 तक कोल इंडिया अंतर कम्पनी कैरम टूर्नामेंट 2024-25 का आयोजन किया गया है। इसका उद्घाटन संस्थान के सीएमडी मनोज कुमार ने किया। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी/आरडीएंडटी) अजय कुमार, जेसीसी सदस्य अशोक यादव, आरपी सिंह एवं देवेन्द्र तिवारी, महाप्रबंधक (काएवंप्र) संजय कडम्बार, मुख्यालय एवं क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

मौके पर श्री कुमार ने कहा कि यह टूर्नामेंट अंतर कम्पनी के खिलाड़ियों से मिलने, विचार एवं अनुभव साझा करने तथा खेलने का मंच प्रदान करता है। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करता, बल्कि यह मानसिक रूप से सबल बनाता है। खेल भावना में हार-जीत का कोई स्थान नहीं होता है। खेल हमें बेहतर करने का प्रेरणा एवं हमें उत्साह उत्पन्न करता है।

टूर्नामेंट की शुरूआत कोल इंडिया कॉरपोरेट गीत के गायन से हुई। इसके बाद सीएमपीडीआई के सीएमडी मनोज कुमार ने कोल इंडिया और इसकी अनुषंगी कम्पनियों से भाग लेने वाले खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर सीएमडी मनोज कुमार एवं निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी/आरडीएंडटी) अजय कुमार के बीच उद्घाटन मैच खेला गया। इस टूर्नामेंट में सिंगल्स एवं डबल्स ओपेन एवं टीम चैम्पियनशिप का मुकाबला होगा।

ज्ञात हो कि इस टूर्नामेंट में मेजबान सीएमपीडीआई (मुख्यालय)-रांची सहित होल्डिंग कम्पनी कोल इंडिया लिमिटेड-कोलकाता, ईसीएल-संकटोरिया, बीसीसीएल-धनबाद, सीसीएल-रांची, डब्ल्यूसीएल-नागपुर, एसईसीएल-बिलासपुर, एनसीएल-सिंगरौली, एमसीएल-सम्बलपुर एवं एससीसीएल-कोठाकुडम की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

झारखंड में पिछले 10 वर्षों में रेलवे का बजट 16 गुना बढ़ा : रेल मंत्री

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में झारखंड में रेलवे का बजट 16 गुना बढ़ा है, जो 457 करोड़ रुपये से 7302 करोड़ रुपये हो गया है।

वैष्णव सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए झारखंड में रेलवे के विकास पर जानकारी दे रहे थे। रेल मंत्री ने झारखंड में रेलवे के 100प्रतिशत इलेक्ट्रिफाइड होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे राज्य में रेल यातायात में सुधार होगा। डीआरएम जसमीत एस बिंद्रा ने बताया कि राज्य में नये ट्रैक बिछाने के लिए 34 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इन परियोजनाओं पर 56,694 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

ये हुए है काम

रेलवे फ्लाईओवर और अंडर ब्रिजः 2014 से अबतक राज्य में 445 रेलवे फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज बनाये गए हैं।

झारखंड से 12 वंदे भारत ट्रेन अलग-अलग राज्यों के लिए चलाई जा रही है।

2009-14 के दौरान प्रतिवर्ष औसतन 57 किमी नये ट्रैक बिछाए गये, जबकि 2014-25 के दौरान यह संख्या दोगुनी होकर 119 किमी हो गई।

झारखंड में 100प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है।

एसबीयू में चेस प्रतियोगिता का शुभारंभ, 26 विवि के प्रतिभागी शामिल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के तत्वाहवधान में ईस्ट जोन चेस चैंपियनशिप (पुरुष) 2024-25 का शुभारंभ 3 फरवरी को सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। टूर्नामेंट 8 फरवरी तक चलेगा। इसमें 26 विश्वविद्यालयों के 180 से ज्यादा प्रतिभागी शिरकत कर रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एआईयू में संयुक्त सचिव डॉ. बलजीत सिंह सेखों ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों का स्वागत किया। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्यों के अथक परिश्रम की प्रशंसा की। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि आनेवाले समय में एसबीयू राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता करा पाने में सक्षम होगा। उन्होंने भारतीय शतरंज के सबसे कम उम्र के चैंपियन का उल्लेख करते हुए इस प्रतियोगिता से भी इसी तरह के चैंपियन निकलने की उम्मीद भी जतायी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के महानिदेशक डॉ. गोपाल पाठक ने राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा से इस आयोजन की मिली प्रेरणा का जिक्र करते हुए इस टूर्नामेंट की सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि अगले 5 दिनों में हमें इस प्रतियोगिता के माध्यम से कई और प्रतिभाएं भी अवश्य दिखेंगी। कुलपति डॉ. सी जगनाथन ने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इस आयोजन को विश्वविद्यालय के लिए गर्व करार दिया। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें एवं उपस्थित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं भी दी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को विशिष्ट अतिथि डॉ. श्यामा प्रसाद विश्वविद्यालय के वीसी डॉ. तपन कुमार शांडिल्य, एआईयू के ऑब्जर्बर डॉ. एन. आर. रामकुमार एवं विवि के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार सिंह ने भी संक्षेप में संबोधित किया। स्वागत भाषण डॉ. अशोक अस्थाना और धन्यवाद सुभाष शाहदेव ने दिया।

इस अवसर पर एआईयू के चीफ आर्बिटर असित वरुण चौधरी, ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन के सचिव मनीष कुमार एवं रांची डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के सचिव नवजोत अलंग भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस दौरान विश्वविद्यालय के अन्यान्य शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता के आयोजन पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

संक्षिप्त

सुदामडीह थाना प्रभारी की पहल पर मामला सुलझा

पाथरडीह (धनबाद) : सुदामडीह थाना प्रभारी सूरज कुमार रजक के पहल पर सोमवार को सुदामडीह थाना में ग्रामीण, प्रबंधन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई। इसमें एक माह में परियोजना में ओबी की भराई कर सुदामडीह मेन कालोनी से पुराने रास्ते को शुरू करने पर सहमति बनी। जिसके बाद परियोजना चालू हुआ। जिसके बाद प्रबंधन ने राहत की सांस ली। बताया जाता है कि बीसीसीएल के सुदामडीह एएसपी कोलियरी प्रबंधन ने फायर पैच का विस्तार को लेकर सुदामडीह मेन कालोनी से परियोजना के रास्ते मोहलबनी बिरसा जाने वाली मुख्य सड़क को ओबी गिराकर बंद कर दिया था। जिससे भड़के ग्रामीणों ने आउटसोर्सिंग परियोजना को बंद कर दिया था। ग्रामीण पुराने मार्ग को चालू करने पर अड़े थे। विवाद के कारण पिछले 7 दिनों से परियोजना बंद था। जिसे सुदामडीह थाना प्रभारी के पहल पर सुलझा लिया गया।

पुआल मचान में लगी आग, नुकसान

इचाक : प्रखंड के फुरुका गांव निवासी पूरण यादव के पुआल के मचान में आग लग जाने से पूरा पुआल जल गया। घटना सोमवार को करीब साढ़े दस बजे दिन घटी 'अचानक मचान से आग के साथ धुंआ निकलने लगा। इसे देख ग्रामीणों ने हल्ला तो आस पास के ग्रामीण जुटे और आग बुझाने लगे। टुलु पंप एवं 2 एच पी मशीन से बड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग को बुझाया। आगजनी की इस घटना में लगभग 15 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। भुक्तभोगी पुरण यादव ने बताया कि 12 मवेशी मेरे घर में है पुआल जल जाने से मवेशियों को चारा खिलाने में परेशानी होगी।

वाटर समर सेवल मशीन अज्ञात चोरों ने की चोरी

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ प्रखंड के ग्राम सिरय अंतर्गत सरैयाटांड़ टोला में पीएचडी विभाग द्वारा लगाये गये, सोलर जलमीनार का जेट मशीन, वाटर समर सेवल मशीन को बीती रविवार रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा कर ली गयी है। मिली जानकारी अनुसार ग्रामीणों बताया गया कि सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने देखा कि सोलर जलमीनार का जेट मशीन, वाटर समर सेवल मशीन गायब है और जलमीनार का तार जमीन पर तितर-बितर है। इसकी जानकारी पंचायत मुखिया हेमंती देवी को दी गई। मुखिया हेमंती देवी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पीएचडी विभाग के कनिया अभियंता को इस मामले से अवगत कराया गया। लेकिन इस मामले को कनिया अभियंता ने गंभीरता पूर्वक नही लिया गया। इस जलमीनार से 25 से 30 घरों के लोग पानी को पीते थे।

सिरसी-ता-नाले आदिवासी तीर्थस्थल के रूप में होगा विकसित : कल्याण मंत्री

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गुमला। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि धर्म, समाज को एकजुट करने की शक्ति प्रदान करता है। आदिवासी समाज सदियों से सूर्य, चंद्रमा, धरती, जल, जंगल और प्रकृति की पूजा करता आ रहा है। यही हमारी पहचान का मूल आधार है। उन्होंने घोषणा की कि सिरसी ता नाले क्षेत्र को आदिवासी तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसे राष्ट्रीय स्तर पर कुंभ मेले की तरह मान्यता दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा सोमवार को गुमला जिले के डुमरी प्रखंड स्थित अकासी पंचायत में आयोजित सिरसी-ता-नाले (दोन) कंकड़ो लता राजकीय में समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

- आदिवासी धर्म और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में सिरसी-ता-नाले एक महत्वपूर्ण कदम

मंत्री ने कहा कि अब हर साल माघ पंचमी के अवसर पर इस स्थल पर भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। इस आयोजन को उन्होंने आदिवासी धर्म और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कहा कि यह स्थल आदिवासियों के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जागरुकता का केंद्र बनेगा, जहां लोग आत्मिक शांति और अपने दुखों से मुक्ति प्राप्त कर सकेंगे।

श्री लिंडा ने सरना धर्म को भारत सरकार से मान्यता दिलाने के लिए चल रहे संघर्ष को जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा कि यह आयोजन उसी दिशा में एक सशक्त कदम है।

सिसई विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने कहा कि अगले वर्ष इस आयोजन को और भी भव्य रूप दिया जाएगा। उन्होंने उन श्रद्धालुओं की भी सराहना की, जो उपवास करके लंबी दूरी तय कर इस पवित्र स्थल तक पहुंचे।

खूंटी विधायक राम सूर्य मुंडा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जो परंपराएं स्थापित की हैं। उन्हें संरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। हमें अपने जंगल, पहाड़ और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों को सुरक्षित रखना होगा।

चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव ने इसे ऐतिहासिक आयोजन बताते हुए कहा कि सरकार धार्मिक स्थलों के माध्यम से ऐतिहासिक परंपराओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। इस आयोजन से समाज अपनी संस्कृति से और अधिक जुड़ सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयास से अब लोग कंकड़ों लता के ऐतिहासिक महत्व को जान सकेंगे।

इस अवसर पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि गुमला के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से मिलकर लोगों ने बताईं अपनी समस्याएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

दुमका। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से खिजुरिया स्थित आवास पर विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम लोगों ने 3 फरवरी को मुलाकात कर अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि यह अबुआ सरकार है। आप सभी के आशीर्वाद से राज्य में एकबार पुनः मजबूत सरकार का गठन हुआ है। आपकी समस्याओं का निराकरण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के विगत कार्यकाल में 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत गांव-गांव और पंचायत-पंचायत में लगे शिविरों में लाखों की संख्या में लोगों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन दिए और उसका त्वरित निष्पादन भी हुआ। अधिकारियों ने आपके घर के दरवाजे पर पहुंचकर पूरी संवेदनशीलता के साथ आपकी समस्याओं को सुना और उसका समाधान किया।

श्री सोरेन ने कहा कि वर्तमान समय में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ ह्यमुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनाह्ल के माध्यम से राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जो भी वादे किए, उन सभी वादों को पूरा करते हुए राज्य को सकारात्मक दिशा की ओर ले जाने का काम कार्य हो रहा है।

सरस्वती पूजा को लेकर क्षेत्र में रही धूम

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पाथरडीह (धनबाद)। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर मां सरस्वती पूजा अर्चना के लिए क्षेत्र के विभिन्न स्कूल कॉलेज,एवं गली मोहल्लों में जगह जगह भव्य पंडाल बनाए गए है। जहां भक्ति भजन तो कही कही फिल्मी धुन के बाजे बज रहे है। सोमवार को मां सरस्वती पूजा अर्चना धूमधाम से की गई। चासनाला सम्राट नगर स्थित सूर्य मंदिर परिसर में स्थानीय युवा समिति के युवकों ने भव्य

पूजा पंडाल का निर्माण कर पूजा अर्चना की। पाथरडीह अजमेरा मैदान में नव युवक संघ के युवकों ने माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की। सुदामडीह रिवर साईड स्थित दोनों लाईन के बीच शिव मंदिर परिसर में युवकों ने माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की। यहाँ भव्य पंडाल का निर्माण कर युवक पूजा अर्चना कर रहे है। चासनाला साउथ कालोनी चिल्ड्रेन पार्क में युवकों ने भव्य पंडाल का निर्माण कर पूजा अर्चना की। वहीं क्षेत्र के पाथरडीह मोहनबाजार, नुनुडीह आदि क्षेत्रों में सरस्वती पूजा की धूम रही। बच्चो ने खूब आनंद उठाया।

मारवाड़ी विद्यालय झरिया में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

झरिया (धनबाद) : सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर मारवाड़ी विद्यालय झरिया में छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मां सरस्वती की पूजा अर्चना के बाद विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश देवरलिया, संयुक्त सचिव प्रमोद जलूका, दीपक अग्रवाल, प्रबंध समिति अध्यक्ष ललित कटेसरिया ने संयुक्त रूप से किया। छात्र-छात्राओं ने रेन हार्वेस्टिंग विंडमिल वॉटर प्यूरीफायर कॉसेस ऑफ कैंसर इलेक्ट्रिक सर्किट रोबोट फन वोल्कानो लाइटिंग कंडक्टर वाटर पंप और मिनी कूलर, रोड लाइट प्रोजेक्ट सोलर इलेक्ट्रिसिटी रोबोट ग्रीनहाउस जैसे दो दर्जन से अधिक मॉडल प्रस्तुत किये थे। निर्णायक के रूप में प्रखंड झरिया प्रवीण झा एवं अजय पाल मौजूद थे। निर्णायक द्विवेदी सभी मॉडलों का निरीक्षण कर अपनी अभिव्यक्ति प्रदान की जिसके आधार पर प्रथम श्रेणी द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी प्रदर्शन को प्रदान किया गया।

बीआईटी सिन्दरी में धूमधाम से मनी सरस्वती पूजा

पाथरडीह/सिन्दरी (धनबाद) : बीआईटी सिंदरी में आज सरस्वती पूजा बड़े धूमधाम से मनाई गई, जिसमें संस्था के डायरेक्टर सर भी उपस्थित रहे। पूजा का आयोजन संस्थान के सभी छात्रों और कर्मचारियों की भागीदारी से हुआ, जिसमें फर्स्ट ईयर से लेकर फाइनल ईयर तक के छात्र शामिल हुए। इस अवसर पर पूजा और हवन का आयोजन हुआ और सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन की सफलता में प्रोफेसर मिश्रा जी की देखरेख महत्वपूर्ण रही। पूजा का आयोजन न केवल एक धार्मिक परंपरा का पालन था, बल्कि छात्रों के बीच एकजुटता और सामूहिकता को भी बढ़ावा देने वाला था। पूजा में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और सरस्वती माता से आशीर्वाद लिया। यह आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में सफलता, ज्ञान और समृद्धि की कामना के प्रतीक के रूप में संपन्न हुआ। बीआईटी सिंदरी में हर साल इस तरह के आयोजन छात्रों को सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टिकोण से जोड़ने में मदद करते हैं।

अच्छे संस्थानों में प्लेसमेंट के प्रति विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध : कुलपति

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के मुख्यालय परिसर में सुप्रसिद्ध टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज पहली बार कैंपस भर्ती अभियान आयोजित करने जा रहा है। यह भर्ती अभियान गैर तकनीकी स्नातकों के लिए आयोजित की जा रही है। इसकी जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार ने कहा की विश्वविद्यालय की यह कोशिश है कि हमारे विद्यार्थियों का प्लेसमेंट बड़े-बड़े संस्थानों में हो। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में पहली बार टीसीएस जैसे कंपनी का आगमन होने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक अत्यंत गौरव का विषय है। कुलपति ने बताया कि यह प्लेसमेंट विशेष महत्व रखता है क्योंकि इसमें ऐसे विद्यार्थियों का प्लेसमेंट होना है जिनके पास कोई तकनीकी प्रमाण पत्र नहीं है। टीसीएस के माध्यम से प्लेसमेंट अपने आप में बहुत मायने रखता है। इसके माध्यम से प्लेसमेंट किए गए अभ्यर्थियों को बाद में पदोन्नति के भी अवसर प्राप्त होंगे। विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट पदाधिकारी डॉ पंकज मांझी ने बताया कि यह क्रांतिकारी पहल विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो पवन कुमार पोद्दार की दूरदर्शी और प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व का प्रमाण है। डॉ माझी ने बताया कि कुलपति के व्यक्तिगत संपर्क से ही टीसीएस जैसे कंपनी विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट आयोजित करने को तैयार हुई है। 1 फरवरी 2025 को, ळउर के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया और अतिथि गृह, बहुउद्देशीय परीक्षा हॉल, ऑडिटोरियम एवं संगोष्ठी हॉल सहित विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के उन्नत बुनियादी ढांचे और कुलपति से विस्तृत विमर्श के उपरांत वह प्रभावित हुए। श्री गौरव ने बताया कि विश्वविद्यालय मे उत्कृष्ट एवं उच्चस्तरीय सुविधाएं, काबिल शिक्षक और प्रभावशाली संरचना है। राज्य विश्वविद्यालयों में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है।

175 श्रद्धालुओं का दल कुम्भ स्नान के लिए प्रयागराज रवाना

अनगड़ा : अनगड़ा से 175 श्रद्धालुओं का एक दल सोमवार को कुम्भ स्नान के लिए प्रयागराज रवाना हुआ। अनगड़ा थाना प्रभारी हीरालाल साह व जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा ने इस दल को भगवा झंडा दिखाकर रवाना किया। दल का नेतृत्व कर रहे ज्योतिष महतो ने बताया कि कुंभ स्नान के बाद सभी श्रद्धालु अयोध्या, चित्रकुट व काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। अनुराधा मुंडा ने कहा कि अपने धर्म अध्यात्म को जानने के लिए जीवन में एक बार कुंभ स्नान जरूरी है। इस बार कुंभ स्नान 144 साल बाद आया है। पूरे अनगड़ा क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

पुलिस ने तीन अपराधियों को किया गिरफ्तार

गुमला : आज गुमला थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश कुमार यादव और थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि गुमला पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह को कल शाम गुप्त सूचना मिली के कुछ लोग महादेव नदी कुलावीरा पुल के पास हथियार लेकर किसी अपराधी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से आ रहे हैं।

इस सूचना पर वरीय पदाधिकारी के आदेश अनुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुमला के नेतृत्व में एक छापामारी दाल का गठन किया गया ,जिसमें पुलिस अवर निरीक्षक हिमांशु शेखर सिंह ,अवर निरीक्षक सुनील कुमार एवं थाना के सशस्त्र बल के साथ सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु महादेव नदी कुलावीरा पल के पास पहुंचकर इंतजार करने पर एक मोटरसाइकिल आ रहा था, जिसे टोर्च की रोशनी में रोकना का इशारा करने पर पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल चालक मोटरसाइकिल को घूमर भगाने का प्रयास करने लगे।

सोना-चांदी गहना लूटकांड का पुलिस ने किया उदभेद्न, चार गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। पुलिस ने सोना-चांदी गहना लूटकांड का उद्भेदन किया है। चार को गिरफ्तार किया है। रंका खुर्द मोड़ के पास अज्ञात तीन मोटरसाईकिल सवार अपराधकर्मियों ने चाकू का भय दिखाकर व्यवसायी एस कुमार सोनी की मोटरसाईकिल के डिक्की से सोना-चांदी का गहना लूट लिये थे। घटना 29 जनवरी को घटी थी। वादी के लिखित आवेदन पर रंका थाना कांड (सं0-16/25) दर्ज किया गया था।

कांड के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। इसके बाद उक्त टीम द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही थी। इस क्रम में 2 फरवरी, 2025 को साढ़े चार बजे गुप्त सूचना के आधार पर उक्त दल द्वारा छापेमारी की गई। छापामारी के क्रम में तेनुडीह जंगल में चार संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछने पर बारी-बारी से उन्होंने अपना नाम-पता क्रमशः मनीष कुमार भुईयां उर्फ कुजुर (पिता-श्यामा भुईयां उर्फ श्यामलाल भुईयां, सा०-खटाल टोला यदुवंशी नगर, थाना-नामकुम, जिला-रांची), अभिषेक कुमार चौधरी (पिता-केदार चौधरी, सा०-हॉस्पि?टल रोड रंका, थाना-रंका, जिला-गढ़वा), मिथुन कुमार महतो (पिता-राम स्वरुप महतो, सा०-खटाल टोला यदुवंशी नगर, थाना-नामकुम, जिला-रांची), विशाल कुमार चौधरी (पिता-सुरेन्द्र चौधरी, सा०-कुंड मुहल्ला डालटनगंज, थाना-शहर, जिला-पलामू) बताया।

सभी की बारी-बारी से तलाशी लेने पर चारों के पास से 29 जनवरी को रंका खुर्द के पास सोना व्यवसायी से लूटे गये सोना-चांदी बरामद हुए। पकड़े गये मनीष कुमार भुईयां उर्फ कुजुर के पास से 315 बोर का देशी कट्टा और जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। पकड़े गये व्यक्तियों ने रंका थाना क्षेत्र के चिनियां रोड में 29 जनवरी को लूटकांड में संलिप्त होने का बात स्वीकार की।

बताया कि अभिषेक कुमार चौधरी के द्वारा षड़यंत्र के तहत अन्य तीनों अपराधकर्मियों को बुलाया गया था। वादी के द्वारा कीमती जेवरात लेकर हर रोज गांव देहात के लिए निकलने और आसानी से सुनसान जगह देखकर लूट की घटना को अंजाम दिये जाने की बात बताया गया। इसके बाद अन्य तीनों अपराधी 29 जनवरी को सुबह रंका पहुंचे। अभिषेक कुमार चौधरी के बताये अनुसार जगह पर रेकी करते हुए उक्त घटना का अंजाम दिया गया।

सभी अपराधकर्मी लूटे गए सोना-चांदी को आपस में बांटने के लिए तेनुडीह जंगल में इकट्ठा हुए थे। वहां से लूटे गए सोना-चांदी एवं अवैध हथियार गोली के साथ पकड़े गये। पकड़े गये अभियुक्तों के पास से अवैध हथियार मिलने पर सभी अभियुक्त के विरुद्ध रंका थाना मामला दर्ज किया गया है।

बरामद सामानों की सूची

एक लोहा का बना हुआ देशी कट्टा
दो 315 का जिन्दा कारतुस एवं एक खाली खोखा
लूट में प्रयोग किया गया यमहा एफ जेड मोटरसाईकिल जेएच-03आर-2463
लूटे गये वादी का मोबाईल
चांदी का पायल का कड़ी 6 पीस, वजन 6 ग्राम
सोने का कान में पहने वाला ऊपर काना वजन 1.57 ग्राम
सोने का नाक का नथ 6 पीस, वजन 2.32 ग्राम
चांदी का गले का लॉकिट 3 पीस, वजन करीब 260 ग्राम
चांदी का पहने जाने वाला पंजा 1 पीस, वजन 59 ग्राम लगभग
चांदी का पैर का बिछिया 08 पीस, वजन करीब 33 ग्राम
चांदी का ताबीज 12 पीस, वजन करीब 06 ग्राम
सोने का मंगलसूत्र 2 पीस, वजन करीब 3.26 ग्राम
सोने का जितिया लॉकिट 1 पीस, वजन करीब 0.93 ग्राम
सोने का गला का लॉकिट 3 पीस, वजन करीब 2.58 ग्राम
चांदी का सिरजना 12 पीस, वजन 5 ग्राम
चांदी का गले में पहनने वाला हसूली 1 पीस, वजन करीब 250 ग्राम
चांदी का पायल 6 जोड़ा, वजन करीब 380 ग्राम
चांदी का बाल चोटी 1 पीस, वजन 98 ग्राम
सोने का कान का पुराना टॉप्स 1 पीस, वजन करीब 1.15 ग्राम
नाक का छुछिया 8 पीस, वजन 1.25 ग्राम
पुराना नाक का नथिया टूटा हुआ 1 पीस, वजन 0.32 ग्राम
पुराना नाक का छुछिया 01 पीस, वजन 0.25 ग्राम
चांदी का बेरा 4 पीस, वजन करीब 38 ग्राम
चांदी का हाथ का कंगन 4 पीस, वजन करीब 73 ग्राम
चांदी का माला में पहनने वाला लॉकेट 19 पीस, वजन 49 ग्राम
सोने का कान में पहनने वाला कानबाली 2 पीस, वजन 2.17 ग्राम
सोने का कान में पहने जाने वाला टॉप्स 2 पीस, वजन करीब 2.41 ग्राम
चांदी का कान का कर्ण फूल 30 पीस, वजन 25 ग्राम
चांदी का कमर में पहने वाला कमरधनी 1 पीस, वजन 40 ग्राम
चांदी का कान का बाली दो पीस, वजन 2.3 ग्राम

छापामारी दल में शामिल : रोहित रंजन सिंह (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, रंका), सुभाष कुमार पासवान (पु०नि० रंका अंचल), अनिमेश शांतिकारी (थाना प्रभारी, रंका), प्रभात कुमार (रंका थाना), अनिल हेम्ब्रम (रंका थाना), राजेश कुमार झा (रंका थाना), विनय कुमार पाण्डेय (रंका थाना), सशस्त्र बल (रंका थाना), हवलदार डोमन मोची (रंका थाना), आरक्षी कौशल किशोर तिवारी।

संक्षिप्त

महाकुंभ के लिए 43 यात्रियों का जत्था रवाना

बोकारो। जिले के कसमार के बाजारटांड़ से रविवार रात 43 यात्रियों का जत्था महाकुंभ एवं निकटवर्ती तीर्थस्थलों के लिए रवाना हुआ। बस में सवार इन यात्रियों को शुभकामनाओं के साथ स्थानीय समाजसेवियों ने विदा किया। मौके पर समाजसेवी प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि महाकुंभ का विशेष धार्मिक महत्व है। वैसे कुम्भ मेला तीन श्रेणी में लगता है, पहला अर्द्धकुंभ मेला जो 6 साल में और कुम्भ 12 साल में आता है, किंतु यह महाकुंभ 144 साल बाद एक बार आता है। इस बार तीर्थराज प्रयागराज में लगा महाकुंभ अपने-आप में सनातन का महासमागम और आस्था का महोत्सव है। इसमें भाग लेना और संगम स्नान करना अत्यंत पुण्यदायक माना गया है। उन्होंने बताया कि कसमार से निकले उक्त सभी यात्री प्रयागराज के बाद बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी, उसके उपरांत विंध्याचल तथा भगवान श्री राम की धरती अयोध्या होते हुए वापस बोकारो लौटेंगे। मौके पर प्रकाश के अलावा शेखर शरदेंदु, सुजीत कुमार प्रजापति, निरंजन, ज्योति लाल महतो, शीला देवी, मीणा देवी, भवानी शंकर महतो आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बस कंडक्टर घायल

जमशेदपुर। साकची थाना क्षेत्र के हाथीघोड़ा मंदिर के पास सोमवार दोपहर सड़क हादसे में एक बस कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मदन सिंह के रूप में हुई है, जो नटराज बस के कंडक्टर हैं। मदन सिंह सोनारी से अपने घर मानगो स्कूटी से लौट रहे थे। हाथीघोड़ा मंदिर के पास सड़क पार करने के दौरान उनकी स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वे सिर के बल सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर सावधानी बरतने की अपील की है।

ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट का मिलन समारोह आयोजित

जमशेदपुर। ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्यों के सहयोग से एक मिलन समारोह कपाली स्थित प्रोफेसर खुर्शीद अहमद खान के फार्म हाउस में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के बुद्धिजीवी और समाजसेवी एकत्रित हुए। करीमिया ट्रस्ट के सचिव डॉक्टर मोहम्मद जकारिया ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा झारखंड में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट समाज में भेदभाव को दूर रखकर जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहा है। पिछले वर्ष, ज़िला प्रशासन द्वारा संस्था को सम्मानित किया गया था, और 2025 में झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक आयोग की ओर से कमिटी के सचिव को उनके सामाजिक कार्य के लिए रांची में सम्मानित किया जाएगा। डॉक्टर जकारिया ने आशा व्यक्त की कि संस्था भविष्य में भी ऐसे कार्य करती रहेगी।

बोकारो में श्रद्धा भक्ति से मनाई गई सरस्वती पूजा

शारदे जय हंस वाहिनी जयति वीणा वादिनी...

प्रातःनागपुरी टीम

बोकारो। ज्ञान, विद्या व संगीत की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती का पूजनोत्सव सोमवार को वसंत पंचमी के दिन बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छोटे-छोटे नन्हें विद्यार्थियों के साथ-साथ नवयुवक छात्र-छात्राओं ने कई दिनों से चली आ रही तैयारियों के इस आयोजन को मूर्त रूप दिया। शहर में जगह-जगह छोटे-बड़े आकर्षक पंडालों के बीच मां शारदे की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गयीं तथा उनकी विधिवत पूजा की गयी। मुहल्ले भर के बच्चों अपनी-अपनी किताबें, कापियां आदि देवी सरस्वती के चरणों में रखकर पूरी श्रद्धा के साथ पूजा की तथा विद्या की वरदान मांगा।

अन्य पूजा की भांति इस पूजन में हर साल की तरह इस बार भी खासियत यह कि बच्चों ने खुद मिल-जुलकर जुगाड़-तंत्र से एक से बढ़कर एक पंडाल बनाये और इनके माध्यम से अपनी कुशल रचनात्मकता का परिचय दिया। विभिन्न इलाकों में बच्चों ने आकर्षक कलाकृतियों व साज-सज्जा के बीच विद्यादायिनी की भव्य प्रतिमायें स्थापित कीं और विधिवत पूजन संपन्न किया। शहर के तमाम स्कूल-कालेजों और शैक्षणिक संस्थानों में खास तौर से इस उत्सव की धूम रही। शिक्षक, विद्यार्थी सभी पूरी तैयारी के साथ आयोजन में लगे रहे। जगह-जगह गीत संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। शहर में कई जगहों पर सुंदर पंडाल बनाकर भी मां सरस्वती की पूजा की गई। चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, संयुक्तानंद सरस्वती और विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी की देखरेख में पूरा विद्यालय परिवार सफल आयोजन में लगा रहा। चिन्मय विद्यालय बोकारो में मां शारदे की पूजा-अर्चना व भक्ति संगीत के साथ वसंत ऋतु का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, चिन्मय विद्यालय के अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आरएन मल्लिक, प्राचार्च सूरज शर्मा, उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार, वरीय शिक्षक हरिहर पाण्डेय, पंकज कुमार मिश्रा, शिवेन चक्रवर्ती, जय किशन राठोड़, रचना सिन्हा, रूपक सहित अन्य शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे। रेनबो पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विपुल कुमार विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संध्या बेला में भव्य भजन-संध्या का आयोजन किया गया।

तुपकाडीह में भी सरस्वती पूजा की धूम

बोकारो । बुद्धि की दात्री मां सरस्वती की पूजा तुपकाडीह एवं आस पास के इलाके में धूमधाम के साथ मनाया गया। आकर्षक पंडाल, लाइट और मूर्ति को विद्यार्थियों ने खूब सजाया गया है। जयहिंद कला मंच, आंबेडकर क्लब, पेंथर क्लब और कुंडौरी ग्रुप का पंडाल देखने लायक है। सभी मूर्तियों का विसर्जन बुधवार को होगा। इसके लिए लाइट, साउंड, ताशा पार्टी बुक हो गया है। पुरोहित विकाश पांडेय ने विधि विधान के साथ मां की पूजा- अर्चना करवायी। खुटरी, कनारी, तांतरी और मानगो पंचायत के स्कूल मसलन श्रमिक हाई स्कूल, विस्थापित विकास पब्लिक स्कूल शिबूटांड़, किड्स आई लेंड स्कूल, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, उषा अकेडमी आदि में भी पूजा उत्सव मनाया गया।

वैदिक मंत्रों के बीच हुआ पूजन

जमशेदपुर। गोपबंधु विद्यापीठ, टेल्को में सोमवार को भव्य सरस्वती पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रों का उच्चारण करते हुए समारोह को हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया गया। पूजन का आयोजन पंडित चक्रधर मिश्रा ने विधिपूर्वक किया। विद्यालय के प्राचार्य संजीव कुमार तिवारी यजमान के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यालय के लगभग 250 बच्चों और 50 अन्य आगंतुक अतिथियों ने भोग का आनंद लिया। विद्यालय प्रबंधन के सचिव वृंदावन साहू और कोषाध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मां सरस्वती सभी विद्यार्थियों को सद्बुद्धि और ज्ञान प्रदान करें।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में अक्षरारंभ संस्कार संपन्न

बोकारो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9/डी, बोकारो में ज्ञान एवं कला की देवी माता सरस्वती का विधिवत पूजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना कर विद्यालय एवं यहां के छात्रों के उत्तरोत्तर विकास हेतु कामना की। इस अवसर पर कल 51 बालकों का अक्षरारंभ संस्कार भी किया गया। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने बताया कि विद्या भारती योजना के तहत झारखंड के प्रत्येक विद्यालयों में आज के दिन माता सरस्वती के पूजन के उपरांत अक्षरारंभ संस्कार का आयोजन होता है, जिसके तहत अपने विद्यालय में भी इस प्रकार का आयोजन किया गया। अक्षरारंभ की सारी व्यवस्था विद्यालय द्वारा निःशुल्क की जाती है। उपस्थित अभिभावकों ने कहा कि आज के परिपेक्ष में इस प्रकार का आयोजन विलुप्ति के कगार पर है। विद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करना प्रशंसनीय है। कुल 51 बालकों को स्लेट और लेखनी देखकर ओम अक्षर एवं ईश्वर नाम को लिखाकर अक्षरारंभ संस्कार कराया गया। इस अवसर पर प्रांतीय प्रतिनिधि सिद्धेश नारायण दास, संकुल संयोजक मार्कण्डेय पाण्डेय, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के संरक्षक आर एन बैठा, उपाध्यक्ष निरंजन कुमार सिंह, कृष्णा राय, कोषाध्यक्ष अजय कुमार तिवारी, समिति सदस्य डॉक्टर रामनारायण सिंह सहित सभी आचार्य बंधु भगिनी एवं अभिभावक वृंद उपस्थित रहे।

छोटे बच्चों को दी गई शिक्षा की सामग्री

आदित्यपुर। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आदित्यपुर-2 के मार्ग संख्या-32 और एम पी टावर स्थित एलाईट लर्निंग में माता सरस्वती की पूजा अर्चना धूमधाम से की गई। इस अवसर पर सभी ने एकत्रित होकर विद्या की देवी की आराधना की। पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें विशेष ध्यान छोटे बच्चों पर दिया गया। इस कार्यक्रम में वृद्ध शांति निकेतन, आदित्यपुर के संस्थापक अध्यक्ष राम स्वरूप सिंह, कोचिंग के संचालक अमरेश कुमार, श्वेता सिंह, आनंद प्रकाश एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से बच्चों के बीच कॉपी, पेंसिल, रबर आदि का वितरण किया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उन्हें आवश्यक शिक्षण सामग्री प्रदान करना था। सभी उपस्थित लोगों ने इस पुनीत कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे बच्चों को ज्ञान की ओर अग्रसर करने में मदद मिली। इस समारोह ने न केवल धार्मिक भावना को जागृत किया, बल्कि समाज में सहयोग और समर्पण की भावना को भी मजबूत किया। इस तरह के आयोजन बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरणादायक होते हैं।

चोरी हुई पिकअप वैन बरामद

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र से चोरी हुई पिकअप वैन मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर चोरी की गई पिकअप वैन को बरामद कर लिया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में बिष्टुपुर धतकीडीह रेडिया मैदान निवासी शेख रमजान, एमजीएम थाना क्षेत्र के शिवमंदिर के पास का नंदन पटनायक उर्फ छोटू पटनायक और जुगसलाई नगर महतो पाड़ा रोड निवासी अब्दुल रहीम शामिल हैं। सीसीआर डीपी मनोज ठाकुर ने बताया कि 31 जनवरी की रात बिष्टुपुर के धतकीडीह स्थित सुलेमान टाल ए ब्लॉक से पिकअप वैन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस मामले के उद्भेदन के लिए बिष्टुपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें शेख रमजान को दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ स्कूटी पर आते हुए देखा गया। इन दोनों ने मिलकर पिकअप वैन की चोरी कर उसे लेकर फरार हो गए। इसके आधार पर पुलिस ने शेख रमजान को उसके घर से गिरफ्तार किया।

साइबर जागरुकता अभियान को लेकर बनी कार्य योजना

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा साइबर पुलिस बोकारो, बैंकिंग संस्थान एवं डॉ राधाकृष्णन सहोदया काम्प्लेक्स के सहयोग से चलाये जाने वाले साइबर जागरूकता अभियान के आगे की कार्य-योजना के निमित्त सोमवार को गुरू गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस के निदेशक डॉ प्रियदर्शी जरूहार की अध्यक्षता में कॉलेज कैंपस में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में निदेशक डॉ. जरुहार ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए चैंबर के प्रयास एवं साइबर पुलिस के सहयोग की सराहना करते हुए साइबर क्राइम जैसे ज्वलंत विषय अपना एवं अपने संस्थान के भरपुर सहयोग की बात कही। उन्होंने अपने कॉलेज कैंपस में साइबर क्राइम विषय पर हुए अखिल भारतीय विशेषज्ञ की उपस्थिति में हुए कार्यक्रम के अनुभव को साझा करते हुए आगामी होने वाले साइबर जागरूकता अभियान में उसके उपयोग को रेखांकित किया।

अभियान के संयोजक द्वय राजकुमार प्रिय एवं प्रशांत कुमार के द्वारा आगामी अभियान के रूपरेखा पर चर्चा की गई, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने अपने सुझाव दिए। तत्पश्चात निदेशक ने गुरू गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस के डॉ ए पी वर्णवाल, डॉ आर पी वर्मा, रोहित प्रसाद वर्मा, प्रमोद कुमार, अपूर्वा सिन्हा एवं विधि सलाहकार पल्लवी प्रसाद विशेषज्ञ के रूप में तथा कॉलेज के अन्य तकनीकी विद्यार्थियों को भी इस अभियान के तहत जोड़ते हुए अभियान की सफलता की कामना की। बैठक में साईबर थाना, बोकारो के पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार, अवर निरीक्षक कृष्ण कुमार कुशवाहा की महत्वपूर्ण उपस्थिति के साथ साथ पीयूष जैन, रौशनी ठाकुर, अनिल कुमार सिंह एवं अन्य उपस्थित रहे।

वेस्ट बोकारो के 46 युवा आउटडोर लीडरशिप कैंप में हुए शामिल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

वेस्ट बोकारो। टाटा स्टील फाउंडेशन ने तुमुंग में तीन दिवसीय आउटडोर लीडरशिप कैंप का शुभारंभ 29 जनवरी 2025 को किया। इस वर्ष कैंप के लिए वेस्ट बोकारो से 46 युवाओं का चयन किया गया, जहां उन्हें जागरुकता कार्यशालाओं, करियर काउंसलिंग और रोमांचक गतिविधियों जैसे क्लाइंबिंग, राफ्टिंग और बोटिंग का अनुभव मिला।

कैंप का शुभारंभ टाटा स्टील, वेस्ट बोकारो डिवीजन के कैपेसिटी एन्हांसमेंट प्रोजेक्ट के चीफ राजेश कुमार ने किया। इस अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन, वेस्ट बोकारो के यूनिट लीड आदित्य कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं संगठन के सदस्य भी उपस्थित रहे। यह आउटडोर लीडरशिप कैंप प्रतिभागियों को उनकी रोजमर्रा की दिनचर्या से अलग हटकर खुद को तरोताजा करने और नेतृत्व, विकास व नेटवर्किंग के महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित होने का अवसर देता है। यह एक सुरक्षित और सहयोगी वातावरण में नए अवसरों की खोज करने में सहायक है। कैंप प्रतिभागियों को अपनी आंतरिक क्षमताओं, चुनौतियों और उन्हें पार करने की रणनीतियों को खुलकर साझा करने के लिए प्रेरित करता है। रोमांचक गतिविधियां टीमवर्क की भावना को मजबूत बनाती हैं, जिससे युवा और महिलाएं न केवल आत्मविश्वास हासिल करते हैं, बल्कि उद्यमिता और नए अवसरों से जुड़े नवीन विचारों पर मिलकर काम करने की प्रेरणा भी पाते हैं।

वर्ष, 2015 में शुरू हुई इस पहल में अब तक अनेक युवा और महिलाओं ने हिस्सा लिया है। इसका सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव जागरुकता में बढ़ोतरी रहा है, जिससे कई युवाओं को अपने गांवों में बाल विवाह और समयपूर्व विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने की शक्ति मिली है। इन आउटडोर लीडरशिप कैंपों के जरिए साझा सीख और अनुभवों ने उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया है।

वित्तीय वर्ष 2023, 2024 और 2025 में कुल 400 युवाओं ने आउटडोर लीडरशिप कैंप का हिस्सा बनकर परस्पर सीखने और साझा अनुभवों से अपने व्यक्तित्व को निखारा। इस पहल ने न केवल नेतृत्व क्षमता को मजबूत किया बल्कि कई प्रतिभाओं के लिए नए रास्ते भी खोले। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी सुनीता सोरेन की है, जो किशोरावस्था में प्रोजेक्ट रिश्ता से जुड़ी थीं। 2019 में जब उन्होंने आउटडोर लीडरशिप कैंप में भाग लिया, तो उनके जुनून और समर्पण ने उन्हें आगे बढ़ने की दिशा दिखाई। उनकी लगन और मेहनत ने उन्हें 2020 और 2023 में उत्तराखंड में आयोजित विशेष कैंप में आमंत्रित होने का अवसर दिलाया।

इन अनुभवों ने ना केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि उनके भीतर एक प्रशिक्षक बनने की योग्यता भी विकसित की। अपनी निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर सुनीता ने खुद को साबित किया। अब वे टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन, तुमुंग में बतौर प्रशिक्षक अपनी नई भूमिका निभा रही हैं।

मुख्यमंत्री से चंद्रपुरा, दुगदा, जरीडीह को बोकारो कोर्ट से जोड़ने की मांग

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि के नेतृत्व में बोकारो प्रवास के दौरान मिलकर सर्वप्रथम उन्हें अधिवक्ता हित में लिए गए मेडिकल इंश्योरेंस और पेंशन स्कीम लागू करने के धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री का बोकारो के अधिवक्ताओं ने आज एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने आए दिन अधिवक्ताओं पर हो रहे हमले से बचाव के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट विधानसभा से पास करवाने की मांग की तथा जनहित में चंद्रपुरा, दुगदा, जरीडीह थाना को बोकारो कोर्ट के क्षेत्राधिकार में जोड़ने की मांग की। मुख्यमंत्री ने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी मांग को विधानसभा के पटल पर रखेंगे और जल्द लागू करवाने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक, गांडेय विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन, जेएमएम के जिला अध्यक्ष हीरा लाल मांझी, मंटू यादव मौजूद थे। इस प्रतिनिधिमंडल में अधिवक्ता अतुल कुमार, विनोद कुमार सिंह, अमरदेव सिंह शामिल थे।

वेदांता ईएसएल ने कुष्ठ रोग निरोधक दिवस किया आयोजित

50 से अधिक मरीजों की जांच, उपचार के लिए दी गईं दवाइयां

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। वेदांता इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड की ओर से निगमित सामाजिक दायित्व के तहत सोमवार को अपनी आरोग्य परियोजना के तहत निर्मल ग्राम अस्पताल परिसर में कुष्ठ रोग निरोधक दिवस का आयोजन किया गया।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक समावेश के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में मोबाइल हेल्थ वैन ने 50 कुष्ठ रोगियों की स्क्रीनिंग की और उनके उपचार और सुधार में मदद के लिए आवश्यक दवाइयां प्रदान कीं। मरीजों को पोषण किट के साथ-साथ स्वच्छता और हाइजीन किट भी दी गईं, ताकि ताकि वे अपनी देखभाल कर सकें और उनकी सेहत बेहतर हो सके। एक जानकारीपूर्ण सत्र में मरीजों और उनके देखभाल करने वालों को कुष्ठ रोग की रोकथाम, लक्षण, उपचार के विकल्प और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त, कुष्ठ रोग अस्पताल के प्रभारी बसंत कुमार और समन्वयक एंथनी ने कुष्ठ रोग प्रबंधन, पुनर्वास और सामाजिक कलंक को कम करने के तरीकों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

कुष्ठ के खिलाफ लड़ाई में समग्र दृष्टिकोण जरूरी : कुणाल

इस अवसर पर सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कहा कि कुष्ठ रोग भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। वेदांता, ईएसएल में हम एक स्वस्थ और समावेशी समाज बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कुष्ठ रोग के खिलाफ लड़ाई में एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें जागरूकता, सामाजिक समावेश और स्वास्थ्य संवर्धन पर ध्यान केंद्रित किया जाए। समुदाय को प्रारंभिक पहचान, उपचार और रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूक करना इस रोग के उन्मूलन और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही, कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के लिए सहानुभूति और समाज में उनके समावेश को बढ़ावा देना, भेदभाव और कलंक को समाप्त करने के लिए आवश्यक है।

देशी कट्टा और जिंदा गोली के साथ युवक गिरफ्तार

जमशेदपुर । गोलमुरी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए टीनप्लेट मैदान से एक युवक को देसी कट्टा और एक जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान गौरव घोष (निवासी- नानक नगर, नामदा बस्ती) के रूप में हुई है। पुलिस की इस तत्परता से किसी बड़ी आपराधिक वारदात को होने से पहले ही टाल दिया गया। गोलमुरी पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टीनप्लेट मैदान में कुछ युवक संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त हैं। इस सूचना के आधार पर थाना प्रभारी राजन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान गौरव घोष को हिरासत में लिया गया, जिसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा गोली बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि यह हथियार वीर सिंह नामक व्यक्ति ने उसे रखने के लिए दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सोमवार को गौरव घोष को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अब इस मामले से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है। गोलमुरी पुलिस की सतर्कता से संभावित अपराध को समय रहते रोका जा सका।

जागरुकता से ही होगा कैंसर पर नियंत्रण

विश्व कैंसर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है।

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है । इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वगीकृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरूआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने

कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा। भारत में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। 2040 तक भारत में कैंसर के मामले 2020 की तुलना में 57.5% बढ़कर 20लाख 80हजार हो जाएंगे। (आईसीएमआर) के मुताबिक भारत में हर साल 1.3 मिलियन से ज्यादा नए कैंसर के मामले सामने आते हैं। कैंसर रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी मानना है कि यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर रोग की शुरूआती पहचान, जोखिम में कमी और प्रबंधन जैसे उपाय जरूरी है।

(आईसीएमआर) के आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है। 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है।

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है। जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित कर-के और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं।

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहतकारी बजट

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सुस्त पड़ती आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए बजट में मध्यम वर्ग के लिए राहत की बड़ी सौगात दी है। यह कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कर नहीं लगेगा जिससे लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बच सकेगा। फलस्वरूप घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। आर्थिक गतिविधियों में रवानी आने से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वित्त मंत्री ने शनिवार को लोक सभा में वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया जो उनका लगातार आठवां बजट रहा, जो कीर्तिमान है। इस राहत से करीब एक करोड़ लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने समेत अगली पीढ़ी के सुधारों को तेज करने का भी प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा है कि 'यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत के मिशन को आगे ले जाएगा और विकास, निवेश और उपभोग को कई गुना बढ़ाएगा'। बेशक, बजट में जिस प्रकार से आयकर से राहत दी गई है, वह बाकी सभी बजट प्रावधानों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण दिखलाई पड़ रही है। हालांकि हर बजटीय प्रावधान खासे विमर्श के बाद किया जाता है। लेकिन आयकर में राहत महत्त्वपूर्ण है क्यों कि अरसे से इस बाबत मांग की जा रही थी। अब यह राहत मिली है, तो इसे कुछ लोग चुनाव के मद्देनजर किया गया बदलाव करार दे रहे हैं। इस साल के आखिर में बिहार और इसी फरवरी में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हैं। बिहार के लिए भी पैकेज घोषित किया है, और आयकर में राहत से एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली के 85 प्रतिशत करदाताओं को अब आयकर नहीं देना पड़ेगा। बहरहाल, आम बजट से चुनावी से इतर अनेक लाभ मिलने तय हैं। महंगाई कम करने के साथ ही बजट रोजगार सृजन में सहायक होगा। रक्षा क्षेत्र और पूंजीगत व्यय में वृद्धि करने के साथ ही नियामक सुधारों पर बल दिया गया है। वरिष्ठ जन की एक लाख रुपये तक की ब्याज आय को कर-मुक्त रखा गया है, जो यकीनन सराहनीय है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए भी उत्साहजनक ऐलान है।

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है।

लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी।

खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

सैफ अब सेफ, लेकिन सवाल हैं ढेरों अनसुलझे

ऋतुपर्ण दवे

यह न तो किसी फिल्म का हिस्सा है और न ही कोई स्टंट। फिल्म अदाकार सैफ अली खान अपने घर पर 16 जनवरी की आधी रात बाद बदनीयत से घुसे एक आरोपी के प्राणघातक हमले से बुरी तरह जख्मीं हो खून से लथपथ हो जाते हैं। शेरदिल सैफ अपने छोटे बच्चे के साथ ऑटो में बैठकर अस्पताल पहुंचते हैं। घायल सैफ को पहचानते ही अस्पताल में तहलका मचता है। हैसियत के अनुसार बेहतर इलाज मिलता है। खबरिया चैनलों में घटना को दिखाने की होड़ मचती है। देखते ही देखते एक सेलेब्रिटी पर हमला हर जुबान पर होता है। लोग अपने-अपने कयास लगाते हैं। मुंबई पुलिस पर उंगली उठती है। हड़बड़ाहट में पुलिस को जो सुराग, सबूत हाथ लगते हैं उसी पर काम शुरू हो जाता है। सी.सी.टी.वी. फुटेज मिलते ही पलक झपकते हर मोबाइल पर पहुंच जाती है।

कई घण्टे बल्कि दिन पुलिस खाली हाथ रहती है। धीरे-धीरे सुराग मिलने के दावे होते हैं। तीन संदेहियों की बात होती है। हद तो तब हो जाती है जब छत्तीसगढ़ जा रहे कथित आरोपी की फोटो जारी हो जाती है जिससे उसकी न केवल नौकरी चली गई बल्कि होने वाली शादी भी टूट गई। उससे हाथ कुछ नहीं लगा। काफी मशक्कत, किरकिरी और नाक के सवाल के बीच 35 पुलिस टीमों की 60 घण्टों की भागदौड़ से 19 जनवरी को कथित असली आरोपी हाथ लगता है। इसे बांगलादेशी घुसपैठिया शरीफुल इस्लाम शहजाद बताया जाता है। दूसरी ओर बांगलादेश में बैठा उसका पिता देखते ही साफ इंकार करता है कि सी.सी.टी.वी. में दिख रहा शख्स उनका बेटा नहीं है।

इसी बीच फुटेज और पकड़ाए आरोपी के अलग-अलग हुलिए पर नई बहस और कई तर्क-कुतर्क शुरू हो जाते हैं। वाकई दोनों अलग-अलग दिखते हैं जो पहली नजर में समझ आता है। देश की सबसे स्मार्ट कहलाने वाली मुंबई पुलिस अपने ही जारी वीडियो पर घिर जाती है। बात तकनीक से पहचान तक आती है। वहीं दूसरे आम जानकार भी सवाल उठाते हैं। आम और खास सभी फुटेज और गिरफ्तार आरोपी के चित्रों का मिलान करते हैं और संदेहों की झड़ी लग जाती है। सी.सी.टी.वी. में बाल काले हैं आरोपी के बाल थोड़े से सफेद हैं। दोनों की उम्र भी अलग-अलग झलकती है। पकड़ा गया उम्र दराज लगता है तो फुटेज वाला बनिस्बत युवा। माथे का आकार-प्रकार भी अलग-अलग दिखता है। सी.सी.टी.वी. वाले का माथा पकड़ाए आरोपी की तुलना में छोटा है। आँखों में भी साफ अंतर है। पकड़ाए आरोपी की आँखें थोड़ी चौड़ी और बादाम के आकार सी है। सी.सी.टी.वी. में दिख रही आँखें गोल और छोटी हैं। दोनों की भौंहों का अंतर भी साफ-साफ झलकता है। दोनों की नाक का भी अंतर समझ आता है। गिरफ्तार की नाक चौड़ी है। फुटेज में नाक नुकीली और कम चौड़ी है। दोनों के होंठों में साफ-साफ अंतर दिख रहा है।

बात सिर्फ आरोपी की हो तो भी समझ आता है। लेकिन सैफ के डिस्चार्ज के वक्त आए वीडियो ने तो जैसे हंगामा बरपा दिया। चूंकि उन पर चाकू से इतने वार हुए कि एक टुकड़ा टूटकर पीठ में जा घुसा जो सर्जरी से निकला। जाहिर है जख्म गहरे होंगे और सैफ बेइंतिहा दर्द से गुजरे होंगे। साधारणतया फांस घुसने या नाखून के साथ किनारे जमीं चमड़ी कट जाने पर कई-कई दिन लोगों को तकलीफ रहती है। वहीं बुरी तरह जख्मी सैफ की सेहत में हैरानी भरा सुधार और इतना कि अस्पताल से पैदल चलकर हीरो माफिक निकलना खुद ही बड़ा सवाल बन गया? जबकि डॉक्टरों की हिदायत पूरी तरह से आराम यानी बेड रेस्ट की रही। परिस्थितियों और बाद के घटनाक्रम ने संदेह और बढ़ाया। आम तो आम खास भी सवाल उठाने लगे। महाराष्ट के मंत्री नितेश राणे ने चुभते सवाल उठाए। पूछा कि क्या वाकई में चाकू से हमला हुआ या महज एक्टिंग थी? शिवसेना नेता संजय निरूपम भी कई सवाल उठाते हैं। सैफ पाँच दिन में ऐसे फि ट कैसे हो गए? उद्धव गुट के सांसद संजय राउत फिटनेस को मेडिकल चमत्कार मान डॉक्टरों को श्रेय देते हैं।

इधर लहरें टीवी का सोशल मीडिया हैंडल एक पुराना वीडियो शेयर करता है। उसमें सैफ 1994 में दिल्ली में हुए हमले का खुलासा करते हैं। फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के प्रीमियर के बाद सैफ कुछ दोस्तों संग एक नाइट क्लब गए। वहां दो लड़कियां साथ डांस करने को कहती हैं। सैफ के इंकार पर लड़कियों के पुरुष दोस्त को बुरा लगा। बात चेहरा बिगाड़ने तक पर आ गई। सैफ पर हमला हुआ। वो सिर की चोट का निशान भी दिखाते हैं। लेकिन केस क्यों नहीं किया के जवाब में कहते हैं कि मामले को ज्यादा पब्लिसिटी नहीं देना चाहते थे वरना लोग उन्हें ही दोषी ठहराएंगे। इस बार ऐसा नहीं हुआ। चोटिल और इलाज के बाद निकलते सैफ किसी सुपरस्टार से कम नहीं लगे। 17 जनवरी की तड़के से अब तक सुर्खियां इतनी कि थमने के बजाए रोजाना कुछ न कुछ नई थ्योरी के साथ सामने होती हैं। हमले के वक्त घर पर कौन-कौन था, करीना लेकर अस्पताल क्यों नहीं पहुंची? साथ में वाकई कौन गया बेटा या कोई और?

निश्चित रूप से सैफ पर हमला, पकड़ाए आरोपी पर संदेह, सेहत में हैरानी भरा सुधार हर रोज नए-नए खुलासे, तर्क-वितर्क के बीच सच क्या और झूठ क्या है इस पर ऊहापोह की स्थिति है। कभी यह सुनाई देता है कि घटनास्थल से कलेक्ट किए गए नमूनों में से 19 नमूने आरोपी के फिंगरप्रिंट से मेल नहीं खा रहे। अब यह कि फेशियल रिकग्निशन टेस्ट में आरोपी शरीफुल का चेहरा और सैफ के घर में मिले सीसीटीवी के कैद आरोपी का चेहरा एक ही है। यह एक तरह से बायोमेट्रिक पहचान तकनीक है जो तीन भागों में विभाजित है। चेहरा पहचानना, चेहरा ट्रैकिंग और चेहरे को मिलाना। इस तकनीक से मुख्य रूप से यह पता किया जाता है कि दो तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति एक ही व्यक्ति है या नहीं?

इतना तो तय है कि घटना की गुत्थियां, पेचीदगियां और रहस्य कहीं न कहीं महाराष्ट्र पुलिस, सरकार और सेलीब्रिटीज के लिए लंबे अरसे तक सिरदर्द जरूर रहेंगी। सच-झूठ सिवाय सैफ-करीना के कौन जानता है यह भी अनसुलझा सवाल बन चुका है?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

परिवेशगत सुधार की जरूरत

विनीत नारायण

कई दशकों से देखने में आया है कि गणतंत्र या स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को नमन कर देशवासियों को लंबे-चौड़े वादों की सौगात देकर देश का भला करने के संकल्प लिए जाते हैं परंतु इन सब से क्या देश का भला हो सकता है?

कई देशों में प्रवासी भारतीयों ने कई क्षेत्रों में बुलंदियों को छुआ है। इसका मतलब हुआ कि भारतीयों में योग्यता की कोई कमी नहीं है। यदि सभी को सही मौका और प्रोत्साहन मिले तो कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

अगर यह बात सही है तो फिर क्या वजह है कि खिलाड़ियों पर खर्चा करने की बजाय खचीर्ले खेल आयोजनों पर अरबों रुपया बर्बाद किया जाता है? कुछ हजार रुपये का कर्जा लेने वाले किसान आत्महत्या करते हैं और लाखों करोड़ का बैंकों का कर्जा हड़पने वाले उद्योगपति ऐश। आधी जनता भूखे पेट सोती है और एफसीआई के गोदामों में करोड़ों टन अनाज सड़ता है। विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका और मीडिया भी ऐसी अव्यवस्था का नंगा नाच दिखाने में पीछे नहीं रहते।

नतीजतन, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम सीमा पर पहुंचता जा रहा है। सरकार के पास विकास के लिए धन की कमी नहीं है पर धन का सदुपयोग कर विकास के कामों को ईमानदारी से करने वाल पैसे-पैसे के लिए धक्के खाते हैं और नकली योजनाओं पर अरबों रुपया डकारने वाले सरकार का धन बिना रुकावट खींच ले जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस का क्या अर्थ लिया जाए? यही न कि हमने आजादी के नाम पर गोरे साहबों को धक्का देकर काले साहबों को बिठा दिया। पर काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप निकले। स्विटजरलैंड के बैंकों में सबसे ज्यादा काला धन जमा करने वालों में भारत काफी आगे है। इसलिए जरूरत है हमारी सोच में बुनियादी परिवर्तन की।

ह्यसब चलता हैह्ण और ह्यऐसे ही चलेगाह्ण कहने वाले इस लूट में शामिल हैं। जज्बा तो यह होना चाहिए कि ह्यदेश सुधरेगा क्यों नहीं?ह्ण ह्यहम ऐसे ही चलने नहीं देंगेह्ण। अब सूचना क्रांति का जमाना है। हर नागरिक को सरकार के हर कदम को जांचने-परखने का हक है। इस हथियार का इस्तेमाल पूरी ताकत से करना चाहिए। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न हो उसमें में जो लोग बैठे हैं, उन्हें भी अपना रवैया बदलने की जरूरत है। एक मंत्री या मुख्यमंत्री रात के अंधेरे में मोटा पैसा खाकर उद्योगपतियों के गैर-कानूनी काम करने में तो एक मिनट की देर नहीं लगाता। पर यह जानते हुए भी कि फलां व्यक्ति या संस्था राज्य के बेकार पड़े संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर सकती है, उसके साथ वही तत्परता नहीं दिखाता।

आखिर क्यों? जब तक हम सही और अच्छे को बढ़ावा नहीं देंगे, उसका साथ नहीं देंगे, उसके लिए आलोचना भी सहने से नहीं डरेंगे तब तक कुछ नहीं बदलेगा। नारे बहुत दिए जाएंगे पर परिणाम केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे। सरकारों ने अगर अपने अधिकारियों के विरोध की परवाह करते हुए अपने कार्यकालों में कई सक्षम लोगों को यदि खुली छूट न दी होती तो अमूल और मेट्रो जैसे हजारों करोड़ के साम्राज्य कैसे खड़े होते? आम आदमी के लिए रोजगार का सृजन करना हो या देश की गरीबी दूर करना हो, सरकार की नीतियों में बुनियादी बदलाव लाना होगा। केवल आंकड़े ही नहीं साक्षात परिणाम देख कर भी नीति बननी चाहिए।

खोजी पत्रकारिता के चार दशक के मेरे अनुभव यही रहे कि बड़े से बड़ा भ्रष्टाचार बड़ी बेशर्मी से कर दिया जाता है पर सच्चाई और अच्छाई का डट कर साथ देने की हिम्मत हमारे राजनेताओं में नहीं है। इसीलिए देश का सही विकास नहीं हो रहा। खाई बढ़ रही है। हताशा बढ़ रही है। हिंसा बढ़ रही है। पर नेता चारों ओर लगी आग देख कर भी कबूतर की तरह आंखें बंद किये बैठे हैं। इसलिए फिर से समाज के मध्यम वर्ग को समाज के हित में सक्रिय होना होगा। मशाल लेकर खड़ा होना होगा। टीवी सीरियलों और उपभोक्तावाद के चंगुल से बाहर निकल कर अपने इर्द-गिर्द की बदहाली पर निगाह डालनी होगी ताकि हमारा खून खौले और हम बेहतर बदलाव के निमित्त बन सकें।

विनाश के मूक द्रष्टा नहीं। तब ही हम सही मायने में आजाद हो पाएंगे। फिलहाल तो उन्हीं अंग्रेजों के गुलाम हैं जिनसे आजादी हासिल करने का मुगालता

लिए बैठे हैं। हमारे दिमागों पर उन्हीं का कब्जा है जो घटने की बजाय बढ़ता जा रहा है। ये बातें या तो शेखचिल्ली के ख्वाब जैसी लगती हैं या किसी संत का उपदेश। पर ऐसा नहीं है। इन्हीं हालात में बहुत कुछ किया जा सकता है। देश के हजारों लाखों लोग रात दिन निष्काम भाव से समाज के हित में समर्पित जीवन जी रहे हैं। हम इतना त्याग न भी करें तो भी इतना तो कर ही सकते हैं कि अपने इर्द-गिर्द की गंदगी को साफ करने की ईमानदार कोशिश करें। चाहे वह गंदगी हमारे दिमागों में हो, हमारे परिवेश में हो या हमारे समाज में हो। हम नहीं कोशिश करेंगे तो दूसरा कौन आकर हमारा देश सुधारेगा?

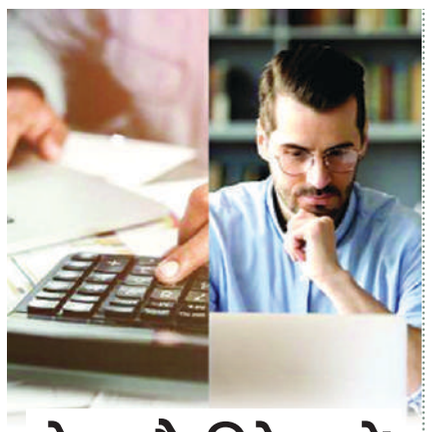

लेना है विदेश में एजुकेशन इन बातों का ध्यान रखें

उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। इस बारे में यहां उपयोगी सलाह दे रही हैं आदित्य बिड़ला वर्ल्ड अकेडमी की हेड करियर गाइडेंस काउंसलर।

विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी के बारे में सोचना कब से शुरू कर देना चाहिए?

आठवीं से ही। हम उनसे कहते हैं कि वे अपने करियर के बारे में सोचना और उस पर काम करना शुरू कर दें। कौन-से विषय वहां तक पहुंचने में आपकी मदद करेंगे, कौन-से कॉलेज में पढ़ाई करनी है, ये सारे फैसले बाद में लेने होंगे। यह जरूरी नहीं कि आप विदेशी यूनिवर्सिटीज की ओर ही देखें। भारत में भी बेहतरीन यूनिवर्सिटीज हैं। जरूरी यह है कि आप फोकस्ड रहें।

क्या एक साल का गैप लेना ठीक है, जो आजकल ट्रैंड बनता जा रहा है?

गैप ईयर का परसेप्शन बदल रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि कोई विद्यार्थी कैसे साल बिताता है। गैप लेने के बाद जिनकी एप्लिशन स्ट्रॉन्ग होती है, वे अकेडेमिकली भी स्ट्रॉन्ग होते हैं। अपने सफर के दौरान वे कई तरह की इंटर्नशिप भी करते रहते हैं। यूनिवर्सिटीज भी यही देखती हैं। वे जानना चाहती हैं कि विद्यार्थी कैसे अपने समुदाय को सशक्त बनाते हैं।

इंटर्नशिप कितनी जरूरी है?

समर इंटर्नशिप करियर के बारे में आपका नजरिया बदल सकती है। मैं एक उदाहरण देना चाहूंगी। एक छात्रा ने हमसे कहा कि आर्ट और कलर उसकी जिंदगी है। वह आर्टिस्ट बनना चाहती थी लेकिन स्टूडियो में इंटर्नशिप के दौरान उसे एहसास हुआ कि वह मार्केट और आर्ट की सेल के बारे में कहीं अधिक इच्छुक थी। इसलिए आखिर में उसने मैनेजमेंट कोर्स जॉइन कर लिया।

सही यूनिवर्सिटी का चुनाव कैसे करना चाहिए?

सही चॉइस ही आपको सही नौकरी, सही करियर, सही माहौल और यहां तक कि सही पार्टनर तक पहुंचाती है। इसलिए तमाम संभावनाओं पर विचार करने के बाद ही तय करें कि आप सबसे अधिक कहां फिट बैठते हैं। भारत में पैरेंट्स अपनी आय का 70 प्रतिशत हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते हैं। मगर जब कोई स्टूडेंट चार साल यूनिवर्सिटी में बिताता है, तो हमें खुद से सवाल पूछना होगा कि क्या वह वहां खुश है!

स्टेटमेंट ऑफ पर्पज (एसओपी) में यूनिवर्सिटी क्या देखती है?

एसओपी में यूनिवर्सिटी आपके बारे में ज्यादा जांचना चाहती है। ऐसा अमेरिका व ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज में खास तौर पर होता है। मैं सलाह देती हूं कि एसओपी खुद तैयार करें। इसके लिए किसी और को हायर न करें।

अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने का मौका देगा एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।

अगर आप बचपन में आसमान में उड़ते प्लेन को देखकर उत्साहित हो जाते थे और अब भी नीले आसमान में उड़ान भरने के साथ अंतरिक्ष का सैर करना चाहते हैं तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपके लिए एकदम सही करियर विकल्प है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।
इन कार्यों के अलावा इस क्षेत्र में कार्य करने वाले इंजीनियर एयर क्राफ्ट की ताकत उसकी क्षमता, विश्वसनीयता और विमान तथा उसके अन्य पार्ट्स का लम्बे समय तक टिकाऊ बने रहने के लिए ध्वंसात्मक तथा गैर ध्वंसात्मक परीक्षण की दिशा में कार्य कर सकते हैं या फिर कार्य करने के लिए निर्देश दे सकते हैं।

एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य

इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य स्पेसक्राफ्ट, डिफेंस सिस्टम और एविएशन और एविओनिक्स में इस्तेमाल होने वाली नई इंजीनियरिंग तकनीकों को तैयार करना है। इसके अलावा एक एयरोस्पेस इंजीनियर वायुगतिकीय द्रव प्रवाह जैसे क्षेत्रों में कुशल होता है। जैसे- संरचनात्मक डिजाइनय मार्गदर्शन, नेविगेशन और नियंत्रण इंस्ट्रूमेंटेशन और संचार, रोबोटिक्स, या प्रणोदन और दहन आदि। साथ ही वे विभिन्न प्रकार के एयरोस्पेस मशीनरी को डिजाइन करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए वाणिज्यिक विमान, हेलीकॉप्टर, युद्धक विमान अंतरिक्ष यान, उपग्रह, प्रक्षेपण वाहन, रॉकेट और मिसाइल।
एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के लिए एजुकेशन
अगर आप एयरोस्पेस में इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको न्यूनतम स्नातक की डिग्री यानी बीई या फिर बीटेक व बीएस या फिर किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से समकक्ष की आवश्यकता होती है। इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री उन उम्मीदवारों के लिए एक 4 वर्ष का कार्यक्रम है, जिन्होंने भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ कक्षा 12वीं की शिक्षा पूरी की है। टफ मैथ्य और कम्प्यूटेशनल फार्मुलों के साथ भौतिकी की गतिशीलता को समझना एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक कार्यक्रम में दाखिला लेने के लिए कुछ आवश्यक लक्षण हैं। वहीं एमएसए एमटेक और पीएचडी आदि विश्वविद्यालयों जैसे स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए निबंध परीक्षा और व्यक्तित्व साक्षात्कार के बाद मानकीकृत परीक्षा में स्कोर करना जरूरी है।

क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी

एक एयरोस्पेस इंजीनियर में क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी होना चाहिए। सीधी बात कि उनमें यह सोचने में सक्षम होना चाहिए कि किन परिस्थितियों में डिजाइन, सामग्री और अंतिम उत्पाद या परियोजना विफल हो सकती है और एक गड़बड़ या विफलता के मामले में वैकल्पिक विकल्प क्या होने चाहिए।

टीम वर्कर

एक एयरोस्पेस इंजीनियर टीम में काम करता है, उसे काम के माहौल में सीखने और बनाने में सक्षम होने के लिए एक अच्छा टीम वर्कर होना चाहिए।

राइटिंग स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर के लिए यह बहुत जरूरी स्किल है कि उनके अंदर स्पष्ट लेखन के लिए अच्छा लेखन कौशल होना चाहिए और ऐसे डिजाइन बनाने चाहिए जो अन्य टीम के कार्यकर्ता पूरी तरह से समझ सकें।

एनालिटिकल स्किल

एयरोस्पेस मशीन के साथ विभिन्न वातावरणों के विकल्पों का सुझाव देने के लिए एयरोस्पेस मशीन और उसके डिजाइन की कार्य परिस्थितियों को समझने के लिए साउंड एनालिटिकल स्किल होने चाहिए।

बिजनेस स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर को यह पता होना जरूरी है कि वो जिस परियोजना में लगे हैं, उसकी लागत क्या होगी और कंपनी या सरकार को फायदा कैसे मिलेगा। क्योंकि सभी तरह के फायदे के लिए रूपरेख एयरोस्पेस इंजीनियर को बनानी पड़ती है।

भारत में एयरोस्पेस इंजीनियर

अगर आप एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको एयरलाइंस के अलावा वायु सेना, कॉर्पोरेट रिसर्च कंपनियों, रक्षा मंत्रालय, हेलीकाप्टर कंपनियों, विमानन कंपनियों में जॉब मिल सकती है। भारत के अंदर इस क्षेत्र में प्रमुख भर्ती करने वालों में से कुछ हैं हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, नागरिक उड्डयन विभाग, एयर इंडिया, भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन व अन्य।

एयरोस्पेस इंजीनियर कहां काम करते हैं

इंजीनियर ज्यादातर सरकारी एजेंसियों और मेन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज में काम करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ चुनिंदा एयरोस्पेस इंजीनियरों को नासा जैसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम करने के लिए भी चुना जाता है। वर्तमान में एयरोस्पेस इंजीनियर एयरोडायनेमिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट पर काम कर रहे हैं। साथ ही इनके पास एयरक्राफ्ट पावर प्लांट जैसे टर्बो प्रोप, पिस्टन इंजन और जेट्स के कामकाज के विषय में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। कुछ एयरोस्पेस इंजीनियर राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित परियोजनाओं पर काम करते हैं और इसके लिए उन्हें सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करनी पड़ती है।

जॉब के अवसर

इस क्षेत्र में जॉब के लिए आपके पास कम से कम इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन डिग्री होना आवश्यक है। कई ऐसे एम्प्लॉयर जो विशेष रूप से जो इंजीनियरिंग कंसल्टिंग सर्विसेज प्रदान करते हैं, उन्हें एक सर्टिफाईड इंजीनियर की आवश्यकता होती है। इस समय देश में निम्नलिखित संगठन जॉब दे रहे हैं।

- एयर फोर्स
- सरकारी अनुसंधान
- कॉर्पोरेट अनुसंधान
- हेलीकॉप्टर कंपनियां
- एयरलाइंस
- एयरशिप्स
- विमानन कंपनियां
- मिसाइल
- फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट
- रक्षा मंत्रालय
- उपग्रह
- अंतरिक्ष यान

जीवन के और हमारे मन के भी दो पहलू होते हैं। हम या तो सकारात्मक होते हैं या नकारात्मक। यदि हम सकारात्मक होना चुनते हैं, तो यह आशा और आत्मविश्वास जगाता है। हम खुद पर भरोसा करना सीख लेते हैं। हम स्वप्रेरित होते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाते हैं। देश और दुनिया के युवा लीडर्स इन्हीं बातों पर जोर देते हैं।

सकारात्मकता को चुनते हैं देश और दुनिया के युवा

जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट हैं अमी पटेल। वे काजोल, लारा दत्ता, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और ऐसे ही कई दिग्गज बॉलीवुड स्टार्स के फैशन, उनके स्टाइल को मेंटेन रखने का काम करती हैं। उनके मुताबिक, स्टाइल फीका है यदि आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपका चेहरा साथ नहीं दे रहा। यदि आप खुद अव्यवस्थित या कंफ्यूज रहते हैं, तो फैशन से इसे बदलना मुश्किल है। विचार आपका आईना हैं, यह ध्यान रखें। फिर आप जो भी पहनेंगे, लोग देखते रह जाएंगे। अमी खुद एक मेडिटेशन टीचर भी हैं और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसे बहुत जरूरी मानती हैं। उनके मुताबिक, हमें वह सब करना चाहिए, जिसकी वजह से हमारी सकारात्मक सोच को बनाए रखने में मदद मिल सके।

सीखने की ललक

जस्ट डायल के सीईओ वीएसएस मणि की सक्सेस स्टोरी भी कुछ इसी तरह की है। इसका सार यह है कि यदि आप विपरीत परिस्थिति में भी अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, तो आपकी मंजिल ज्यादा दूर नहीं। वे कहते हैं, जब मैंने इस बिजनेस आइडिया के बारे में सोचा था, तो भारत में इंटरनेट का इतना प्रभाव नहीं था। एक तो मुश्किल आइडिया, उस पर घर की माली हालत खराब। काम शुरू करना है, तो पैसा चाहिए ही, सो मैंने दूसरे कामों के साथ जुड़कर घर की जिम्मेदारी भी संभाली और अपने बिजनेस आइडिया पर भी चुपचाप काम करता रहा। मणि आज भी अपने बिजनेस को 20 साल पुराना स्टार्ट-अप ही कहते हैं। उनके अनुसार, इससे सीखने की ललक बनी रहती है। जब तक यह इच्छा रहेगी, आपकी सोच भी सकारात्मक रहेगी। सकारात्मक लोग हमेशा कुछ-न-कुछ करते-सीखते रहते हैं।

समस्याओं से न भागें

मुझसे लोग हमेशा पूछते हैं कि आप तमाम जिम्मेदारियों से उपजे स्ट्रेस के बीच कुंठित क्यों नहीं होते, गुस्सा क्यों नहीं आता? मेरा जवाब होता है, आप इसके अलावा यह भी तो कह सकते हैं कि आप कितने पॉजिटिव हैं! यह कहना है ब्रैंडन वैलेस का। वे अमेरिकी सरकार में पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्यरत हैं। अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के अलावा, वे युवाओं से जुड़े मसलों पर भी सक्रिय हैं। खास तौर पर इस दिशा में कि युवाओं को शांति और सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए।
वे कहते हैं, कोई समस्या आपके सामने आती है, तो दो ही विकल्प होते हैं आपके पास। या तो आप समस्याओं से जूझें, दुख-दर्द का अनुभव करें या फिर इन सबका पूर्वानुमान लगाकर पलायन कर जाएं। मैं दर्द लेता हूं क्योंकि यह हमें अंतत- स्थिर करता है। हममें ठहराव लाता है और इस ठहराव का चयन हमेशा सकारात्मक मिजाज का व्यक्ति ही कर सकता है।

फोकस खुद पर

जिनकी सोच सकारात्मक होती है, वे हमेशा अपनी गलतियों की तरफ देखते हैं। उनमें सुधार के बारे में चिंतन करते हैं। वे रुकी हुई घड़ी को भी देखकर यह कहना जानते हैं कि देखो, यह घड़ी नहीं चल रही लेकिन यह रोज दो बार सही वक्त बता पाने में सक्षम है। ब्रिटेन की अभिनेत्री फागुन ठकरार बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, पर उनके पैरेंट्स की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें। वे डॉक्टर बनीं भी, मगर बाद में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने अपना सपना भी पूरा किया। आज वे डॉक्टर ही नहीं, एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी फागुन कहती हैं, मैं इस बात की परवाह नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे। मैं हमेशा इसका ध्यान रखती हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं। अपने काम के दौरान मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली हैं। लीक से हटकर सोचना और करना आसान नहीं, लेकिन मेरे पास जादू की छड़ी है और वह है सकारात्मक सोच।

संक्षिप्त खबरें

चालक को झपकी आने से खंभे से टकरा कर खाई में गिरा कुंभ से लौट रहा वाहन, पांच जख्मी

बक्सर। सोमवार की अहले सुबह करीब तीन बजे मोहनियां-चौसा हाईवे पर राजपुर थाना क्षेत्र के रामपुर-निकृष के पास कुंभ स्नान से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन अनियंत्रित होकर 11 हजार वोल्ट के बिजली के खंभे से टकरा गयी और सड़क किनारे खायी में पलट गयी। हादसे में वाहन में सवार 14 श्रद्धालुओं में से एक दर्जन से अधिक घायल हो गये, जिनमें पांच की हालत गंभीर बतायी जा रही है। बताया जा रहा है कि सारण जिले के मांझी छपरा निवासी ओमप्रकाश साह अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ मैजिक वाहन से प्रयागराज कुम्भ स्नान के लिए गये थे। रविवार की शाम लौटते समय वे बक्सर होते हुए छपरा जाने के लिए मोहनिया-चौसा हाईवे पर यात्रा कर रहे थे। सोमवार की अहले सुबह रामपुर-निकृष के पास चालक को अचानक झपकी आ गयी, जिससे वाहन असंतुलित होकर बिजली के खंभे से टकरा गयी और सड़क किनारे पलट गयी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

गोपालगंज। महम्मदपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया ढाले के पास रविवार की शाम एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गयी। हादसा डुमरिया गांव के प्रमोद सहनी के पुत्र हरमून कुमार के साथ हुआ। बताया जा रहा है कि हरमून कुमार शाम को बाइक से घर से बाहर निकला था। जब वह डुमरिया ढाला के पास पहुंचा, तब तेज रफ्तार ट्रैक्टर से उसकी बाइक की टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हरमून गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

45.86 लाख की ठगी के दो आरोपित गिरफ्तार

छपरा। सारण पुलिस ने साइबर क्राइम में बड़ी कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में उत्तर प्रदेश के मऊ जिला अंतर्गत मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के वालीदपुर गांव निवासी रणजीत बरनवाल के पुत्र निखिल बरनवाल व भगनू सोनकार के पुत्र गोलू सोनकार बताए जाते हैं। आरोपित बीते साल नवंबर माह में मशरक थाना क्षेत्र के नेहरू टोला निवासी सोना लाल प्रसाद के पुत्र विकाश कुमार को डिजिटल अरेस्ट कर उनके खाते से 45.86 लाख की धोखाधड़ी की थी।

तेज रफ्तार वाहन ने किशोर को रौंदा, मौत

सीवान। सोमवार को जामो बाजार थाना क्षेत्र की हेतीमपुर पंचायत के मांझी-बरौली हाइवे पर भलुईं गांव में तेज रफ्तार से जामो बाजार की तरफ से जा रहे पिकअप ने किशोर को कुचल दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। ग्रामीणों ने पिकअप को तो अपने कब्जे में ले लिया। लेकिन पिकअप का ड्राइवर भागने में सफल रहा। मृतक किशोर मुन्ना आलम(11) जामो थाना क्षेत्र के भलुई गांव निवासी नेसार अहमद के पुत्र है। घटना के बाद ग्रामीणों ने किशोर का शव रखकर सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने आरोप लगाया कि जामो बाजार थाना पुलिस कभी भी वाहन जांच नहीं करती है। बाजार से वाहन तेज गति गुजरते हैं, लेकिन पुलिस रफ्तार पर कंट्रोल लगाने की दिशा में कोई कारगर कदम नहीं उठाता है।

पूजा पंडाल व घर से टकराया ट्रैक्टर, बचे बच्चे

जमुई। सोनो थाना क्षेत्र की बेलंबा पंचायत के खैरालेबार नैया टोली गांव में रविवार की शाम बालू लदा अनियंत्रित ट्रैक्टर पूजा पंडाल और पंडाल के समीप के घर से टकरा गया। इस दुर्घटना में पूजा पंडाल के समीप खड़े सभी बच्चे बाल बाल बच गये। हालांकि घर की दीवार क्षतिग्रस्त हो गयी और वहां रखी चौकी आदि टूट गया। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गये। गांव की बेबी देवी व पूजा कुमारी समेत कई ग्रामीण बताते हैं कि झाझा पुलिस उक्त ट्रैक्टर का पीछा कर रही थी। इस कारण चालक तेज गति से ट्रैक्टर भगा रहा था। इससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया गया कि अवैध बालू की ढुलाई कर रहे ट्रैक्टर को पकड़ने के लिए झाझा पुलिस माहपुर से हीपीछा कर रही थी।

झारखंड

स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, तो करें अप्लाई, हेमंत सरकार करेगी मदद

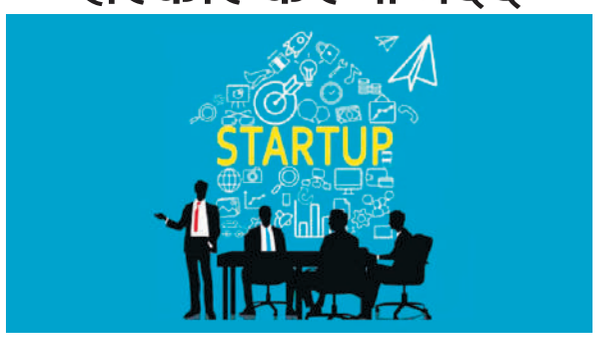

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में हेमंत सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए गंभीर नजर आ रही है। इसी के मद्देनजर 7 दिसंबर 2023 को कैबिनेट की बैठक में राज्य की नई स्टार्टअप पॉलिसी 2023 को मंजूरी दी गई। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी 2023 के तहत http://abvil.jharkhand.gov.in पोर्टल के जरिए नए स्टार्टअप आइडिया मांगे गए हैं।

आज से आवेदन किए जाएंगे आमंत्रित : अगर आप स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं और आपके पास कोई अच्छा इनोवेटिव आइडिया है, तो आप संबंधित पोर्टल पर एप्लीकेंट बनकर आइडिया शेयर कर सकते हैं। 4 फरवरी 2025 से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

राज्य में नई झारखंड स्टार्टअप नीति 2023 लागू है। इसके संचालन और क्रियान्वयन के लिए कंपनीज एक्ट 2013 के तहत सेक्शन 8 के रूप में ABVIL यानी अटल बिहारी वाजपेयी इनोवेशन लैब का गठन किया गया है। इस एजेंसी का कार्य राज्य में स्टार्टअप का चयन करना, स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना और पॉलिसी में प्रावधानित फिस्कल एवं नॉन फिस्कल इंसेंटिव्स का कॉमन इंसेंटिव डिसबर्समेंट गाइडलाइन के तहत क्रियान्वयन करना है।

इस नीति के तहत एक ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया है जिसका यूआरएल http://abvil.jharkhand.gov.in है। इसके माध्यम से एप्लीकेंट द्वारा भेजे गए नए स्टार्टअप आइडिया के लिए स्टेट इवैल्यूएशन बोर्ड की बैठक बुलाकर 4 फरवरी से चयन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

1 हजार स्टार्टअप विकसित करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 7 दिसंबर 2023 को पुरानी स्टार्टअप पॉलिसी 2016 को रद्द कर नई स्टार्टअप पॉलिसी, 2023 को मंजूरी दी थी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग ने इसे अधिसूचित कर दिया है। अब 2016 में लागू नीति को रद्द कर दिया गया है।

नई स्टार्टअप पॉलिसी अगले पांच वर्षों के लिए लागू की गई है। इस दौरान साल 2028 तक राज्य में कम से कम एक हजार स्टार्टअप विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवधि तक राज्य में अनुकूल इकोसिस्टम तैयार कर झारखंड को अग्रणी 10 राज्यों में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

कांग्रेस नेता शकील अहमद खान के बेटे ने की आत्महत्या

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पटना। कांग्रेस के विधायक दल के नेता शकील अहमद के इकलौते बेटे ने आत्महत्या कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार एमएलसी आवास पर ही खुदकुशी की। इस घटना के बाद मौके पर हड़कंप मचा गया। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच कर रही है। बिहार के डीजीपी विनय कुमार भी मौके पर विधायक आवास पहुंचे हैं। बता दें कि शकील अहमद के बेटे आयान खान की उम्र 17 वर्ष थी। वह 12वीं का छात्र था। शकील अहमद घटना की जानकारी मिलने के बाद गुजरात से पटना

पटना के एमएलसी आवास में फंदे से लटका मिला शव

लौट रहे हैं।

18 जनवरी को राहुल गांधी से मिला था आयान : शकील अहमद खान के इकलौते पुत्र आयान खान के असामयिक निधन से कांग्रेस महकमे में शोक की लहर है। आयान की मौत से शकील अहमद खान और उनके परिवार को गहरा आघात लगा है। आयन ने हाल ही में 18 जनवरी को राहुल गांधी से मुलाकात की थी। जब राहुल गांधी पटना दौरे पर थे। उस समय शकील अहमद खान ने अपने पुत्र आयान को मंच पर लाकर राहुल गांधी से मिलवाया था। आयान ने राहुल गांधी को एक पेंटिंग भी भेंट की थी, जिसकी राहुल गांधी ने तारीफ की थी।

कदवा से विधायक हैं शकील अहमद खान : बता दें कि शकील अहमद खान बिहार में कांग्रेस विधायक दल के नेता हैं। उसके साथ ही कदवा विधानसभा से विधायक भी हैं। उनकी छवि अभी तक साफ सुथरे नेता वाली रही है। 2023 में उन्हें देश के सर्वश्रेष्ठ विधायक का सम्मान मिल चुका है।

जमुई में ससुराल में चाकू से गोद कर पत्नी को मार डाला

प्रातः नागपुरी संवाददाता

जमुई। झाझा थाना क्षेत्र के महापुर पंचायत अंतर्गत सतीघाट गांव स्थित मायके में रह रही एक महिला की उसके पति ने रविवार को चाकू से हमला कर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद वह अपने ससुराल से फरार हो गयी। घटना की जानकारी परिजनों को अहले सुबह अजान के समय उठने के बाद हुई। मृतका की पहचान बलियाडीह गांव निवासी मो गुलाम की 35 वर्षीय पत्नी जुबेदा खातून के रूप में हुई है। घटना को लेकर मृतक महिला के पिता सतीघाट निवासी रहमूल अंसारी ने बताया कि मेरी पुत्री की शादी 10 वर्ष पूर्व बलियाडीह गांव निवासी मो गुलाम के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक-ठाक था। उसे पांच बच्चा भी हुआ। चार माह से पति-पत्नी के बीच में घरेलू विवाद बढ़ गया और दोनों में मारपीट होने लगी। पारिवारिक कलह से तंग आकर मेरी बेटी सतीघाट आकर हमलोग के साथ अपने मायके में रहने लगी। जबकि पति कमाने के लिए कोलकाता चला गया। इस बीच कई बार दोनों परिवारों के बीच पंचायत भी हुई। दामाद ने अपने परिजनों के कहने पर मेरी पुत्री को फोन पर तलाक दे दिया था। रविवार की रात्रि को मेरा दामाद कोलकाता से आया। हमलोगों को बड़ी खुशी हुई। खान खाकर पुत्री व दामाद अपने कमरे में सोने चले गये। सुबह 4:00 बजे जब अजान का समय हुआ तो मेरा पुत्र बाहर निकाला। उसने देखा कि मेरी बेटी जहाना खातून खून से सनी हुई आंगन में पड़ी है।

बीपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

संवाददाता, पटना

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार लोक सेवा आयोग बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सोमवार को बिहार सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आयोग के प्रमुख के रूप में परमार रवि मनुभाई की नियुक्ति को चुनौती देने वाले वकील और याचिकाकर्ता ब्रजेश सिंह की दलीलों पर गौर किया। इसके बाद पीठ ने राज्य सरकार और बीपीएससी अध्यक्ष को नोटिस जारी किया है। पीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए एक न्यायमित्र भी नियुक्त किया है। याचिका में 15 मार्च, 2024 को की गई नियुक्ति को चुनौती देते हुए कहा गया कि यह सिर्फ बेदाग चरित्र वाले लोगों को लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्त करने के संवैधानिक आदेश के खिलाफ है।

याचिकाकर्ता वकील को हिदायत : हालांकि, पीठ ने इस बात की आलोचना की कि याचिका एक वकील ने दायर की है जिनका बीपीएससी के कामकाज से कोई संबंध या लेना देना नहीं है। याचिका दायर करने वाले वकील से कहा कि एक वकील के तौर पर आपको इस तरह की जनहित याचिकाएं दायर करने से दूर रहना चाहिए, क्योंकि आपका बीपीएससी से कोई संबंध या कोई लेना देना नहीं है। जनहित याचिका के अनुसार, परमार बिहार सतर्कता ब्यूरो द्वारा दर्ज कथित भ्रष्टाचार मामले में आरोपी हैं और यह मामला पटना में एक विशेष न्यायाधीश के समक्ष लंबित है।

अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गिरोह का सरगना खगड़िया में गिरफ्तार

खगड़िया। अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गिरोह के सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सरगना के पास से चोरी की चार मोबाइल बरामद किया गया है। नगर थानाध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि राजेंद्र चौक स्थित मॉल के समीप चोरी की चार मोबाइल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। बीते रविवार की शाम मॉल के समीप संदिग्ध स्थिति में घूम रहे युवक गस्ती गाड़ी को देख भागने की कोशिश करने लगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब युवक को रोककर पूछताछ की तो गोलमटोल जवाब देने लगा। शंका होने पर युवक को पूछताछ के लिए थाना पर लाया। युवक की तलाशी के दौरान अलग अलग कंपनी की मोबाइल बरामद हुई। मोबाइल का कागजात मांगा गया तो नहीं दिया।

ऑनलाइन एप से तीन अरब रुपये की ठगी करनेवाले 24 गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपितों में 10 भारतीय, एक सीवान का
- 57 मोबाइल,13 लैपटॉप, 34 एटीएम कार्ड व 88 सिम कार्ड बरामद

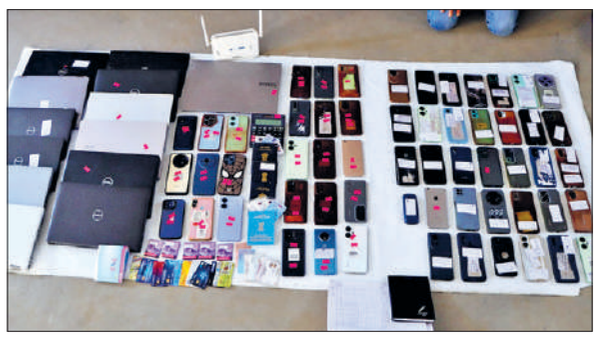

रक्सौल। नेपाल पुलिस ने ऑनलाइन बेटिंग एप्स के माध्यम से नेपाल तथा भारत में ऑनलाइन व ऑफलाइन तरीके से लोगों से ठगी करने वाले एक गिरोह के 24 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें 10 भारतीय नागरिक व 14 नेपाली नागरिक हैं। उनके पास से भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बरामद किये गये हैं। इसमें ठगी के कई ठोस दस्तावेज नेपाल पुलिस के हाथ लगे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को खंगालने के बाद नेपाल पुलिस को प्रारंभिक तौर पर पता चला है कि इन लोगों ने तीन अरब चार करोड़ 73 लाख 56 हजार 612 रुपये का लेन-देन भारत के कई बैंक खातों में किया गया है। सारा पैसा ऑनलाइन ठगी एप के माध्यम से इधर से उधर किया गया है। नेपाल की राजधानी काठमांडू को इनलोगों ने सेंटर बना रखा था। नेपाल पुलिस को काठमांडू उपत्यका अपराध अनुसंधान कार्यालय के सूचना अधिकारी डीएसपी काजी कुमार आचार्य ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बड़ा रैकेट आठ से अधिक ऑनलाइन बेटिंग साइट का प्रयोग भारतीय बेटिंग खेलने वाले एजेंट के साथ सामाजिक संजाल (वॉट्एसप्प) के माध्यम से संपर्क कर सट्टेबाजी का धंधा चला रहा है।

पेज एक का शेष

महाकुंभ भगदड़ में हुई...

इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने उनसे अपने बयान को वापस लेने का आग्रह किया। सभापति ने कहा, ₹विपक्ष के नेता ने हजारों की संख्या में आंकड़े देकर एक परिदृश्य का संकेत दिया है। मैं उनसे अपील करता हूं कि इस सदन में जो भी कहा जाता है, उसका बहुत महत्व होता है। आपने कुछ ऐसा कहा है, जिससे सभी स्तब्ध हैं। यहां से पूरी दुनिया में संदेश जाता है, भले ही उसका खंडन हो। क्या आप उस हद तक जा सकते हैं? आप इस देश के एक वरिष्ठ नेता हैं, इस नाते मैं आपसे अपील करूंगा, अगर आप हजारों में आंकड़ा देते हैं तो मैं केवल आपकी अंतरात्मा से अपील कर सकता हूं।₹ सभापति के इस आग्रह के बाद खरगे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी को दोषी ठहराने के लिए यह आंकड़ा नहीं बताया।

दरअसल, महाकुंभ में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के दौरान भगदड़ मच गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए।

केंद्र ने सबसे...

जीएसटी में बदलाव नहीं, मनरेगा के साथ अनाज में भी कटौती : हेमंत सोरेन ने कहा कि महंगाई तेजी से बढ़ रही है। जीएसटी में भी कोई बदलाव नहीं किया गया। यहां तक कि मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ अनाज में भी कटौती कर दी गई है। इसके बावजूद झारखंड सरकार अपने संसाधनों से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का लगातार प्रयास कर रही है और राज्य की महिलाओं के आम लोगों की समस्याओं का निदान करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरे देश में पहली बार झारखंड अर्थव्यवस्था के प्रबंधन में चौथे स्थान पर पहुंचने में सफल हुआ है।

आदिवासियों को वाजिब हक नहीं मिल रहा : मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में आदिवासियों की आबादी घटकर महज 26 प्रतिशत रह गयी है। उन्होंने कहा असम सहित अन्य कई प्रदेशों में आदिवासी निवास करते हैं, लेकिन उन राज्यों में उन्हें उनका वाजिब हक नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने अपना हक और अधिकार पाने के लिए राज्यवासियों से सदैव तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि झामुमो सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन गुरु के नेतृत्व में झामुमो ने शोषण के खिलाफ संघर्ष किया और राज्य लिया। राज्य सरकार उनके सपनों के अनुरूप झारखंड के लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने में जुटी है।

जेएमएम की रैली के पहले विशाल रैली : इससे पहले संताल परगना महाविद्यालय मैदान से बसंत सोरेन के नेतृत्व में विशाल जुलूस निकाला गया और शहर के बड़ा बांध स्थित अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस जुलूस में सांसद विजय हांसदा और विधायक हेमलाल मुर्मू, आलोक सोरेन, लुईस मरांडी और जिलाध्यक्ष शिव कुमार बास्की शामिल थे। जुलूस में भारी तादाद में शामिल कार्यकर्ता और समर्थकों ने हाथों में पोस्टर बैनर लेकर शहर के प्रमुख मार्गों पर प्रदर्शन किया, जो स्थानीय गांधी मैदान में विशाल रैली में तब्दील हो गया।

रैली में शिबू सोरेन का मार्मिक ऑडियो संदेश सुनाया गया : ऐतिहासिक गांधी मैदान में देर रात तक चली रैली में शामिल पार्टी कार्यकर्ता ढोल-नगाड़े के साथ 'शिबू सोरेन जिंदाबाद- शिबू सोरेन जिंदाबाद। हेमंत है तो-हिम्मत है। झारखंड को वाजिब हक और अधिकार देना होगा- देना होगा' के गगनभेदी नारों के साथ संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। रैली में झामुमो सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन का मार्मिक ऑडियो संदेश सुनाया गया।

कल्पना सोरेन समेत कई मंत्रियों-विधायकों ने किया संबोधित : रैली में झामुमो की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन, दुमका सांसद नलिन सोरेन, राजमहल के सांसद विजय हांसदा, मंत्री सुदिव्य सोनू,हफीजुल अंसारी और सुदिव्य कुमार ने संबोधित किया। रैली को विधायक स्टीफन मरांडी, हेमलाल मुर्मू, बसंत सोरेन, डा लुईस मरांडी, आलोक सोरेन, मो ताजुद्दीन, धनंजय सोरेन, उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह सहित पार्टी के कई प्रमुख नेताओं ने संबोधित किया।

झारखंड के...

खींचतान के बाद बनी नई नियमावली : डीजीपी के पैनल पर संघ लोक सेवा आयोग व राज्य सरकार में विवाद हो रहा था। इसके बाद राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल की तर्ज पर झारखंड में भी डीजीपी की नियुक्ति को लेकर नियमावली बनी है।

कैबिनेट की सहमति के बाद नियमावली से संबंधित जारी संकल्प के आधार पर सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने अनुराग गुप्ता को नियमित डीजीपी बनाने की अनुशंसा की, जिसके आधार पर राज्य सरकार ने उक्त अधिसूचना जारी की है।

झारखंड : गैर असैनिक...

झारखंड में आईएएस पदों की स्थिति : इससे पहले, दिसंबर 2023 में भी झारखंड प्रशासनिक सेवा कैडर के सात अधिकारियों को आईएएस में पदोन्नति मिली थी। इनमें सुधीर बारा, अनिल कुमार तिर्की, शैल प्रभा कुजूर, नीलम लता, संदीप कुमार, पशुपति नाथ मिश्रा और राजकुमार गुप्ता के नाम शामिल थे। झारखंड में कुल 224 आईएएस पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से करीब 40 पद अब भी खाली हैं। यह स्थिति राज्य प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, क्योंकि अधिकारियों की कमी के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों में एक ही अधिकारी पर कई पदों का भार आ गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मुद्दे की गंभीरता को समझते हुए प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा था, ताकि रिक्त पद जल्द भरे जा सकें।

13 साल से फरार...

इस आशय की जानकारी पुलिस मुख्यालय मे पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने दी। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी के पास से 9 एमएम कैलिबर का एक देशी रिवॉल्वर, 2 गोली, धमकी देने के लिए इस्तेमाल किये गये सिम लगे दो मोबाईल फोन बरामद किये गये हैं।

12-13 साल से जेएसजेएम में सक्रिय था राजेश सिंह खरवार: एसपी ने बताया कि राजेश सिंह खरवार झारखंड संघर्ष जनमुक्ति मोर्चा (झासंजनमुमो) में 12-13 वर्षों से सक्रिय था। उस पर पहले 2 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वर्ष 2016 के बाद राजेश निष्क्रिय हो गया। इसकी वजह से उस पर घोषित इनाम वापस ले लिया गया। उन्होंने बताया कि राजेश वर्ष 2012 से फरार चल रहा था।

राजेश सिंह के घर की हो चुकी है कुर्की-जब्ती : कोर्ट के आदेश पर राजेश सिंह खरवार के घर की कुर्की-जब्ती भी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि थर्ड रेलवे लाईन का निर्माण कर रही टीटीआईपीएल के संवेदक अंबाकोठी निवासी विकास तिवारी को लेवी के लिए राजेश ने वाट्सअप पर ऑडियो कॉल करके धमकी दी थी। इतना ही नहीं, वीडियो कॉल करके हथियार दिखाकर संवेदक को जान से मामरने की धमकी भी दी थी। इस संबंध में सदर थाना में कांड संख्या 26/2025 दर्ज किया गया था।

एसडीपीओ के नेतृत्व में राजेश की गिरफ्तारी के लिए बनी थी टीम : राजेश की गिरफ्तारी के लिए एसडीपीओ अरविंद कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने राजेश को सदर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि राजेश के खिलाफ लातेहार और गुमला जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल 13 मामला दर्ज है। राजेश का संबंध राहुल सिंह गैंग से भी है। राजेश ने पुलिस को अपने संगठन के अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी दी है। पुलिस अब उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

यह चुनाव...

केजरीवाल राजधानी में आज विभिन्न जनसभाओं में पार्टी उम्मीदवारों को समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे थे। भाजपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने दावा किया कि ये लोग बड़ी उल्टी सीधी बातें कर रहे थे कि 3 सीट फंस गईं। नतीजे देख लेना नई दिल्ली, कालकाजी और जंगपुरा तीनों सीटें ऐतिहासिक मार्जिन से आआपा जीतने जा रही है। आगे उन्होंने दिल्ली की जनता से अपील करते हुए कहा कि सिर्फ झाड़ू का बटन दबाएं और आआपा की नई सरकार में 35 हजार रुपये तक की बचत करें। केजरीवाल ने कहा कि सरकार बनने के बाद हम पहला काम महिलाओं के खाते में 2100 रुपये डालने और बुजुर्गों का मुफ्त इलाज कराने का करेंगे। जैसे हमारी सरकार ने मुफ्त बिजली-पानी, शिक्षा, इलाज और महिलाओं की बस यात्रा की सुविधाएं दी हैं, वैसे ही अपनी माताओं-बहनों को 2100 रुपये भी देने का वादा पूरा करेंगे। लेकिन अगर भाजपा आ गई तो ये मुफ्त मिल रही सारी सुविधाएं बंद कर देंगे और हर परिवार को 25 हजार रुपये महीने की चपत लगेगी। अरविंद केजरीवाल ने ये बातें छतरपुर में ब्रह्म सिंह तंवर के लिए जनसभा और कालकाजी से प्रत्याशी व दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के समर्थन में रोड शो के दौरान कही।

अगर कमल का बटन दबाएं तो ये घर की बिजली गुल कर देंगे अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पांच फरवरी को झाड़ू पर वोट डालना है। जनता ने उन्हें 10 साल पहले दिल्ली की जिम्मेदारी दी थी। हमारी सरकार ने दिल्ली में बहुत सारे काम किए। हमने दिल्ली में 24 घंटे बिजली कर दी है। इन्वर्टर और जनरेटर की जरूरत नहीं पड़ती है। भाजपा की 20 राज्यों में सरकार है लेकिन इनमें से एक भी राज्य में 24 घंटे बिजली नहीं आती है।

दिल्ली विस चुनाव : थम...

मतदान से 48 घंटे पहले बंद होता है प्रचार : दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार, मतदान सप्ताह के निर्धारित समय से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार बंद करना होता है। इसलिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। इसके बाद राजनीतिक दल और उम्मीदवार कोई चुनावी सभा, रैली, रोड शो, पदयात्रा आदि नहीं कर सकेंगे। ऑडियो वीडियो के जरिए भी चुनाव प्रचार नहीं किया जा सकेगा। बिना किसी शोर-शराबे के उम्मीदवार घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर समर्थन जुटा सकेंगे और वोट की अपील कर सकेंगे।

20 जनवरी से चल रहा था चुनाव प्रचार : बता दें कि, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 20 जनवरी से चुनाव प्रचार चल रहा था। तब से ही प्रत्याशी सुबह से शाम तक प्रचार में जुटे रहे। कहीं चुनावी सभाएं कीं, तो कहीं घर-घर जाकर प्रचार किया। इस दौरान उनके समर्थकों ने विरोधी प्रत्याशी के ऐसे प्रभावशाली कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर ली है, जिनका मतदाताओं पर अच्छा खासा प्रभाव है।

राष्ट्रपति की गरिमा...

बीजेपी सांसदों ने पप्पू यादव पर लगाया गंभीर आरोप : लोकसभा अध्यक्ष को दिए आवेदन में बीजेपी सांसदों ने लिखा, पप्पू यादव ने हाल ही में अपमानजनक, महिला और आदिवासी विरोधी बयान दिया था, जिससे हम अत्यंत निराश और मर्माहत हैं। उनके बयान से भारत की माननीय राष्ट्रपति की गरिमा को अत्यंत ठेस पहुंची है। बीजेपी सांसदों ने आगे लिखा, स्वतंत्र भारत में चाहे कोई भी पार्टी की सरकार हो, राष्ट्रपति का पद पक्षपातपूर्ण और सस्ती राजनीति से परे होता है। बीजेपी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से सांसद पप्पू यादव के खिलाफ कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत उचित कार्रवाई करने की मांग की।

पप्पू यादव ने राष्ट्रपति पर क्या दिया था बयान : पप्पू यादव ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर टिप्पणी करते हुए कहा था, राष्ट्रपति सिर्फ एक स्टंप हैं। उन्हें सिर्फ लव लेटर पढ़ना है। बीजेपी ने पप्पू यादव के इस बयान की निंदा की और उसे अपमानजनक बताया। बीजेपी सांसदों ने कहा, "ऐसे बयान न केवल अनुचित हैं, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा और हमारी सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था की पवित्रता पर सीधा हमला है।"

सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के खिलाफ क्या टिप्पणी की थी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के तुरंत बाद सोनिया गांधी ने टिप्पणी की थी और कहा था, पुअर लेडी, वे बहुत थक गई थीं। बेचारी मुश्किल में बोल पा रही थीं।

आम आदमी पार्टी...

दिल्लीवाले आप-दा सरकार को 8 फरवरी को झाड़ू लगाकर बाहर फेंकने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि वे यमुनाजी के पानी को साफ करेंगे। केजरीवाल ने तो यमुनाजी को स्वच्छ नहीं किया, लेकिन दिल्ली में भाजपा की सरकार बना दीजिए, तीन साल में हम यमुना रिवर फ्रंट बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी वाले कह रहे हैं कि भाजपा आएगी तो सारी गरीब कल्याण की योजनाएं बंद हो जाएंगी, जबकि मोदी ने वादा किया है कि गरीब कल्याण की एक भी योजना बंद नहीं होगी। इसके अलावा दिल्ली की हर गरीब महिला को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देगी और होली व दीपावली पर दो सिलेंडर मुफ्त दिये जाएंगे। 10 लाख तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा और हर झुग्गी-झोपड़ी को मालिकाना हक देने का काम किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाएंगे। केजरीवाल, राहुल बाबा, अखिलेश, ममता इन सभी ने विरोध किया और कहा कि अनुच्छेद 370 हटाओगे तो कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। खून की नदियां छोड़ो किसी की पत्थर चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है, जो कहती है वो करती है। मोदी की गारंटी मतलब पत्थर पर खींची लकीर। 2014 में भाजपा ने वादा किया था कि हम इस देश से आतंकवाद को समाप्त कर देंगे। 10 साल के अंदर इस देश से आतंकवाद को समाप्त करने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। 31 मार्च, 2026 तक हम इस देश से नक्सलवाद को भी समाप्त कर देंगे।

अयोध्या में युवती की हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या । अयोध्या में दलित युवती की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि हरी राम कोरी, विजय साहू व दिग्विजय सिंह को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि युवती की हत्या तीनों आरोपियों ने शराब के नशे में की थी। गांव के ही एक स्कूल में हत्या हुई थी। हत्या कर नाले के पास शव फेंक दिया था। पुलिस तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेगी। बता दें कि अयोध्या में एक युवती का नग्न अवस्था में शव मिला था। घटना सहनवा गांव की थी। जहां हैवानों ने दलित युवती के साथ दरिंदगी की। 30 जनवरी की रात 22 साल की युवती भागवत देखने गई थी। जहां रात करीब 11 बजे तक युवती घर नहीं आई। परिजनों ने जब खोज की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह नाले के पास युवती का अर्धनग्न हाल में शव मिला। वहीं, पास में खून से लथपथ कपड़े मिले। युवती की बेरहमी से हत्या की गई थी। उसका हाथ-पैर टूटा हुआ था। साथ ही आंखे भी फोड़ दी गई थीं। इस हत्याकांड पर अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने एक प्रेसवार्ता की थी। जिसमें वे फफक-फफक कर रोए। काफी देर तक सांसद रोते रहे। उन्होंने न्याय न मिलने पर लोकसभा से इस्तीफा देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि मामले को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखूंगा और न्याय न मिलने पर इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने कहा कि देश की बहुचर्चित निर्भया कांड से भी बेदर्दी से बेटी की हत्या की गई है। सांसद ने कहा कि दलित बेटी के साथ अत्याचार की पराकाष्ठा पार कर दी गई है। घटना को बयां करते हुए शर्म आ रही है।

रैगिंग : टॉयलेट सीट चटवाई और फ्लश चलाकर डुबोया सिर, छात्र ने दे दी जान

कोच्चि। केरल में एक स्कूली छात्र रैगिंग का शिकार हो गया। आरोप है कि सीनियर छात्रों ने टॉयलेट सीट चटवाई और फ्लश चलाकर सिर डुबोया। इससे आहत हुए छात्र ने 26वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। ये दावा मृतक 14 वर्षीय मिहिर अहमद की मां ने किया है। छात्र की मां का कहना है कि उनके बेटे से टॉइलट सीट को चटवाया, फ्लश ऑन करके सिर अंदर धकेला। शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) जांच कर रही है। मिहिर ने 15 जनवरी को आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि छात्र रैगिंग के बाद वह तनाव में था। सीएमओ और राज्य पुलिस प्रमुख को दी गई अपनी शिकायत में, मिहिर की मां राजना पीएम ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा मिहिर कक्षा 9 का छात्र था। उसने नवंबर 2024 में जीईएमएस मॉडर्न एकेडमी में दाखिला लिया था। उसके साथ स्कूल और स्कूल बस में बदसलूकी की गई। कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की गई, उसे जबरन वॉशरूम ले जाया गया और उसके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया।

सांसद मनोज भारती के प्रतिनिधि ने विधायक संगीता देवी को चरित्रहीन कह दिया

सासाराम । कैमूर जिले के कुदरा में सासाराम सांसद मनोज भारती पर हुए हमले के बाद बिहार की राजनीति शुरु हो गई है। हमले के बाद विपक्षी दल सरकार पर निशाना साध रहे हैं। साथ ही, स्थानीय लोग और बीजेपी नेता भी सांसद भारती पर कई गंभीर आरोप लगा रहे हैं।मामले में एक नया मोड़ तब आया जब सांसद प्रतिनिधि हीराराम ने मोहनिया विधायक संगीता देवी पर अपमानजनक टिप्पणी की। जिससे मामला और भी पेचीदा हो गया है। हीराराम ने प्रेसवार्ता में मोहनिया विधायक संगीता को चरित्रहीन तक कह दिया। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वे मामले को जरूरत से ज्यादा तूल दे रही है। उन्होंने कहा कि यह एक स्थानीय विवाद है, इस बीजेपी जातिगत रंग दे रही है। हीराराम ने बताया कि सांसद भारती ने संगीता को चुनाव जिताने में बहुत मेहनत की थी। वे दोनों साथ खाना भी खाते थे। लेकिन आज वहीं संगीता देवी, सांसद पर धर्मांतरण जैसे गंभीर आरोप लगा रही हैं। हीराराम ने कहा, उन्हें शर्म आनी चाहिए। हीराराम ने संगीता देवी पर व्यक्तिगत हमला किया। उन्होंने कहा कि संगीता देवी के पिता, जो एक राष्ट्रीय स्तर के कवि और साहित्यकार हैं, उनकी चरित्रहीनता से तीन साल तक नाराज रहे। हीराराम ने कहा कि संगीता देवी के व्यवहार से उनके पिता भी शर्मिंदा थे। हालाँकि, बाद में हीराराम ने माना कि उन्हें इस तरह की बातें नहीं कहनी चाहिए थीं। लेकिन संगीता देवी के बयानों के कारण उन्हें ऐसा कहना पड़ा।

मणिपुर हिंसा में सीएम बीरेन के कथित लीक ऑडियो टेप मामले की हुई सुनवाई

-सीएम पर हिंसा भड़काने का है आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने मांगी फोरेंसिक रिपोर्ट

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह के कथित लीक ऑडियो टेप पर सीएफएसएल से सरकारी फोरेंसिक लैब रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि सीएम बीरेन सिंह पर कुकी जनजाति के एक याचिकाकर्ता ने मणिपुर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। कथित तौर पर ऑडियो में मणिपुर सीएम बीरेन सिंह के बयानों को रिकॉर्ड किया गया था, जिसमें राज्य की जातीय हिंसा में उनकी संलिप्तता का संकेत दिया था। सीएफएसएल रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में पेश किया जाना है। भारत के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कुकी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट द्वारा दायर एक रिट याचिका पर यह आदेश दिया, जिसमें ऑडियो टेप की स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च तक के लिए टाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की शुरुआत में न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार ने पूछा कि क्या उन्हें सुनवाई से अलग हो जाना चाहिए, क्योंकि मणिपुर के सीएम द्वारा आयोजित रात्रिभोज में वे शामिल हुए थे, जब उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि न्यायमूर्ति कुमार को खुद को अलग करने की जरुरी नहीं है।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान, डीके ने खेला खेल

-सरकार और पार्टी में महत्व नहीं मिलने से सीएम के करीबी ने दिया इस्तीफा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बड़ा खेल कर दिया है। अब सवाल उठने लगे हैं कि सीएम सिद्दारमैया कितने दिनों तक सीएम की कुर्सी पर रह पाएंगे? पूरे देश में कांग्रेस की मात्र तीन राज्यों में सरकार है। उसमें सबसे बड़ा कर्नाटक है यहां 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद से ही सीएम की कुर्सी को लेकर झगड़ा चल रहा है।

सीएम सिद्दारमैया और डीके शिवकुमार के बीच लड़ाई किसी से छिपी नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद राज्य में सत्ता के बंटवारे का फॉर्मूला तय हुआ था। डीके शिवकुमार खेमा दावा करता है कि ढाई-ढाई साल के रोटेशनल सीएम का फॉर्मूला तय किया गया था। इस कारण बीते कुछ दिनों से डीके शिवकुमार खेमा बार-बार सीएम की कुर्सी पर अपना दावा कर रहा है।

इस बीच सीएम सिद्दारमैया के राजनीतिक सलाहकार और वरिष्ठ नेता बीआर पाटिल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे राज्य कांग्रेस के बीच जारी तकरार फिर सामने आई है। पाटिल को सीएम सिद्दारमैया खेमा का नेता माना जाता है। वह उनके खास करीबी हैं, लेकिन राज्य में कांग्रेस के कई खेमों में बंटे होने की वजह से उनके लिए कैबिनेट में जगह नहीं बन सकी है। पिछले माह ही सिद्दारमैया खेमे के नेताओं ने एक डिनर पार्टी रखी थी। इसके बाद यह ताजा राजनीतिक संकट पैदा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों का दावा है कि पाटिल का इस्तीफा सीधे तौर पर सिद्दारमैया और डीके शिवकुमार के बीच टकराव का नतीजा नहीं है। पाटिल कलाबुरगी जिले के अलांद से चार बार के विधायक हैं। उन्होंने सरकार और पार्टी में उचित महत्व नहीं मिलने के कारण इस्तीफा दिया है। इस क्षेत्र में डीके का कुछ खास प्रभाव नहीं है। कलाबुरगी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का क्षेत्र है। यहीं से खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे उनकी राजनीतिक विरासत संभाल रहे हैं, लेकिन पाटिल और प्रियांग खड़गे का रिश्ते अच्छे नहीं है। यही कारण है कि एक वरिष्ठ नेता होने के बावजूद सिद्दारमैया सरकार में पाटिल को जगह नहीं मिली है।

सूत्रों का कहना है कि पाटिल सरकार और प्रशासन में अपनी सीमित भूमिका की वजह से नाखुश थे। सीएम सिद्दारमैया भी उनके कोई खास राजनीतिक सलाह मशविरा नहीं कर रहे थे। अब पाटिल के इस्तीफे के बाद कर्नाटक कांग्रेस में तकरार सामने आ गई है। ऐसे में देखना होगा कि पहले ही तकरार और खेमाबंदी की शिकार पार्टी आगे क्या फैसला लेती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कोई भी कानून बनाना और उसे खत्म करना संसद का काम

-दहेज उत्पीड़न कानून खत्म करने की याचिका कोर्ट ने दो मिनट में की खारिज

नई दिल्ली । महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने वाला कानून कई बार पुरुषों के उत्पीड़न की वजह बन जाता है। इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसे कोर्ट ने दो मिनट में ही खारिज कर दिया। इस अर्जी में दहेज उत्पीड़न कानून के कुछ प्रावधानों की संवैधानिकता पर सवाल उठाए गए थे। इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी चंद्रन की युगलपीठ ने कहा कि आप इस मामले में संसद के पास जाएं। कोई भी कानून बनाना और उसे खत्म करना संसद का काम है। इस याचिका को दाखिल करने वाले रूपसी सिंह ने कहा कि एक्ट के सेक्शन 2,3 और 4 को खत्म करना चाहिए। इस ऐक्ट का सेक्शन 2 दहेज की परिभाषा बताता है। सेक्शन 3 कैसे दहेज लेने और देने के मामलों में सजा दी जा सकती है और यह क्या हो सकती है। वहीं सेक्शन 4 में दहेज की मांग पर सजा की बात कही गई है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि इस कानून के कुछ प्रावधान अवैध हैं और उन्हें खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जनता की भावना है, जिसे उठाते हुए मैंने अर्जी दाखिल की है। कोर्ट इन दलीलों से सहमत नहीं हुई और 2 मिनट में अर्जी पर सुनवाई से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि याचिका डिसमिस है। आप संसद से यह बात करें। बता दें बेंगलुरु में रहने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष ने घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के मुकदमे से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने अपनी खुदकुशी से पहले एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने दहेज उत्पीड़न कानून पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि आखिर मेरी इतनी सैलरी है तो मैं क्यों दहेज लूंगा। इसके अलावा भी कई ऐसे मामले हैं, जिन्हें लेकर सवाल उठाए गए हैं।

भारत लाखों अवैध प्रवासियों को नहीं रख सकता : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश में लाखों की संख्या में अवैध प्रवासी नहीं रह सकते। इसके साथ उन्होंने युवाओं से राष्ट्र विरोधी बयानों को समाप्त करने की अपील की। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने संसद में बार-बार होने वाले व्यवधान पर भी चिंता जाहिर की। एक कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा कि युवाओं को अस्तित्व संबंधी चुनौतियों के बारे में चिंतित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमारे देश में लाखों अवैध प्रवासी नहीं रह सकते... हम अपनी चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित नहीं होने दे सकते। ये चीजें आपके लिए मायने रखती हैं क्योंकि ये ऐसी चुनौतियां हैं जिनका आपको सामूहिक रूप से जवाब देना होगा। उपराष्ट्रपति ने इस पर चिंता जाहिर कि कुछ लोग और संस्थाएं देश की विकास यात्रा से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश में सनसनी फैलाने और कहानी गढ़ने चलन चल रहा है।

उन्होंने कहा, ''कहानियों में भारतीयता को भूल जाते हैं, राष्ट्रवाद को भूल जाते हैं और राष्ट्रहित को भी भुलाया जाता है। सभापति धनखड़ ने युवाओं से अपील कर कहा कि इन राष्ट्र-विरोधी कहानियों को समाप्त करने तथा भारत विरोधी ताकतों को हराने की शक्ति उनके हाथ में है। 'इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' (आईसीएआई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसा दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी होगा।

वक्फ संशोधन बिल पर औवेसी का चौंकाने वाला खुलासा मेरी जानकारी के बिना मेरे असहमति नोट के कुछ हिस्से हटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट पेश होने के साथ ही संसद की कार्यवाही फिर से शुरू हो गई। हालांकि, सुबह 11 बजे संसद की कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष ने महाकुंभ भगदड़ पर चर्चा की मांग उठा दी। इस मांग को लेकर जमकर हंगामा देखने को मिला। इस बीच राज्यसभा से विपक्ष ने वॉकआउट किया। ऐसी चर्चा है कि लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट पेश होगी। इसके पहले वक्फ संशोधन बिल को लेकर एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल पर मेरे असहमति नोट के कुछ हिस्से बिना मेरी जानकारी के हटाए गए।

ओवैसी ने पोस्ट में दावा किया कि उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने वक्फ विधेयक के खिलाफ जेपीसी को एक विस्तृत असहमति नोट सौंपा था। यह चौंकाने वाली बात है कि मेरे नोट के कुछ हिस्सों को मेरी जानकारी के बिना हटा दिए गए। हटाए गए अनुभाग विवादास्पद नहीं थे, उन्होंने केवल तथ्य बताए थे।

दरअसल, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, शिवसेना (यूबीटी) और एआईएमआईएम के विपक्षी सदस्यों की ओर से असहमति नोट पेश हुए थे। इसमें विधेयक को मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक अधिकारों पर हमला बताया गया। ओवैसी ने दावा किया कि उनके असहमति नोट के कुछ हिस्सों को हटाया गया। यह चौंकाने वाला है कि मेरे नोट के कुछ हिस्सों को मेरी जानकारी के बिना हटाया गया। हटाए गए हिस्से किसी भी तरह से विवादित नहीं थे, उसमें केवल मेरे द्वारा फैक्ट बताए गए थे।

जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल और पैनल के सदस्य संजय जायसवाल की ओर से लोकसभा में पैनल के समक्ष रिपोर्ट और साक्ष्यों का रिकॉर्ड पेश करने की संभावना है। संसद की कार्यवाही सोमवार को जैसे शुरू हुई, जमकर हंगामा देखने को मिला। वहीं वक्फ विधेयक पर जेपीसी की पूरी चर्चा प्रक्रिया के दौरान बीजेपी और विपक्षी सदस्यों के बीच झड़प के मामले सामने आए।

विपक्ष का मानना है कि वक्फ संशोधन बिल के द्वारा वक्फ बोर्ड की शक्तियों को कम करने और सरकार का नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश हो रही है। विपक्ष का कहना है कि इससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक आजादी पर असर पड़ेगा। वक्फ बोर्ड मुस्लिम समुदाय की धार्मिक संपत्तियों का प्रबंधन करता है। इस बिल से वक्फ संपत्तियों के इस्तेमाल और उनके प्रबंधन में बदलाव हो सकते हैं। इससे मुस्लिम समुदाय में चिंता है।

वहीं मोदी सरकार का कहना है कि इस बिल से वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन होगा। इससे इन संपत्तियों का इस्तेमाल सामुदायिक विकास में हो सकेगा। लेकिन विपक्ष को सरकार की इस दलील पर यकीन नहीं है। इसलिए संसद में इस बिल पर जबरदस्त बहस होने की उम्मीद है।

तेलंगाना में लगभग आधी आबादी पिछड़े वर्ग की, जातिगत सर्वे में हुआ खुलासा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में हुए जातिगत सर्वेक्षण में बड़ा खुलासा हुआ है। यहां की लगभग आधी आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग की है। सर्वेक्षण करने वाले राज्य योजना विभाग ने रविवार को राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति को अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

यहां मुस्लिम अल्पसंख्यकों को छोड़कर अन्य पिछड़े वर्ग की आबादी 46.25 प्रतिशत है जो राज्य की कुल 3.70 करोड़ जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा है। राज्य में जातिगत आधार पर कराए गए सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली है। जनसंख्या के प्रतिशत के संदर्भ में पिछड़ी जातियों के बाद एससी 17.43 प्रतिशत, एसटी 10.45 प्रतिशत, मुसलमानों में पिछड़े वर्ग 10.08 प्रतिशत, अन्य जातियां 13.31प्रतिशत और मुसलमानों में पिछड़ी जातियां 2.48 प्रतिशत हैं।

सर्वेक्षण करने वाले राज्य योजना विभाग ने रविवार को राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट 4 फरवरी को राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जाएगी। उसी दिन इसे बहस के लिए तेलंगाना विधानसभा के विशेष सत्र में रखा जाएगा।सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी सामाजिक-आर्थिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण पर कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने सर्वेक्षण का विवरण देते हुए कहा कि रिपोर्ट पर चर्चा के लिए मंगलवार को एक विशेष विधानसभा सत्र आयोजित किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण में 1.12 करोड़ घरों के 3,54,77,554 (3.5 करोड़) लोगों ने भाग लिया। लगभग 3.1 प्रतिशत आबादी ने विभिन्न कारणों से सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया और सर्वेक्षण संकलन में उन्हें शामिल नहीं किया गया। पिछड़ी जातियों के बाद, अनुसूचित जाति (एससी) की आबादी 17.43 प्रतिशत (61.84 लाख) के साथ दूसरा सबसे बड़ा समूह है, उसके बाद अनुसूचित जनजाति (एसटी) की आबादी 10.45 प्रतिशत (37.59 लाख) है। अगड़ी जातियां (अल्पसंख्यकों में अगड़ी जातियों को छोड़कर) 13.31 प्रतिशत हैं। अन्य जातियों (ओसी) की कुल आबादी 15.79 प्रतिशत है, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय से 2.38 प्रतिशत ओसी आबादी (8.8 लाख) शामिल है, जिससे कुल ओसी आबादी 56.01 लाख हो जाती है। नियोजन विभाग द्वारा जाति सर्वेक्षण की प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद, रेड्डी ने कहा, यह देश में हुआ एक अभूतपूर्व और सटीक सर्वेक्षण है।

जम्मू-कश्मीर में कैंसर को लेकर सतर्क हुए लोग, प्रथम स्टेज में ही आ रहे इलाज करवाने

जम्मू (एजेंसी)। कैंसर की जांच को लेकर विशेषज्ञ और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ने के साथ मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। अब प्रथम स्टेज पर ही अस्पताल में इलाज करवाने के लिए आने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। जम्मू-कश्मीर में हर वर्ष औसतन 12 से 13 हजार कैंसर के नए मरीज आ रहे हैं। इसमें 20 प्रतिशत वे हैं जो अब पहली ही स्टेज पर इलाज के लिए अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2019 में 12,396 मरीज आए थे। इसके बाद वर्ष 2020 में 12,726, वर्ष 2021 में 13,060, वर्ष 2022 में 13,395 मरीज आए। वर्ष 2023 और वर्ष 2024 में भी 13-13 हजार से अधिक मरीजों ने इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में अपना पंजीकरण करवाया। वर्ष 2024 में शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस में 5200, जीएमसी जम्मू में करीब 1700, जीएमसी अनतंनाग में 500, जीएमसी बारामुला में 100, जीएमसी कठुआ में 80 मरीजों ने पंजीकरण करवाया। अमेरिकन आनकालोजी जम्मू में भी दो हजार के करीब मरीज इलाज के लिए आए। आंकड़ों के अनुसार पुरुषों में हेड और नेक, फेफड़ों के कैंसर के सबसे अधिक मामले आ रहे हैं। वहीं महिलाओं में स्तन और सर्विकल कैंसर के मामले प्रमुख हैं। कैंसर के प्रमुख कारणों में अधिक वजन होना, सिगरेट, शराब व अन्य तंबाकू पदार्थों का सेवन होना, अस्वस्थ आहार खाना हैं। पर्यावरणीय कारण भी कैंसर के लिए जिम्मेदार हैं।

पहले सिर्फ जीएमसी जम्मू, श्रीनगर और स्किम्स में इलाज की सुविधा थी लेकिन अब राजौरी, कठुआ, डोडा, उधमपुर, बारामुला, अनतंनाग और हंदवाड़ा में भी मेडिकल कॉलेज खुले हैं। इन कॉलेजों में न सिर्फ कैंसर विशेषज्ञ हैं, बल्कि ईएनटी, सर्जरी, गैस्ट्रो, स्त्री रोग विशेषज्ञ भी हैं।

संदेह होने पर यह मरीजों की जांच करवाते हैं और समय पर मरीज अस्पतालों में इलाज के लिए आना शुरू हो गए हैं। 20 प्रतिशत के करीब मरीज पहली स्टेज पर ही इलाज करवाने के लिए आ रहे हैं। आनकॉलोजी विभाग के प्रमुख डॉ.जावेद मुजमिल के मुताबिक हर वर्ष उनके विभाग में एक हजार से अधिक नए मरीज आते हैं। कश्मीर में शीर्ष पांच सबसे प्रचलित कैंसर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर, फेफड़े का कैंसर, स्तन कैंसर, कोलन कैंसर और ओवरी कैंसर हैं।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में अधिक नमकीन और तले खाद्य पदार्थ खाते हैं जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के लिए प्रमुख जोखिम कारण हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों में अत्यधिक धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है। वहीं कैंसर संस्थान जम्मू के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार का कहना है कि बीते वर्ष इंडोर विभाग में कुल 5964 मरीज इलाज के लिए आए।

हर महीने औसतन चार से पांच सौ मरीज आए। 4928 कीमोथैरपी हुई।

कौन हैं बिहार में शराबबंदी लाने वाले पहले व्यक्ति, जिनकी जयंती पर पहुंच रहे राहुल

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 फरवरी को बिहार पहुंच रहे हैं। वे पटना में दिवंगत नेता जगलाल चौधरी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। यह राहुल गांधी का 18 दिनों में दूसरा बिहार दौरा होगा। इससे पहले 18 जनवरी को वे पटना आए थे और संविधान सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। उस दौरान उन्होंने लालू यादव और उनके परिवार से भी मुलाकात की थी। इस दौरान वे 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चा होगी। कांग्रेस दलित और पिछड़े वर्ग के वोटरों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

कांग्रेस पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी दलित और पिछड़े वर्ग के वोटरों को लुभाने पर जोर दे रही है। पिछले दिनों पटना में राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान सुरक्षा सम्मेलन का आयोजन हुआ था। इस सम्मेलन में राज्य भर से दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग के लोग शामिल हुए थे। अब पार्टी दलित नेता चौधरी की जयंती पर बड़ा आयोजन करने जा रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस दलित वोट बैंक को साधने की कोशिश में है।

दरअसल चौधरी सारण जिले के निवासी थे। उनका जन्म 5 फरवरी 1895 को हुआ था। वे एक स्वतंत्रता सेनानी और दलित चिंतक थे। महात्मा गांधी से प्रेरित होकर पढ़ाई छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए। इस दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा। वे बिहार कांग्रेस कमिटी के सदस्य भी रहे और बिहार सरकार में मंत्री भी बने। 9 मई 1975 को उनका निधन हो गया। कांग्रेस उनके योगदान को याद करते हुए उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में चौधरी की जयंती पर कांग्रेस कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में बिहार कांग्रेस के सभी बड़े नेता मौजूद रहने वाले है। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी के भाषण पर सबकी निगाहें होंगी। उनके भाषण से कांग्रेस की चुनावी रणनीति के बारे में और जानकारी मिल सकती है। ये दौरा 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

बात दें कि बिहार में शराबबंदी की कोशिश करने वाले जगलाल चौधरी पहले व्यक्ति थे। उन्होंने 20 जुलाई 1937 को आबकारी और लोक स्वास्थ्य मंत्री का पद संभाला। उनका कार्यकाल छोटा था, लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण फैसले लेकर सुर्खियों में रहे। 6 अप्रैल 1938 को उन्होंने सारण, मुजफ्फरपुर, हजारीबाग, धनबाद और रांची में शराबबंदी लागू कर दी। जगलाल चौधरी संयुक्त

बिहार में शराबबंदी लाने वाले पहले व्यक्ति थे। उनका कार्यकाल छोटा पर यादगार रहा। 6 अप्रैल 1938 को उन्होंने कुछ जिलों में शराबबंदी लागू की। यह एक बड़ा कदम था। उनके इस कदम को लोग आज भी याद करते हैं।

ये पांच खिलाड़ी हैं टीम इंडिया के सिक्सर किंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया ने इंग्लैंड को पांचवें टी20 मुकाबले में 150 रन से धो दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने 5 मैचों की सीरीज को 4-1 से अपने नाम किया। सीरीज के आखिरी मुकाबले में स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को जमकर धोया। अभिषेक ने इस मुकाबले में 54 गेंदों पर 135 रन की पारी खेल। ये टी20 क्रिकेट के इतिहास में किसी भी भारतीय बल्लेबाज के द्वारा खेली गई सबसे बड़ी पारी थी। इस पारी में अभिषेक के बल्ले से कुल 13 छक्के आए, जो कि एक रिकॉर्ड है। एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में अब अभिषेक शर्मा टॉप पर पहुंच चुके हैं। इस लिस्ट के बाकी टॉप खिलाड़ी यह हैं।

अभिषेक शर्मा बने नए नंबर 1

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में 13 छक्के लगाते ही अभिषेक शर्मा भारत की ओर से एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। अभिषेक ने इस सीरीज के अंतिम मुकाबले में 135 रन की पारी खेली, जिसमें 13 छक्कों के अलावा 7 चौके भी शामिल रहे। अभिषेक ने इस मामले में रोहित शर्मा के 8 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा है।

हिटमैन रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कैप्टन रोहित शर्मा इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। रोहित ने साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ एक टी20 मुकाबले में एक ही पारी में कुल 10 छक्के लगाए थे। रोहित के बल्ले से इस मैच में 43 गेंदों पर 118 रन आए थे। रोहित की ये पारी टी20 क्रिकेट के सबसे तेज शतक वाली पारी थी। रोहित ने इस मैच में मात्र 35 गेंदों पर अपना शतक बना लिया था।

सैमसन ने भी ठोके थे 10 छक्के

एक पारी में 10 छक्के लगाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के अलावा संजू सैमसन के पास भी है। नवंबर 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक टी20 मुकाबले में सैमसन ने एक ही पारी में 10 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 107 रन बनाए थे। उन्होंने इस पारी में सिर्फ 50 गेंद खेली थीं। सैमसन ने साल 2024 में कुल 3 शतक लगाए थे।

तिलक वर्मा भी कर चुके कमाल

रोहित और सैमसन की ही तरह एक पारी में 10 छक्के लगाने का रिकॉर्ड टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा के नाम पर भी है। तिलक वर्मा ने भी सैमसन की तरह साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही एक पारी में 10 छक्के लगाए थे। तिलक ने इस पारी में 47 गेंदों का सामने करते हुए 120 रन बनाए थे। इस पारी में उन्होंने 10 छक्के के अलावा 9 चौके भी लगाए थे।

लिस्ट में 5वां नंबर सूर्या का

एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम 5वें नंबर पर है। सूर्या ने 2023 में श्रीलंका के खिलाफ एक पारी में 9 छक्के लगाए थे। इस मैच में उनके बल्ले से 51 गेंदों पर नाबाद 112 रन की पारी आई थी। सूर्या ने 9 छक्कों के अलावा इस मुकाबले में 7 चौके भी मारे थे।

युवी पाजी हमेशा कहते थे, 'एक दिन तुम भारत के लिए खेलोगे और मैच जीताओगे' : अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में पांचवें टी20 मैच में इंग्लैंड पर भारत की 150 रनों की शानदार जीत के नायक बनने के बाद अभिषेक शर्मा ने कहा कि पूर्व सफेद गेंद के महान खिलाड़ी युवराज सिंह से राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का विश्वास उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा।

वानखेड़े स्टेडियम में अभिषेक ने 54 गेंदों पर 135 रनों की पारी खेली, जो पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने 228.57 के स्ट्राइक-रेट से सात चौके और 13 छक्के लगाकर अपने स्ट्रोकप्ले में निर्दयी प्रदर्शन किया, जिससे भारत ने 247/9 का स्कोर बनाया। अभिषेक ने एक कैच लिया और अपनी बाएं हाथ की स्पिन से दो विकेट चटकाए जिससे भारत ने इंग्लैंड को सिर्फ 97 रनों पर आउट कर दिया और 4-1 के स्कोर के साथ सीरीज जीत ली। अभिषेक ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर, इस बात को लेकर कई बार संदेह होता है कि क्या आप कभी अपने देश का प्रतिनिधित्व कर पाएंगे। लेकिन युवी पाजी (युवराज सिंह) ने हमेशा मुझ पर विश्वास किया है। वह कहते थे, एक दिन, तुम भारत के लिए खेलोगे और मैच जीताओगे, इसलिए मैं तुम्हें इसके लिए तैयार कर रहा हूं। इसी विश्वास ने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि यह उनके चमकने का दिन होगा। उन्होंने कहा, मैं हमेशा ऐसी पारियां खेलता हूं, और आखिरकार, ऐसा हुआ। कोच और कप्तान के समर्थन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। उन्होंने हमेशा मुझे अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया, तब भी जब मैं कुछ मैचों में असफल रहा। इसलिए जब आपके कप्तान और कोच एक युवा खिलाड़ी के तौर पर आपका समर्थन करते हैं, तो यह आपकी सबसे बड़ी प्रेरणा होती है।

अभिषेक ने शुरू से ही अपने आक्रामक दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, जब मैं अभ्यास करता हूं, तो मैं इसे मैच के इरादे से करता हूं। पंजाब के साथ (सैयद) मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान मैंने यह विश्वास विकसित किया कि अगर मैं अपने क्षेत्र में हूं, तो मैं हर दूसरी गेंद पर चौका लगा सकता हूं। ब्रायन लारा सर ने एक बार मुझसे कहा था, अगर आप अभ्यास में 100 छक्के लगाते हैं लेकिन मैच में अपना विकेट खोते रहते हैं, तो इसका कोई फायदा नहीं है। यह सलाह मेरे साथ बनी रही और मैं हमेशा सही इरादे से खेलने की कोशिश करता हूं। तीनों सीनियर खिलाड़ियों- स्काई, हार्दिक और अक्षर भाई- ने मुझे सलाह दी कि मैं अपना समय लूं, सही क्रिकेटिंग शॉट खेलने पर ध्यान केंद्रित करूं और अपना शतक पूरा करूं।

चैम्पियंस ट्रॉफी

भारत के मैचों के लिए शुरू हो गई टिकटों की बिक्री, सबसे सस्ता टिकट इतने का

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने घोषणा की है कि भारत के तीन ग्रुप-स्टेज चैंपियंस ट्रॉफी मैचों और दुबई में होने वाले पहले सेमीफाइनल के लिए टिकटों की बिक्री सोमवार शाम से शुरू होगी। चैंपियंस ट्रॉफी का यह संस्करण 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में आयोजित किया जाना है। भारत अपने मैच दुबई में खेलेगा।

टिकटों की कीमत श्रेष्ठ 125 (लगभग आईएनआर 2,900) से शुरू होगी और ये शाम 5.30 बजे आईएसटी से खरीदे जा सकेंगे। कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होने वाले 10 मैचों के लिए टिकटों की बिक्री पिछले सप्ताह ही शुरू हो गई थी। आईसीसी ने कहा, रविवार 9 मार्च को होने वाले बहुप्रतीक्षित फाइनल के लिए टिकट दुबई में पहले सेमीफाइनल के समापन के बाद जारी किए जाएंगे। दो सप्ताह तक चलने वाली प्रतियोगिता में शीर्ष आठ टीमें पाकिस्तान और यूएई में 19 दिनों में 15 मैच खेलेंगी। ग्रुप ए में बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। मेजबान पाकिस्तान 2017 में इंग्लैंड में आखिरी बार खिताब जीतने के बाद गत विजेता के रूप में प्रतियोगिता में प्रवेश करेगा।

विश्व कप जीतकर मालामाल हुई भारत की अंडर-19 महिला टी-20

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप का खिताब जीतने वाली भारत की अंडर-19 महिला टीम को पांच करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

बीसीसीआई ने टूर्नामेंट में भारतीय टीम के असाधारण प्रदर्शन के लिए यह पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की है। इसी के साथ टीम की मुख्य नूशिन अल खादीर के साथ-साथ उनके सहयोगी स्टाफ की भी सराहना की। बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, अंडर-19 महिला विश्वकप को बरकरार रखने के लिए हमारी लड़कियों को बधाई। उनका अजेय अभियान भारत में महिला क्रिकेट के विकास को दर्शाता है। यह ट्रॉफी हम सभी के लिए गर्व का क्षण है और मैं हर सदस्य को चमकते हुए देखकर प्रसन्न हूं।

इस अवसर पर बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, यह जीत उनके समर्पण, दृढ़ता और कौशल को दर्शाती है। यह भारत के जमीनी स्तर के क्रिकेट की ताकत और देश में महिला क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य को उजागर करती है।

पुरस्कार में मिलेंगे पांच करोड़ रुपए

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, लगातार विश्वकप जीतना उनके अनुशासन और दृढ़ता का प्रमाण है। यह जीत भारत की युवा लड़कियों की अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी। उल्लेखनीय है कि निकी प्रसाद की अगुआई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए अपने खिताब बरकरार रखा।

टी20 क्रिकेट में लगातार 250 से अधिक रन बनाना हमारा लक्ष्य : गौतम गंभीर

मुंबई (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि टीम ज्यादा जोखिम उठाकर अनुकूल परिणाम हासिल करने का अपना रवैया बरकरार रखेगी और उनका लक्ष्य टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 250 से अधिक रन बनाना है। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 श्रृंखला में ज्यादा जोखिम लेने का रवैया अपनाया जिससे उसे फायदा हुआ और उसकी टीम 4-1 से जीत हासिल करने में सफल रही।

भारत ने पुणे में खेले गए चौथे मैच में लगातार विकेट गंवाने के बावजूद अपना आक्रामक रवैया बरकरार रखा और आखिर में 9 विकेट पर 181 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया। मुंबई में पांचवें मैच में 9 विकेट पर 247 रन बनाकर भारत ने अपनी यह रणनीति कायम रखी। गंभीर ने कहा, 'हम टी20 क्रिकेट में इसी तरह से खेलना चाहते हैं। हम हार से नहीं डरना चाहते हैं। हम अधिक जोखिम अधिक इनाम वाली क्रिकेट खेलना चाहते हैं। हमारे खिलाड़ियों ने इस रवैए को अच्छी तरह से अपना लिया है।

भारतीय कोच ने कहा कि उनका लक्ष्य टी20 क्रिकेट में नियमित रूप से 250 के आसपास का स्कोर बनाना है भले ही इसके प्रयास में टीम को कुछ

अवसरों पर नुकसान भी उठाना पड़े। गंभीर ने कहा, 'हम नियमित रूप से 250-260 के स्कोर तक पहुंचने की कोशिश करना चाहते हैं। ऐसा करने की कोशिश में कुछ ऐसे मैच भी होंगे जहां हम 120-130 पर ढेर हो जाएंगे। यही टी20 क्रिकेट है।

उन्होंने कहा, 'जब तक आप अधिक जोखिम वाला क्रिकेट नहीं खेलते हैं तब तक आपको उचित इनाम भी नहीं मिलेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सही रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। हमारी टी20 टीम निस्वार्थ और निडर क्रिकेट खेलती है और मुझे लगता है कि पिछले छह महीनों में हमारे खिलाड़ियों ने लगातार ऐसा किया है।

गंभीर ने अपनी बात को और पुख्ता करने के लिए अभिषेक शर्मा की 54 गेंदों में 135 रन की शानदार पारी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 'हम अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना चाहते हैं। हमें इन खिलाड़ियों के मामले में धैर्य रखना होगा। मैंने लगातार 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों के खिलाफ इससे बेहतर टी20 शतक नहीं देखा है।

टी20 सीरीज जीतकर गरजे गंभीर, बोले- हम ऐसे ही खेलते रहेंगे

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने 5 टी20 मैचों की तूफानी सीरीज आसानी से 41 से जीत ली। वानखेड़े में भारतीय टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नजर आया। जहां बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 247 रन बना दिए तो वहीं, गेंदबाजी करते हुए विरोधी टीम को 97 रन पर ही सिमेट दिया। वानखेड़े में भारतीय टीम की पांचवें टी20 में जीत के बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर भी खुश दिखे। उन्होंने मैच के बाद साफ कहा कि हम ऐसी ही क्रिकेट खेलते रहेंगे। हम वनडे में जितना हो सके आक्रामक तरीके से खेलना चाहते हैं, दर्शकों का मनोरंजन करना चाहते हैं।

रोमांचक टाईब्रेक में गुकेश को हराकर प्रज्ञानन्दा बने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज के विजेता

विज्क आन जी (एजेंसी)। शतरंज का विम्बलडन कहे जाने वाले 87वें विज्क आन जी टाटा स्टील मास्टर्स सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट का खिताब 19 सालों बाद भारत लौटा है और यह खिताब जीता है भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें एक बेहद नाटकीय फाइनल टाईब्रेक में मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश को 2-1 से पराजित करते हुए टाटा स्टील मास्टर्स का खिताब अपने नाम कर लिया है । आज जब अंतिम राउंड में मुक़ाबला शुरू हुआ तो गुकेश और प्रज्ञानन्दा दोनों 8.5 अंको पर थे और दोनों के पास ही खिताब जीतने का मौका था । विश्व चैम्पियन डी गुकेश के सामने थे हमवतन अर्जुन एरीगैसी जिन्होने अपने खराब प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए एक राउंड पहले ही उज़्बेक्सिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक को हराया , अर्जुन नें काले मोहरो से पेट्रोफ ओपेनिंग खेली और गुकेश नें कुछ प्रयोग करते हुए अर्जुन पर दबाव बनाने की कोशिश की पर अर्जुन के गुकेश के राजा पर आक्रमण को सम्हालना मुश्किल होता गया और अर्जुन नें गुकेश को विश्व चैम्पियन बनने के बाद पहली हार का स्वाद चखा दिया । इसके बाद प्रज्ञानन्दा जिनका मुक़ाबला जर्मनी के विन्सेंट केमर से था , प्रज्ञानन्दा को सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी खिताब जीतने के लिए पर प्रज्ञानन्दा भी यह मुक़ाबला हार गए और गुकेश और प्रज्ञानन्दा दोनों 8.5 अंको पर रह गए ।

महिला प्रीमियर लीग

यूपी वॉरियर्स ने हीली की जगह चिनेले को चुना, हीथर और गार्थ आरसीबी में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी वारियर्स ने 14 फरवरी से बड़ोदरा में शुरू होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए चोटिल एलिसा हीली के स्थान पर वेस्टइंडीज की चिनेले हेनरी को अपनी टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान हीली पैर की चोट के कारण डब्ल्यूपीएल के तीसरे सत्र में नहीं खेल पाएंगी। हेनरी ने वेस्टइंडीज की तरफ से अभी तक 62 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिसे उन्होंने 473 रन बनाने के अलावा 22 विकेट भी लिए हैं। वॉरियर्स ने 30 लाख रुपए के बेस प्राइज पर उन्हें अपनी टीम से जोड़ा है।

इस बीच गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोफी डिवाइन और केट क्रॉस की जगह हीथर ग्राहम और किम गार्थ को अपनी टीम में लिया है। डिवाइन और

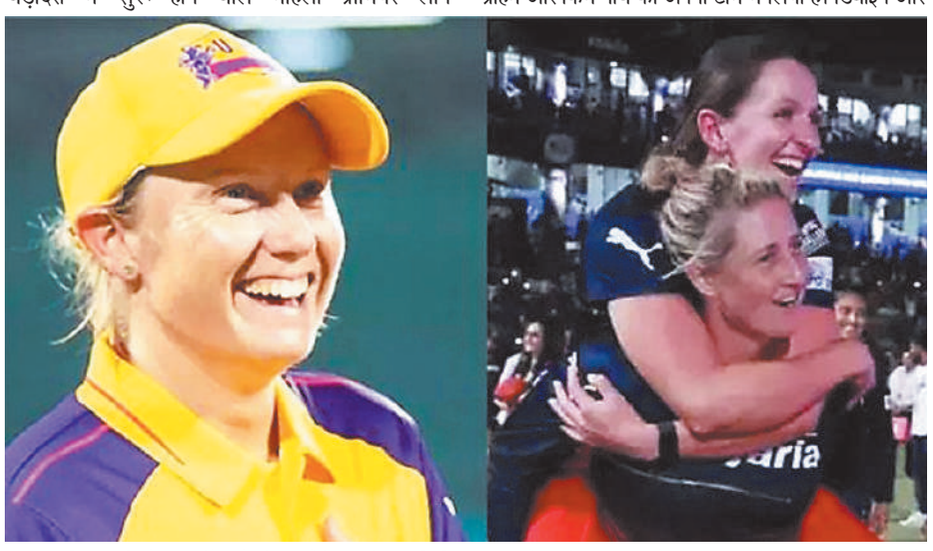

क्रॉस ने व्यक्तिगत कारणों से इस साल डब्ल्यूपीएल से हटने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड की 35 वर्षीय खिलाड़ी डिवाइन ने खेल से अनिश्चितकालीन ब्रेक लिया है। इंग्लैंड की ऑलराउंडर क्रॉस पीठ की चोट से उबर रही हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्राहम ने पांच टी20 मैच खेले हैं और आठ विकेट लिए हैं। गार्थ ने 56 वनडे और चार टेस्ट के अलावा 59 टी20 में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है। वह डब्ल्यूपीएल में पहले गुजरात जॉइंट्स की तरफ से खेल चुकी है।

अभिषेक शर्मा की पारी मैंने जितनी भी देखी है, उतनी ही बेहतरीन थी : जोस बटलर

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की 150 रन की जीत में 54 गेंदों पर 135 रन की तूफानी पारी खेलने वाले अभिषेक शर्मा की जमकर तारीफ की है और इस रिकॉर्ड पारी को 'बेहतरीन गेंद से प्रहार' का बेहतरीन उदाहरण बताया है। अभिषेक ने 37 गेंदों पर दूसरा सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया और 13 छक्के लगाए जो देश के किसी भी खिलाड़ी द्वारा एक पारी में सबसे ज्यादा है जिससे मेजबान टीम 9 विकेट पर 247 रन बनाने में सफल रही।

रविवार को भारत द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में रनों के अंतर से दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने के बाद बटलर ने मीडिया से कहा, हां, (हम) निश्चित रूप से (परिणाम से) निराश हैं, उन्होंने (भारत ने) शानदार बल्लेबाजी पारी खेली। मुझे लगता है कि अभिषेक शर्मा को इसका श्रेय जाता है, मुझे लगा कि उन्होंने अब तक जितनी भी बेहतरीन गेंद से प्रहार किया है, उतना ही बेहतरीन खेला।

बटलर ने इस बात से इनकार किया कि अभिषेक के गेंदबाजों पर हमले से इंग्लैंड 'स्तब्ध' था, लेकिन कहा कि उनकी टीम के पास केवल दो विकल्प थे - या तो धमाका करें या फिर हार जाएं। बटलर ने कहा, हम हमेशा बैठकर सोचते हैं कि हम और क्या कर सकते थे या हम उसे कैसे रोक सकते थे, लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि आपको विपक्ष को बहुत श्रेय देना होगा, मुझे लगा कि उसने शानदार प्रदर्शन किया।

बटलर ने कहा, मुझे लगता है कि 'स्तब्ध' शब्द बिल्कुल सही नहीं है। कभी-कभी यह मुश्किल हो सकता है जब कोई खिलाड़ी लय में आ जाता है और उतना ही अच्छा खेलता है जितना उसने किया। पिछले आईपीएल को देखें तो वह और ट्रैविस हेड सनराइजर्स (हैदराबाद) के लिए शीर्ष क्रम में एक जैसे थे और जाहिर तौर पर वह इसे भारत में लेकर आए हैं। उसने (अभिषेक) शानदार पारी खेली और कभी-कभी आप विपक्ष को श्रेय देना चाहते हैं। आप हमेशा सोचते हैं कि आप और क्या कर सकते हैं, हम उसे कैसे आउट कर सकते हैं, हम उसे कैसे धीमा कर सकते हैं और, लेकिन हां, हमें श्रेय जाता है, आप जानते हैं, वहां डटे रहने और वापस लड़ने और उन्हें 240 के स्कोर पर रोकने के लिए।

इंग्लैंड के कप्तान ने स्वीकार किया कि पिच उनके बल्लेबाजों के लिए वैसी ही रही क्योंकि मेहमान टीम 10.3 ओवर में 97 रन पर आउट हो गई जिसमें फिल साल्ट ने 23 गेंदों में 55 रन बनाए। उन्होंने कहा, मैंने इस तरह के कुछ खेलों में खेला है और यह आम तौर पर दो तरीकों से होता है, या तो आप वास्तव में कहीं करीब पहुंच जाते हैं या आप ढेर हो जाते हैं और आज वह दिन था। जिस तरह से फिल साल्ट वहां गए और गेंद को मारा, यह स्पष्ट रूप से एक बहुत अच्छा विकेट था, आपको उनके साथ जाने के लिए किसी और की जरूरत थी और एक या दो लोगों को आग उगलने की जरूरत थी और इसी तरह आप उसका पीछा करने जा रहे हैं। जैसा कि मैंने कहा, या तो आप इस तरह के खेलों में काफी करीब पहुंच जाते हैं और खुद को आश्चर्यचकित कर लेते हैं या यह काम नहीं करता है, हम निश्चित रूप से अपने खेलने के तरीके को नहीं बदलेंगे। आप जानते हैं, इसका समर्थन करते रहना चाहिए, और भी अधिक प्रतिबद्ध होनी चाहिए और आप अच्छा प्रदर्शन करने और इसे निष्पादित करने के लिए बेताब हैं।

बटलर ने कहा कि वह नहीं चाहेंगे कि भारत से 1-4 से सीरीज हारने के बाद इंग्लैंड अपनी खेल शैली बदले। उन्होंने कहा, वास्तव में हमने पहले और आज के खेल को छोड़कर सभी खेलों में अपने पल बिताए हैं। चेन्नई, पुणे और जाहिर तौर पर राजकोट में हमने जो मैच जीता, उसमें हमारे पल अच्छे रहे। जैसे-जैसे हम अधिक अनुभवी होते जाएंगे, जिस शैली में हम खेलना चाहते हैं और खेल की बारीकियों के प्रति अधिक प्रतिबद्ध होते जाएंगे कि हम उन पलों को कैसे जीतेंगे, तब (हम) मैच जीतेंगे और सीरीज जीतेंगे।

डॉलर के मुकाबले 67 पैसे गिरा रुपया, पहली बार 87 के पार

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 67 पैसे की गिरावट के साथ 87.29 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा, मेक्सिको और चीन पर शुल्क लगाने संबंधी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद व्यापक व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच स्थानीय मुद्रा में यह भारी गिरावट आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत तथा चीन पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया है। यह कदम विनाशकारी वैश्विक व्यापार युद्ध की ओर पहला कदम है। उन्होंने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा तेल आयातकों की ओर से डॉलर की निरंतर मांग के कारण विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती से रुपये पर दबाव जारी रहा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.00 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 67 पैसे की गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले 87.29 पर आ गया। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 86.62 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109.77 पर रहा। गिरता रुपया बढ़ाएगा संकट- डॉलर के मुकाबले रुपये के गिरने से आम आदमी भी प्रभावित होगा। खाद्य तेल और दलहन का बड़ी मात्रा में भारत आयात करता है। डॉलर महंगाई होने से तेल और दाल के लिए अधिक खर्च करने पड़ेंगे जिसका असर इनकी कीमतों पर होगा। ऐसे में इनके महंगा होने से आपके किचन का बजट बिगड़ सकता है। इसके अलावा विदेश में पढ़ाई, यात्रा, दलहन, खाद्य तेल, कच्चा तेल, कंप्यूटर, लैपटॉप, सोना, दवा, रसायन, खाद और भारी मशीन जिसका आयात किया जाता है वह महंगे हो सकते हैं।

रुपये के गिरने से इन पर भी पड़ेगा असर- डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट की वजह से दवाओं के आयात के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है,।

बजट के बाद सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

सोना 82,150 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 92,900 रुपए के करीब

नई दिल्ली ।

आम बजट पेश होने के बाद इस सप्ताह पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। पिछले महीने सोने के वायदा भाव नए रिकॉर्ड बनाये थे। इस समय सोने के वायदा भाव 82,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 404 रुपये की गिरावट के साथ 81,900 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 162 रुपये की गिरावट के साथ 82,142 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 82,284 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 81,862 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 82,600 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 515 रुपये की गिरावट के साथ 92,699 रुपये पर खुला। इस समय यह 342 रुपये की गिरावट के साथ 92,872 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 93,391 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 91,725 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है।

कॉमेक्स पर सोना 2,846.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,835 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 27.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,807.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.46 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.26 डॉलर था।

हालांकि इस समय यह 0.56 डॉलर की गिरावट के साथ 31.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जीरोबी ने भारत में वॉटर सॉफ्टनिंग सॉल्यूशंस में अपनी लीडरशिप को किया और भी मजबूत

मुंबई/इन्दौर ।

भारत की प्रसिद्ध वॉटर प्यूरीफिकेशन और सॉफ़्टनिंग सॉल्यूशंस ब्रांड, ज़ीरोबी, देश में हार्ड वॉटर की समस्या का समाधान करने में लगातार नए मानक स्थापित कर रहा है। इनोवेशन और क्वालिटी के लिए मशहूर, ज़ीरोबी लाखों घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का भरोसेमंद विकल्प बन चुका है। ज़ीरोबी ने हाल ही में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है - इसके वॉटर सॉफ़्टनर्स अब तक 3 लाख से ज़्यादा घरों तक पहुँच चुके हैं। यह उपलब्धि ज़ीरोबी के उस वादे को मजबूत करती है, जिसमें यह लोगों को हार्ड वॉटर की समस्याओं से निजात दिलाने और उनकी लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने की बात करता है। भारत के कई हिस्सों में हार्ड वॉटर, जिसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा ज़्यादा होती है, एक बड़ी समस्या है। इसके कारणत्वचा शुष्क हो जाती है, बालों को नुकसान पहुँचता है और बाथ फिटिंग्स, घरेलू उपकरणों और पाइपलाइन में खराबी आ जाती है। वॉटर सॉफ़्टनिंग टेक्नोलॉजी में मार्केट लीडर होने के नाते, ज़ीरोबी का ऑटोमैटिक वॉटर सॉफ़्टनर्स का रेंज इन सभी समस्याओं का हल करता है। साथ ही, यह सेफ्टी, एनर्जी एफिशिएंसी और उपयोग में आसानी को भी सुनिश्चित करता है।

ज़ीरोबी के वॉटर सॉफ़्टनर्स पेटेंटेड तकनीक के साथ फूड-ग्रेड रेज़िन का उपयोग करते हैं, जो इन्हें पूरी तरह सेफ और हर रोज़ इस्तेमाल के लिए परफेक्ट बनाते हैं। कंपनी के सॉल्यूशंस हर ज़रूरत को पूरा करते हैं—चाहे वह छोटे अपार्टमेंट्स के लिए हो या बड़ी कम्युनिटी के लिए वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स। ज़ीरोबी का एडवांस क्रश्ड डिपार्टमेंट लगातार नई टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है, ताकि लोगों को बेस्ट प्रोडक्ट्स मिल सकें। ज़ीरोबी के मार्केटिंग और प्रोडक्ट डेवलपमेंट हेड अभिषेक सिंह कहते हैं- ÷3 लाख से ज्यादा घरों तक पहुँचने का यह सफर हमारे कस्टमर्स के भरोसे और हमारी मेहनत का सबूत है। हम सिर्फ हार्ड वॉटर की समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं, बल्कि लोगों की जिंदगी को आसान और बेहतर बना रहे हैं। ज़ीरोबी सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि वॉटर ट्रीटमेंट में इनोवेशन और ट्रस्ट की पहचान है। हमारा उद्देश्य है ऐसे एनर्जी एफिशिएंट, सुरक्षित और उपयोग में आसान प्रोडक्ट्स बनाना, जो हर भारतीय परिवार की ज़रूरतों को पूरा करें।÷

बजट के बाद कच्चा तेल महंगा, बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

- ब्रेंट क्रूड का भाव 76.19 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव तो 76.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है तो क्रूड का भाव 73.80 डॉलर प्रति बैरल है। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपडेट कर दी हैं। हालांकि, ज्यादातर शहरों में कीमतें स्थिर हैं लेकिन कुछ जगहों पर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में ईंधन के दाम बढ़े हैं। वहीं राज्यों की बात करें तो मध्य प्रदेश में पेट्रोल 0.68 पैसे प्रति लीटर और छत्तीसगढ़ में 0.64 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। उधर, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और त्रिपुरा समेत कुछ राज्यों में कीमते कम हुई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.90 रुपये और डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.50 रुपये और डीजल 87.81

रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.58 रुपये और डीजल 92.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

लिथियम बैटरियों से जुड़े उद्योगों को कर में बड़ी छूट, सस्ते होंगे इलेक्ट्रिक वाहन

नई दिल्ली । लिथियम बैटरियों और उससे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में बड़ी कर छूट की घोषणा की है। सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी स्क्रैप, कोबाल्ट, लेड, जिंक और अन्य 12 महत्वपूर्ण खनिजों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) हटाने का फैसला किया है। इस कदम का उद्देश्य लोकल मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) व इलेक्ट्रॉनिक्स को अधिक किफायती बनाना है। ये सभी सामग्रियां बैटरी, सेमीकंडक्टर और रिन्यूएबल एनर्जी उपकरणों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा, ईवी बैटरी निर्माण में उपयोग होने वाली 35 अन्य सामग्रियों और मोबाइल फोन बैटरी निर्माण के लिए 28 जरूरी चीजों को भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इससे कंपनियां एडिशनल टैक्स चुकाए बिना आवश्यक मशीनों और उपकरणों का आयात कर सकेंगी, जिससे उत्पादन लागत कम होगी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इस फैसले से टाटा, ओला इलेक्ट्रिक और रिलायंस जैसी कंपनियों को अपने घरेलू संचालन का विस्तार करने में मदद मिलेगी। सरकार के इस कदम से ईवी बैटरियां सस्ती होने की उम्मीद है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहन अधिक किफायती हो जाएंगे और इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित होगा। साथ ही, भारत की चीन पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी उत्पादन को मजबूती मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे देश में क्लीन एनर्जी को भी बढ़ावा मिलेगा और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायता मिलेगी।

अनुसंधान और विकास को मजबूत करने के लिए 20,000 करोड़ का आवंटन

नई दिल्ली । देश के उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने बताया कि अनुसंधान को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन केंद्रीय बजट 2025-26 में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आवंटन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 20,000 करोड़ रुपये की सहायता भी शामिल है। सरकार द्वारा अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना के लिए भी ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें अगले पांच वर्षों में 50,000 ऐसे लैब्स की स्थापना की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य है युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना। इस स्वर्णिम आवंटन का लाभ निजी व सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान, कृत्रिम मेधा और भू-स्थानिक पहलों के विस्तार और नवाचार आधारित विकास को बढ़ावा देने में मिलेगा। इसके साथ ही कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना और एआई-संचालित शिक्षा में 500 करोड़ रुपये के निवेश से भविष्य के लिए कार्यबल की तैयारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस आवंटन के माध्यम से भारत को गहन प्रौद्योगिकी अनुसंधान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी और देश को वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

वैश्विक एआई क्रांति में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: नायडू

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को वित्त आयोग की बैठक से पहले आयोजित सम्मेलन में भारत की वैश्विक आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की चर्चा की। विभिन्न क्षेत्रों में एआई का इस्तेमाल करने की बात करते हुए उन्होंने विकास के माध्यम के रूप में भारत को अग्रणी बताया। नायडू ने हरित ऊर्जा के महत्व पर भी जोर दिया और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए हरित हाइड्रोजन उत्पादन को उठाने की सलाह दी। उनके द्वारा दिए गए प्रेरणादायक विचारों ने दरअसल, दावोस समारोह में भारत की मुख्य भूमिका को और भी मजबूत कर दिया है। नायडू ने आज के समय में एआई की महत्वपूर्णता को समझाया और देश के विकास में इसका प्रमुख योगदान बताया। उन्होंने आगे का मार्ग देखने के लिए कृत्रिम मेधा और हरित ऊर्जा क्षेत्र में नये उद्यमों की आवश्यकता होने की चेतावनी भी दी।

टैक्स छूट के बाद आरबीआई देगा मिडिल क्लास को तोहफा

- ईएमआई में होगी कटौती! 7 फरवरी को हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में मिडिल क्लास को बड़ी राहत दी है। अब बजट में टैक्स राहत के ऐलानों के बाद अब सभी की निगाहें 7 फरवरी पर टिकी हैं। दरअसल, आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 5 से 7 फरवरी तक चलेगी। 7 फरवरी को बैठक में लिए गए फैसलों का ऐलान होगा। बजट में टैक्स छूट के ऐलान के बाद मिडिल क्लास में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है। अगर आरबीआई एमपीसी ब्याज दरों/रेपो दर में कटौती का फैसला लेता है तो इससे मिडिल क्लास से ईएमआई का बोझ कम होगा। अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत और महंगाई में नरमी लौटने के बीच कई एक्सपर्ट्स उम्मीद जता रहे हैं कि इस बार की बैठक में आरबीआई एमपीसी ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वॉइंट की कटौती कर सकता है। बता दें कि फरवरी, 2023 से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रखा है। इस दौरान मॉनिटरी पॉलिसी की 11 मीटिंग हो चुकी हैं। सरकार ने आरबीआई को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित खुदरा महंगाई 4 फीसदी (2 फीसदी ऊपर या नीचे) पर बनी रहे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

निवेशकों को 5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के कनाडा, मेक्सिको और चीन से आयात पर टैरिफ शुल्क बढ़ाने के फैसले से भी दुनिया भर के बाजारों पर विपरीत प्रभाव पड़ा जिससे भारतीय बाजार भी नीचे आया। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

आज सुबह 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 500 अंक की गिरावट के साथ ही 77,063 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 900 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 76,756 तक गिरा और अंत में 319.22 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी की गिरावट पर बंद हुआ। इसी प्राकर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज कार निफ्टी भी आज सुबह गिरावट पर खुला पर अंत में कुछ हद तक उबरते हुए निफ्टी 121 अंक तकरीबन 0.52 फीसदी नीचे आकर 23,361 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार

रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, एचडीएफ़सी बैंक,एलएंडटी, और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसे हैवीवेट शेयरों में बिकवाली से भी बाजार गिरा। अभी भारतीय बाजार पर टैरिफ शुल्क से अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है पर डॉलर इंडेक्स के 109.6 से ऊपर पहुंचने से एफआईआई की अधिक बिकवाली शुरू हो जाएगी। इससे बाजार दबाव में आ जाएगा। अमेरिका के कनाडा, मेक्सिको और चीन पर शुल्क लगाने संबंधी आदेश के बाद ही बाद ही रुपये में भारी गिरावट आई है। भारतीय रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 67 पैसे की गिरावट के साथ 87.29 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। बाजार में आई बड़ी गिरावट से निवेशकों को 5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण कम होकर 419,83,537 करोड़ रुपये रह गया है जबकि इससे पहले ये 424,80,380 करोड़ रुपये था।वहीं शनिवार को बजट के बाद बाजार सपाट बंद हुआ था।

बजाज ऑटो की जनवरी में बिक्री सात प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । बजाज ऑटो की जनवरी में निर्यात सहित कुल बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 3,81,040 इकाई रही। बजाज ऑटो लिमिटेड की ओर से जारी बयान के अनुसार कंपनी ने जनवरी 2024 में कुल 3,56,010 वाहनों की बिक्री की थी। मोटर वाहन विनिर्माता की वाणिज्यिक वाहनों सहित कुल घरेलू बिक्री पिछले महीने नौ प्रतिशत घटकर 2,08,359 इकाई रह गई, जो जनवरी 2024 में 2,30,043 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में कुल निर्यात 37 प्रतिशत बढ़कर 1,72,681 वाहन हो गया, जबकि जनवरी 2024 में यह 1,25,967 इकाई रहा था।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में छह महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने जनवरी में छह महीने में उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिसमें निर्यात में 14 वर्षों की सबसे तेज वृद्धि का महत्वपूर्ण योगदान है। एक मासिक सर्वेक्षण अनुसार एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 57.7 हुआ जो दिसंबर के 56.4 के मुकाबले उच्च है। इस स्थिति में उत्पादन गतिविधियों में विस्तार का संकेत है जो नए निर्यात ऑर्डरों में स्थिर वृद्धि को प्रेरित करता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने इस वृद्धि को उत्साहपूर्ण माना और कहा कि घरेलू और निर्यात मांग के समृद्ध होने से यह अच्छे संकेतों का सामना कर रहा है। कंपनियों ने नए ऑर्डरों के साथ मजबूत वृद्धि देखी है और भविष्य में भी उत्पादन की संभावनाओं में आशा जताई है। इस उत्साहित माहौल में लागत दबाव नीचे आ गया है जबकि बिक्री मूल्यों में मजबूती आई है। यह सभी तथ्य हमें यह साबित करते हैं कि भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में जनवरी महीने ने उच्च स्तर पर वृद्धि को दर्शाया है और आने वाले समय में इसे और भी बढ़त मिल सकती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने लांच की तीसरी पीढ़ी की एस1 रेंज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी तीसरी पीढ़ी की एस1 रेंज लॉन्च की है। इन स्कूटर्स की शुरुआती कीमत 79,999 रुपये रखी गई है, जो इंट्रोडक्टरी प्राइस है। इस नई रेंज के तहत एस1 एक्स, एस1 एक्स प्लस, एस1 प्रो और एस1 प्रो प्लस मॉडल्स पेश किए गए हैं। कुछ समय के लिए यह स्कूटर सस्ते दाम में उपलब्ध होंगे, जिसके बाद कंपनी इनकी कीमत बढ़ा सकती है। ओला के ये नए स्कूटर पिछली जनरेशन के मॉडल्स को रिप्लेस करेंगे और बेहतर परफॉर्मेंस व नई तकनीक के साथ आएंगे। लॉन्चिंग के दौरान, ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर भाविश अग्रवाल ने कहा कि पहली पीढ़ी के स्कूटर्स के जरिए कंपनी ने देश में ईवी क्रांति की शुरुआत की थी। दूसरी पीढ़ी में हर प्राइस रेंज के ग्राहकों के लिए स्कूटर पेश किए गए थे।

यूरोपियाई आयोग की चेतावनी : अमेरिका की शुल्क नीति पर कड़ी प्रतिक्रिया

- चीन, कनाडा, और मैक्सिको जैसे देशों ने भी भारी शुल्कों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की घोषणा की

ब्रुसेल्स । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तीन देशों पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) की घमासान स्थिरता को हिला देने के साथ-साथ यूरोपीय आयोग ने इस पर आलोचना की है। आयोग ने कहा कि यह कदम वैश्विक व्यापार को प्रभावित करता है और सभी के लिए नुकसानदायक है। यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रवक्ता ने दोषपूर्ण शुल्क लगाने के फैसले का खेद जताया और चेतावनी दी है कि अगर ईयू को निशाना बनाया गया तो वह भी जवाब देगा। उन्होंने खुली व्यापार व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के पालन को आर्थिक विकास के लिए जरूरी बताया। इस विवाद में अमेरिका का कदम महंगाई में इजाफा होने का अंदेशा देता है जिससे सभी पक्षों को नुकसान पहुंच सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहाँ तक कहा है कि वह यूरोपीय संघ के उत्पादों पर और शुल्क लगाएगा, जिससे विपक्षी मुद्राएं उठाने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप चीन, कनाडा, और मैक्सिको जैसे देशों ने भी भारी शुल्कों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की घोषणा की है। इस भूखंड पर उबाऊ विरोध के साथ, बहुत सारे देश व्यापारिक संबंधों में समिक्षात्मक माहौल में उलझे हैं। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को ट्रंप ने एक आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत और मैक्सिको व कनाडा से आने वाली वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया गया। इस कदम का व्यापक विरोध हुआ और कई देशों ने जवाबी कार्रवाई की। इसके जवाब में, चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराएगा और अपने हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने घोषणा की कि मंगलवार से अमेरिका से आयातित 21 अरब डॉलर की वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने भी अपने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे देश के हितों की रक्षा के लिए शुल्क और अन्य व्यापारिक उपाय अपनाएं।

वित्त मंत्री ने घोषित की गिग श्रमिकों के लिए पीएम-जेएवाई की योजना

नई दिल्ली । व्यय सचिव मनोज गोविल ने बताया कि वित्त मंत्रालय श्रम विभाग के साथ परामर्श कर रहा है और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत एक करोड़ गिग श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है। गोविल ने बताया कि ई-श्रम मंच पर गिग कर्मचारियों के लिए पहचान पत्र और पंजीकरण की व्यवस्था की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में घोषणा की थी कि गिग कर्मियों को पीएम जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी। इससे आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई योजना को बढ़ावा मिलेगा, जिसका उद्देश्य 12 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है। मनोज गोविल ने एक साक्षात्कार में बताया कि वित्त मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों के साथ परामर्श के माध्यम से योजना की रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने भी बताया कि गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना की लागत के बारे में गणना की जा रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यह निर्णय लिया कि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जाएगी, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे वृद्ध नागरिकों को भी समाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा।

प्रेम मंजरी उच्च बिद्यालय में सरस्वती पूजा कर संगे बिज्ञान परदरसनी कर आयोजन

रांची। पिठोरिया इस्थित प्रेम मंजरी उच्च बिद्यालय में 3 फरवरी के सरस्वती पूजा संगे बिज्ञान परदरसनी कर आयोजन करल गेलक। इकर में छात्रमन आपन रचनात्मकता आउर बैज्ञानिक सोच कर सानदार परदरसन करलयं। परदरसनी में बिभिन्न बिसय उपरे आधारित मॉडल आउर प्रोजेक्ट्स के परदरसित करलयं।

छात्रमन नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र, वृक्कीय कार्य मॉडल जल आसवन कार्य मॉडल गैस उत्सर्जन अभिक्रिया अम्लीयत आउर छारीयता कर जांच कर मॉडल प्रस्तुत करल गेलक। संगे पिठोरिया कर प्रमुख अस्थल जगतपाल सिंह कर किला, नागपुरी संस्थान, दुर्गा मंदिर, शिव मंदिर एऐ मस्जिद कर संगे आउर प्रमुख अस्थलमन कर मॉडल प्रस्तुत करल गेलक।

परदरसनी कर उद्घाटन मुध गोतिया समाजसेवी सह सिछाबिद् स्वामी देवेंद्र प्रकाश करलयं। ऊ छात्रमन कर द्वारा प्रस्तुत नवाचार कर सराहना करलयं। उनके आगे भी बिज्ञान कर छेतर में नवा खोज करेक ले प्रेरित करलयं।

छात्रमन आपन-आपन प्रोजेक्ट्स कर बिस्तृत बिबरन देलयं। आगंतुकमन कर सवाल कर जबाब भी देलयं। दरसकमन छात्रमन कर प्रतिभा कर लोहा मानलयं। सउब मॉडल कर परसंसा करलयं। बिसेस आकार्सन कर केंद्र जगतपाल सिंह कर भग्नावशेष किला रहे, जेके दरसकमन खूब सराहलयं।

ई मौका में बिसिस्ट गोतिया डॉ राम मनोहर लोहिया+2 बिद्यालय कर प्रधानाचार्य डॉ अमरेन्द्र कुमार कहलयं कि ई किसिम कर परदरसनी छात्रमन कर बैज्ञानिक सोच के बिकसित करेक में सहायक होवेला। उनके नवा अविस्कार करेक ले प्रेरित करेला।

ई मौका अनिल केसरी, रुपाश्री गाड़ी, अमीर अंसारी आउर बिद्यालय कर निदेसक सुजीत कुमार केसरी मुध रूप से उपस्थित रहयं।

कार्जकरम कर आयोजन में प्रेम मंजरी उच्च बिद्यालय कर एचएम विजय पांडे, सचित राणा, शैलेश तिर्की, रंजीत तिर्की, पिंकी कुमारी, शबनम परवीन, नीरज कुमार देव, नित्या, हेमा, मारग्रेट, सुमित्रा, सोबिता, सरिता, अमृता, मोनिका, प्रियंका, आरती आउर सावधानी कुजूर कर मुध जोगदान रहे।

तिरुपति अपार्टमेंट में सरस्वती पूजा हर्सोल्लास कर संगे मनाल गेलक

रांची। कांके रोड इस्थित तिरुपति अपार्टमेंट में मायं सरस्वती पूजा कर उत्सव बड़ उमंग आउर आस्था कर संघे मनाल गेलक। बिहाने तिरुपति अपार्टमेंट में मायं सरस्वती कर प्रतिमा स्थापना करल गेलक। अपार्टमेंट कर महिला-पुरुस आउर छउवामन कर द्वारा सिछा, कला आउर संगीत कर देवी मायं सरस्वती कर पूजा- अर्चना गोटा बिधि-बिधान से करल गेलक। पूजा कर दौरान बिसेस रूप से बिद्यार्जन, कला आउर संगीत से संबंधित बस्तु जैसे किताब, बाद्य यंत्र पूजा अस्थल में राखल गेलक। पूजा कर बाद प्रसाद बितरन करल गेलक।

बसंत पंचमी में बिरसा मुंडा फन पार्क में होलक नृत्य प्रतिजोगिता

रांची। बिरसा मुंडा फन पार्क रांची आउर रिलेशंस कर संजुक्त तत्वावधान में सरस्वती पूजा आउर बसंत पंचमी कर सुभ अवसर में जेल मोड़ इस्थित बिरसा मुंडा फन पार्क में बसंत पंचमी उत्सव सह एकल नृत्य प्रतिजोगिता कर आयोजन 3 फरवरी के करल गेलक। ई प्रतिजोगिता में 7 बछर से 15 बछर कर उमर कर छउवामन हिस्सा लेलयं। छउवामन एक से एक प्रस्तुति देइ के दरसकमन के झूमेक ले मजबूर कइर देलयं।

ई अवसर में मुध गोतिया कर रूप में झारखंड चैंबर कर महासचिव आदित्य मल्होत्रा उपस्थित रहयं। बिसिस्ट गोतिया बिरसा मुंडा जेल पार्क कर संचालक आर्यन चोपड़ा आउर रिलेशंस कर निदेसक आशुतोष द्विवेदी संजुक्त रूप से बिजेता प्रतिभागीमन के पुरस्कार देइ के पुरस्कृत करलयं।

कार्जकरम कर संचालन गुरुकुल शिक्षा कर निदेसक सूरज प्रसाद करलयं। धन्यवाद जेल पार्क कर संचालक आर्यन चोपड़ा करलयं।

ई नृत्य प्रतिजोगिता कर निरनायक नीतू कुमारी, सोनी पोद्दार आउर पारी मुखर्जी रहयं।

नृत्य प्रतिजोगिता में पहिल - आयात आजमी दूसर -तनु कुमारी आउर तीसर जैबा रहयं।

ई अवसर में रांची कर उभरत गायक अयान खान आपन मधुर गायकी से दरसकमन के खूब झुमालयं।

कार्जकरम के सफल बनायेक में कुंदन सोनी, अभिषेक कुमार, निरंजन राम, राधे भट्ट, दीपक कुशवाहा, इम्तियाज कर सहजोग रहे। ई जानकारी अमन देलयं।

मां सरस्वती कर पूजा धूमधाम से मनाल गेलक

लोहरदगा। मां सरस्वती कर पूजा छेतर में सांतिपूर्न आउर भक्तिमय माहौल में सोमार के सम्पन्न होए गेलक। जिला कर बिभिन्न सरकारी आउर गैर सरकारी बिधालय से लेइ के कोचिंग संस्थान आउर बिभिन्न गांव में मायं सरस्वती कर प्रतिमा स्थापित कइरके पूजा अर्चना करल गेलक। मंगलवार के मायं सरस्वती कर प्रतिमा कर बिभिन्न नदी आउर तालाबमन में बिसर्जन करल जाई। सरस्वती पूजा के लेइ के छेतर में सुरछा कर कड़ा इंतजाम करल जाए रहे।

सउब चौक – चौराहा आउर संबेदनसील इलाका में पुलिस बल तैनात करल जाय रहे। सरस्वती पूजा के लेइ के छउवामन में बिसेस उत्साह देखल गेलक। बिहाने से माहौल भक्तिमय बनल रहे। चाइरों दने पूजा के लेइ के उत्साह देखतेहे बनत रहे। पूजा अर्चना कर बाद छउवामन जइम के पंडाल जगन डांस करते सरस्वती पूजा उत्साह से मनालयं।

आठ गो प्रमुख उद्योगमन में कोयला छेतर सउबसे बेसी वृद्धि हासिल करलक

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आठ कोर उद्योग कर सूचकांक (आईसीआई) कर अनुसार कोयला छेतर 5.3 प्रतिसत (अनंतिम) कर उच्चतम वृद्धि दरसाय हे, जे दिसंबर 2024 में 215.1 अंक तक पहुंइच जाए हे। दिसंबर, 2023 में ई 204.3 अंक रहे। अप्रैल से दिसंबर 2024 कर अवधि कर दौरान कोयला उद्योग कर सूचकांक पिछला बछर कर एहे अवधि कर 167.2 अंक से बइढ़ के 177.6 अंक होए गेलक, जे 6.2 प्रतिसत कर मजबूत वृद्धि के दरसायला, जे सउब आठ गो प्रमुख उद्योगमन में सउबसे बेसी हेके। आईसीआई आठ प्रमुख उद्योगमन में उत्पादन कर संजुक्त आउर ब्यक्तिगत परदरसन के मापेला : सीमेंट, कोयला, कच्चा तेल, बिजली, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद आउर इस्पात। अप्रैल से दिसंबर 2024 कर अवधि ले सूचकांक में बित्त बछर 2023-24 कर समान अवधि कर तुलना में 4.2 प्रतिसत कर वृद्धि होलक। इकर से समग्र औद्योगिक बिस्तार में कोयला छेतर कर महत्वपूर्न जोगदान उपरे जोर देल गेलक।

ई उल्लेखनीय वृद्धि मुध रूप से अप्रैल-दिसंबर 2024 कर दौरान कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि कर कारन हेके, जे पिछला बछर कर एहे अवधि कर 684.47 एमटी से बइढ़ के 726.31 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंइच गेलक। ई उछाल ऊर्जा आउर विनिर्मान उद्योग कर बढ़त मांग के पूरा करेक कर छेतर कर छमता के रेखांकित करेला।

सेल रांची इकाई में मनाल गेलक सरस्वती पूजा

रांची। सेल रांची इकाई में सरस्वती पूजा आइज बड़ धूम धाम से एम.टी. आई. में मनाल गेलक। बिहाने सेलकरमीमन मां सरस्वती कर वंदना करलयं। कार्यपालक निदेसक अनूप कुमार, एस.के.वर्मा, वेदप्रकाश, संदीप कुमार कर आउर संजय धर ई अवसर में करमीमन के प्रोत्साहित करलयं। काइल प्रतिमा के बिसर्जित करल जाई।

गुमला कर डुमरी परखंड में सिरसी ता नाले (ढोन) ककड़ो लता राजकीय समारोह कर आयोजन आइज माघ पंचमी कर दिन बहुते बिस्तृत आउर पारंपरिक रूप से करल गेलक। समारोह में कल्याण मंत्री चमरा लिंडा सम्मिलित होए के उद्गम अस्थल में परिक्रमा कइर के जल चढ़ालयं। सरना मायं से सउब कर खुसहाली आउर संतुलित जिनगी कर प्रार्थना करलयं।

समझदारी जोड़े घर परिवार

नागपुरी कहानी

संतोष महली

फटन.....ये बुटईन सुनु तो जी,काइल मांय बाप आवथैं गांव से तनि सम्भराय लेवब ?

बुटईन.....तो का होलक आवे देउ,सिकाइत कर एको गो मोका नी देवब बुझली।

बिहाने फटन कर उठेक से पहिलेहे बुटईन उइठ जायला,लेउ चाय पि लेउ ।

फटन.....अरे बाह आईज तो बहुत जलदी उइठ गेली जी,का बात हय ?

बुटईन.....राउरेहे तो बाताय रही राईत के मांय बाप आवथंय कइहके,भुलाय गेली का ?

फटन..... नइ जी सचे में आवथैं,देखब कहीं पहिलेहे लखे ना कइर देवब नइ तो...

बुटईन.. देइख लेवब ई बइर कोनो गलती होवी नी तब कहब,कहते बुटईन कोठा घर बटे चइल देवेला,आउर घर के साफ साफाइ करेक में लाइग जायला।

फटन.....भात खाल बाद,चलु तब आईज काम में नी जाब का बुटईन से ?

बुटईन.....राउरे अगुवाउ मोंय तनी देरी से जाबुं,अइसे भी आईज बुध लागे मिसतीरी देरीये से आवी।

फटन.....ठिक राउरेकर जइसन मरजी,ठिक मोंय जाथों तब

बुटईन.....हं ठिक हय,कहते बुटईन अपन काम में लाइग जायला।

बुढ़ा,बुढ़ीया

बुढ़ा.....का होलक बुढ़िया का के इसन सोचथी जे ?

बुढ़िया.....कोनो नहीं जी,राउर कहल से जाएक तो जाथों मुदा डरो लागथे,कहीं पहिलेहे लखे करलैं तो मोंय राईतो राईत निकइल के चइल आबुं,तनिको देरी नी करबुं इ बइर।

बुढ़ा.....राउरे भी नी जी उटपटांगे सोचिला सउब समइ, बोलाहैं तो कोनो सोचिये के नी बोलाय लाइग हैं,पहिले जे होलक से होलक उके भुलाउ,एखन काचा उमइर में कतइ समझदारी रही जे,जइसे -जइसे मुंडक बोझा बड़ही तइसे -तइसे समइझ जाबैं जिनगी के,चलु आब पोहंचे वाला ही रंग रुप के ठिक करु।

तनिक देरी में दुईयो बुढ़ा बुढ़िया घर पोहंइच जायना।

बुटईन.....दुईयो झन के देखतेहे बाड़ा खुश होवेला, दुईयो कर गोड़ छुइ के अशिरबाद लेवेला आउर हांथ से झोला के माइंग के भितरे घुंसाय लागेला।

ई झोला में का हय बा..का के इसन बोइह के लाइन ही जे यो ?

ओतइ दुर से।

बुढ़ा.....कोनो नइ बेटी,बगइचा से जुन दुई चाईर गो कलमी आंबा के लाइन देहों,आउर घरेहे कर पाकल कठर के आउर तनि मनि सुखल साग के,कहियो -कहियो मांड़ डबकाल खाबा कइह के,आउर गांव में का मिली जे यो....

बुटईन..... बहुत बढ़ियां करली बा.... लाइन देली हिंयां तो ई सब कर नामो निशान नखे,आछा चलु आब राउरे मने जलदी से मुंह हांथ धोइ के आउ तब तक ले मोंय सरबत बानाथों,मांय ओदेला उ जगे ठंढा पानी राखल हय जाय के मुंह हांथ के धोइ लेउ बेस लागी,, बा...राउरे भी जलदी से नाहाय लेउ।

बुढ़ा.....का सरबत परबद के बानाथी बेटी छोडु रहे देउ,इसन अड़ुबा खारचा करब तो काहां से आगे बढ़े पारब।

बुटईन..... बुढ़ा बुढ़िया कर आवेक से पहिलेहे भात तियन तेयार कइर ले रहे।

फटन..घर घुंसतेहे....मांय बाप आलैं जी ?

बुटईन.. हं उ मन तो कब से राउर आसरा देखथैं,आवी होले संगहे खाब कइह के,सरबत बानाय दे रहों सेखेहे खाली पि के हैं,आछा राउरे एतइ देरी काले करली जी ?

फटन.....अरे का कहब जे दोकान में बहुत भिंड़ रहैं,सेले देरी होइ गेलक,राउरे कखन आली ?

बुटईन.....मोंय एके बेला काम कइर के आय जा रहों,चलु जलदी जाउ आउर नहाय के आउ तब तक ले मोंय भात हेरथों।

फटन.....हं हं ठिक हय नी,फटन नाहाय के आवेला आउर अपन मांय बाप कर अशिरबाद लेके हाल चाल पुछे लागेला...एतनेहे में

बुटईन.....का जी राउरोहो भी,चलु -चलु खाय लेउ तसे बतियात रहब भात तियन ठंढा होइ जाइ,

बुटईन तीनों झन ले खाना निकलाय देवेला,आईज बुटईन बुढ़ा बुढ़िया कर मनपसंद तियन बाना रहे आउर कलमदानी चाउर कर भात।

बुढ़ा.....राउरोहो ले निकलाउ नी बेटी संघे बइठ के खाब तो कतइ बेस लागी, बुढ़िया भी हं हं ठिक कहथी। में हुंकारी भरेला।

बुटईन.....आपने मन खाउ नी यो...तसे मोंय खाबबुं...मोंय आपने मन कर आवेक से पहिलेहे सुजी कर हलुवा खाय ले रहों।

इसनेहे करते आठ दस दिन बित गेलक, इ बइर बुटईन पुतउ कम बेटी बागरा रहे, संघे घुमे जात रहैं अगल बगल कर आदमी से बुटईन जान परिचय कारात रहे,आउर बुढ़ा बुढ़िया कर तारिफ बगरे करत रहे।

बुढ़िया एकदम मोहाय जा रहे पुतउ कर पेयार में,,,,बीस दिन बितल बाद।

बुढ़ा.....आछा बाबु आब हामरे जाब रथ पहुंचल हय, महिमान मने भी आबैं,बिंड़ा मने भी छिटेक हय,काले बोलाय रहिस तब बाताबो नी करले?

बुटईन.....आंईंख में डबडबाल पानी भरल सुसकते -सुसकते का कहों बा...

मोंय हिंयां नी रहे चाहोना,मोंय गांव में आपने मन कर साथे रहे चाहोना,आउर राउर बेटा हिंयां जमीन ले ले हे,खाली अपने मति खति करे खोजैना,मोर तो कोनो सुनबे नी करैं,मोंय राउर ले सईंकील किनब कइह के तनी मनि अलगे से पईसा राइख रहों सेखोहो उठाय देलंय,ई बइर आपने मन कर शादी सालगिरह में सोइच रहों कोनो चिन्हा देबुं कइह के मांयो कर घेचा खाली -खाली रहेला सोइच रहों मांयो ले सिकरी किन देबुं कइह के,मुदा का कहों इनके।

साईस बुढ़िया.....कर भी आंईंख में पानी भइर जाएला,आउर अपन पुतउ के चुप करुवाय लागेला,अरे पगली चुप कर,छउआ मन लखे ना कांद,तोर नाम से मनियाडर आ रहे पुरा पुरी 11000 हाजार रहे, तोर बाप कर सईंकिल कसेले आधा पईसा दे दे हों,आउर मोर ले सिकरी भी सोनार कइहे जलदीये बानाय देबुं कइहके।आउर जमीन लेहा तो बहुत बढ़ियां बात इकर में का बुराइ हय जे,मन करी घर बानाबा नी करी कुछ दिन में बेइच देबा आउर गांव में तोहरेहे कर तो सउब लागे हामरे थोड़ियो नी लेते जाब ,के माना कइर हे तोके गांव आवेले आव तोर अपन संपत्ती उगावा चाहे डुबावा सउब तोहरेहे कर जुन लागे।

सउब कर आंईंख से तनि मनि लोर गिरे लाइग रहे।

बुटईन.....तनि हांसतेहे हांसतेहे... फटन से....

आछा सेले नी बातात रही मोंय तो डेराय जा रहों।

बुढ़ा बुढ़िया के दुसर दिन निकलेक रहे।

एक राईत पहिलेहे बुटईन बुढ़ा बुढ़िया से?

बुटईन.....साईस कर गोड़ चिपते -चिपते,मांय कोनो गलती होइ होवी तो माफ करब हं।

बुढ़िया.....काले इसन बोलिस जे रे पगली,इ बइर तो मोर दिल के जीत लेले,जाहोक मन नी करथे मुदा मजबुर आहों।

दुसर दिन बुढ़ा बुढ़िया अपन घर पोहंइच जायना।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com